# RASHTRADHAN

## 2021

## IMPACT OF COVID-19

Shiksha Mandal, Wardha's

**G. S. COLLEGE OF COMMERCE & ECONOMICS**

Civil Lines, Amravati Road, Nagpur - 440 001

(A Hindi Linguistic Minority Institution)

Tel: 0712-2531760, Fax: 0712 - 2528747

e-mail: gscollegenagpur@rediffmail.com website: www.gscen.shikshamandal.org

**NAAC Accredited 'A'-Grade Autonomous College**

A RUSA BENEFICIARY INSTITUTION

# OUR TRIBUTES

Principal Dr. N.Y. Khandait garlanding the bust of late Shri Jamnalal Bajaj on his Birth Anniversary

Members of teaching and non-teaching staff offering tributes to Late Shri Jamnalal Bajaj on his Death Anniversary

शिक्षा मंडल, वर्धा, द्वारा संचालित

# गो. से. अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर

(नॅक (NAAC) द्वारा मानांकित "A")

(स्वायत्त दर्जा प्राप्त)

# राष्ट्रधन

## २०२० - २०२१

## ❖ संपादक मंडल ❖

### मार्गदर्शक

प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत

### मुख्य संपादक

डॉ. देवयानी व्ही. चव्हाण

प्रा. एस.एस. कठाळे

प्रा. आकाश जैन (विशेष आमंत्रित)

डॉ. पी.एम. पराडकर (विशेष आमंत्रित)

डॉ. सोनाली गादेकर, डॉ. नेहा कल्याणी

### छात्र संपादक मंडल

| | | | |
|---|---|---|---|
| शुभांगी नाडेकर | (M.Com. IV Sem-M) | समीक्षा भुसारी | (B.Com. VI Sem-E2) |
| अर्थव पांडे | (BCCA IV Sem) | श्रृती शर्मा | (BBA IV Sem) |
| मधुप्रिया सिंग | (Honours II Sem) | तन्मय रेवतकर | (Fin. & Accountancy II Sem) |


### प्रकाशक

प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खंडाईत

गो. से. अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय

अमरावती रोड, नागपूर

# सम्पादकीय

" समय आपदा का खडा, बडा कठिनतम दौर
सरल रखे जीवन को, नजर रखे हर ओर।"

कोविड –19 के इस निराशाजनक दौर में सादा जीवन और सकारात्मक विचार ही प्राणरक्षा कर सकते हैं। सादगी पूर्ण जीवन ही शिक्षा का मूलमन्त्र है। शिक्षा ऐसी हो कि विद्यार्थी अपनी शारीरिक, मानसिक, भावात्मक शक्तियों का विकास कर सके, आर्थिक रूप से सक्षम होकर कलामय सौन्दर्यमय जीवन व्यतीत कर सके और एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सके। इस विचार को अमली जामा पहनाने वाले माननीय श्री जमनालाल जी बजाज द्वारा सस्थापित शिक्षा मण्डल वर्धा के अन्तर्गत कार्यरत स्वायतशासी गो. से. अर्थ –वाणिज्य महाविद्यालय, नागपूर सदैव से ही अपने विद्यार्थियों के हित में कार्य करता रहा है।

इस वैश्विक महामारी ने अनगिनत प्राणों को लील लिया है। क्या अमीर, क्या गरीब सभी इसके चपेटे में आ गए। शिक्षा, रोजगार, उद्योग धन्धे सभी इससे प्रभावित हुए है। शहरीकरण से उदासीन मजदूरों का पलायन, मोबाइल के आर्कषण में लिप्त युवा पीढी की मित्रों और ऑफलाइन शिक्षा के लिए छटपटाहट वर्तमान में देखी जा सकती है। इस वैश्विक महामारी के कारण मजदूरों की विवशता, स्वास्थ्य ससांधनों की कमी, भूख से जूझता निर्धन वर्ग, मृत्यु के बाद भी शमशान में जगह ना होना, बिखरती शिक्षा व्यवस्था इन सब स्थितियों ने विभाजन के भयावह दृश्य फिर से ताजा कर दिये। लाखों लोगों की असमय मृत्यु ने विज्ञान की चकाचौध से ग्रस्त मानव के दर्प को चकनाचूर कर दिया। अपने वैज्ञानिक संसाधनों का दावा करने वाला मानव निराश और हताश होकर केवल किसी चमत्कार की बाट जोह रहा है।

इस दुःख और निराशा की विकट घडी में भी मानवता शेष है, सामाजिक संगठनों, स्वास्थ्य कर्मियों, अनेक धनवानों द्वारा मदद के हाथ आगे बढाये जा रहे है। अपनी सामर्थ्यानुसार एक दूसरे को मानसिक, आर्थिक रूप से सम्बल दिये जाने का प्रयास किया जा रहा है। कोविड –19 की इस वैश्विक महामारी ने विद्यार्थियों को आर्थिक, मानसिक एवं समाजिक समस्याओं से ग्रस्त कर दिया है। ऐसे विकट समय में जब महाविद्यालयों और कक्षाओं में आमने सामने बैठकर शिक्षा का आदान – प्रदान नहीं हो सकता, तब ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प को खोजकर विद्यार्थियों से जुड़ा गया, साथ ही विद्यार्थियों की सामयिक समस्याओं के समाधान एवं उन्हें मानसिक रूप से सम्बल देने के लिए न केवल ऑनलाइन शिक्षा अपितु विविध प्रकार की गतिविधियों को भी ऑनलाइन किया गया। किन्तु इस सत्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि ऑफलाइन शिक्षा ऑनलाइन शिक्षा से कई गुना बेहतर है। ऑफलाइन शिक्षा से विद्यार्थी का सर्वागीण विकास होता है जबकि ऑनलाइन शिक्षा केवल ज्ञान के मोती ही दे सकती हैं । किन्तु कोरोना के इस विकट काल में पहली प्राथमिकता प्राण रक्षा की है इसलिए शिक्षा जगत भी तकनीक पर निर्भर होने के लिए बाध्य है । शिक्षा और जीवन का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है और इस आपदा काल में प्राण रक्षा के लिए आशावाद, अपनेपन, स्नेह, सकारात्मकता एवं प्रेरणा की महती आवश्यकता है। निसन्देह शिक्षक ही वह सूत्र है जो इस आपदा काल में भी विद्याथियो में आशावाद एवं सकारात्मकता की जीवन्तता दे सकता है।

वार्षिकांक राष्ट्रधन विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को उकेरने का एक माध्यम है। समाज की प्रतिकूल स्थितियों के प्रति विद्यार्थियों को उनके कर्तव्य का एहसास कराना इस पत्रिका का लक्ष्य है। इस पत्रिका के स्वरूप में विद्यार्थियों के लेख, काव्य एवं कला उनकी साहित्यिक अभिरूचि की परिचायक है।

राष्ट्रधन समिति, मातृ संस्था शिक्षा मण्डल वर्धा की प्रबंधन समिति विशेषतः सभापति श्री संजय जी भार्गव और प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के निरन्तर सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञ है। इस अंक में कोविड –19 के कारण विविध क्षेत्रों पर हुए प्रभावों को लिपिबद्ध करने का प्रयास किया गया है। अतः यह वार्षिकांक स्वास्थय कर्मियों की कर्तव्य निष्ठा एवं विश्व की उस आशा, उस उम्मीद की किरण को समर्पित किया गया है जो हमें इस वैश्विक महामारी से शीघ्र ही निजात दिला सकती है।

" जल्दी ही तम हटेगा, जगमगायेगा सूरज
बस रखना पडेगा, थोडा सा धीरज । "

- संपादक मण्डल

# 'विद्यापीठ गीत'

या भारतात बंधुभाव नित्य वसू दे ।
दे वरची असा दे ।
हे सर्व पंथ-संप्रदाय एक दिसू दे,
मतभेद नसू दे ।।धृ।।

नांदोत सुखे गरिब-अमिर एकमतानी ।
मग हिंदू असो, ख्रिश्चन, वा हो इस्लामी ।
'स्वातंत्र्यसुखा' या सकलांमाजि वसू दे।
दे वरची असा दे ।।१।।

सकळांस कळो, 'मानवता, राष्ट्रभावना' ।
हो सर्वस्थळी मिळूनि 'समुदाय-प्रार्थना' ।
उद्योगि तरुण वीर शीलवान दिसू दे ।
दे वरची असा दे ।।२।।

हा जातिभाव विसरुनिया एक हो आम्ही ।
अस्पृश्यता समूळ नष्ट हो जगातुनी ।
खळ निंदका मनीहि 'सत्य न्याय' वसू दे।
दे वरची असा दे ।।३।।

सौंदर्य रमो घर-घरांत स्वर्गि ज्यापरी ।
ही नष्ट होऊ दे विपत्ति, भीती बोहरी ।
तुकड्यास सदासर्वदा सेवेस कसू दे ।
दे वरची असा दे ।।४।।

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

# CONTENTS


| | Page No. |
|---|---|
| • ENGLISH SECTION | E1 - E18 |
| • HINDI SECTION | H1 - H12 |
| • MARATHI SECTION | M1 - M13 |
| • ACTIVITY AND COMMITTEE REPORTS | 01 - 48 |

# Our Inspiration

**SHRI RAHUL BAJAJ**

**President**
**Shiksha Mandal, Wardha**

# Shiksha Mandal Trustees / Office Bearers

**Shri Rahul Bajaj**
President & Trustee

**Shri Shekhar Bajaj**
Vice-President / Trustee

**Shri Sanjay Bhargava**
Chairman & Trustee

**Shri Madhur Bajaj**
Trustee

**Shri Sanjiv Bajaj**
Trustee

**Shri Bharat Mahodaya**
Vice-President

**Shri P.D. Khemuka**
Joint Secretary

**Shri Ambikaprasad Tiwari**
Joint Secretary

# From the Principal's Desk

Dear Students,

It is now more than a year since Covid-19 first started making its ominous inroads in India and it appears that the dreaded virus is here to stay for some more time even as our fight with it is in full swing and the country is in the middle of getting vaccinated.

The impact that Corona has left on each and every sphere of human life on the earth need not be elaborated. The depressed world economies, changed social equations and life styles amid a series of lockdowns and restrictions, masks and sanitizers etc. have indeed added some unsavoury dimensions to our life but the good thing is that we have learnt to live with these new ways of life. This year's **Rashtradhan** thus tries to capture the pandemic's impact on our lives through the students' perspective.

Academics, too, has had its share of Covid-19 impact. Total shut-down of schools and colleges has evolved a culture of online teaching-learning and online examinations. Even the final/terminal semester examinations were conducted online albeit with some furore over the MCQ-pattern of question papers which invited a general criticism that things were being made too easy for students and standard of assessment was lowered etc.

But you have braved it all. I am very happy to mention that your response to the new norms of academics and the dexterity with which you adapted to the new ways of teaching-learning and online examinations is very commendable. Even our teachers, who are more adept in class-room teaching, have also done remarkably well in online methods. I have been told that all syllabi were completed and that most students have registered more than 75% attendance in online classes. Even online examinations, both as per the University pattern and under the college's autonomy, registered more than 90-95% attendance which speaks volumes about the indomitable spirit of our students and teachers. I take this opportunity to congratulate all the students and faculty members as well as the examination staff for coming up trumps through these new experiences.

Further congratulations are due for all those students who have once again dominated the University Merit Lists. In BCCA, our students have occupied all the top 5 spots while 2 students have shared the ninth position. In BBA, we have secured two spots including that of the topper while in B.Com., we have captured 4 merit positions. In all thus, we have secured 13 merit positions in 3 courses and topped in the two of them. There indeed could not have been a better parting gift to the college from these last batches. Thanks to all of you for contributing to the GS-brand by your superlative performance.

I also take this opportunity to welcome all those students who have entered GS for the first time. A special mention needs to be made for the new students of B. Com. (Hons) and B.Com. (F & A) who, coming from different parts of the country, have trusted the GS brand and secured admissions in these new courses which were launched in 2020-21 for the first time in the whole of Central India. Their trust and faith in us makes us more responsible and we promise that we will deliver the goods to fulfill their aspirations.

The pandemic and the shutdowns have prevented us from engaging any physical activities, our usual, and competitions which all of us have missed badly. But our students have participated in a variety events of online competitions and won many prizes. Also commendable is an IQAC-Research Cell initiative of conducting webinars. About 50 webinars have already been conducted by our faculty members. Congratulations to all these students and faculty members.

But for Covid-19, 2020-21 should have been a special year for GS. Besides being the momentous year of college's Platinum Jubilee, 2020-21 has seen a lot of value-addition in terms of the historic start of two new courses of B.Com. (Hons) and B.Com. (F &A). We also have added a new academic block and the Women's Hostel to our infrastructure and also renovated our main Heritage Building. We have also augmented our IT infrastructure by fitting smart boards in 24 classrooms with financial assistance from RUSA, UGC and our kind Management Shiksha Mandal, Wardha. We will celebrate our Platinum Jubilee and our new assets as soon as it becomes feasible in these pandemic-driven uncertainties.

We also take this opportunity to express our gratitude to Shri Rahul Bajaj, Chairman of the Bajaj Group and President of Shiksha Mandal, Wardha for sponsoring a special COVID Vaccination Drive for the students and staff of our college. The Vaccination Drive, which commenced on 10 June, 2021, coinciding with Shri Rahul Bajaj's birthday, is still going on and over a thousand students and staff have already been vaccinated. I appeal to all the students to vaccinate themselves not only for their own safety, but also to strengthen India's fight against COVID-19.

Lastly, I congratulate all those students who have contributed online to this edition of **Rashtradhan**. I congratulate the Editorial Board for their hard work in publishing this issue in such difficult times.

God bless you all.

**Dr. N. Y. Khandait**
Principal

# MERIT STUDENTS

## B.C.C.A.-FINAL SUMMER-2020

G.S.N. Medha
Rank -01

Bariya Naaz
Rank -02

Samiksha C. Sharma
Rank -03

Rudradeo R. Patel
Rank -04

## B.C.C.A.-FINAL SUMMER-2020

Shubham H. Mishra
Rank -05

Abhishek V. Maloo
Rank -09

Nagesh R. Meshram
Rank -09

## B.B.A.-FINAL SUMMER-2020

Ankita R. Rathod
Rank -01

Shweta S. Chauhan
Rank -04

## B.COM.-FINAL SUMMER-2020

Dipika B. Kandwal
Rank -04

Shahina M. Ansari
Rank -05

Jaissika
Rank -06

Priya C. More
Rank -09

# NET / SET Qualified Students

Arti Verma
Qualified NET exam October 2020
and also received NFSC Scholarship
Qualified SET exam December 2020

Jayant Kumar Rane
Qualified SET December 2020

Poonam Waghela
Qualified NET October 2020
and also received NFSC Scholarship

# *Expressions*
# ENGLISH
## SECTION

# Impact of Covid -19 pandemic on education sector

"24th March 2020- PM Modi announced nationwide lockdown ,asked people to Mark lakshman Rekha outside their home."- everyone in the country have heard or read these headlines running all over ,when covid-19 -the pandemic, just started its first crawls in the country.

As Snapshot ,governments Began shutting down schools and colleges as a measure to contain the spread of novel coronavirus .But certainly the outbreak of covid-19 has taught us that change is inevitable ,though it has created many challenges for all the sectors of the economy including substantial impact on the education sector ,nevertheless various opportunities have also evolved.It has worked as a catalyst for the educational institutions to grow and opt for more open and distance learning (ODL) and go for technological platforms.

The pandemic have not stop the learning.Quick adaptation to online teaching by most of the schools and colleges have paved the way to knowledge through these hard times.Including GS, which started in its online classes on 20th July with same coherence as before .It has definitely enhanced digital literacy and escalated the use of soft copy of learning material which makes the whole process, energy efficient .

To make sure that students not only complete their degree in this academic year but also get ready for the future digital oriented environment and real life corporate world ,various webinars ,online programmes like CPBFI ,upskilling courses were launched not only by our college but many Educational Institutes.

The fact here is that India is not fully equipped to make education reach all corners of nation via digital platforms, but on a positive note ,this creates and an aim and opportunity to make India Digitally accessible completely.

Needless to say ,the pandemic has transformed the centuries-old 'chalk -talk' teaching model to one driven by technology.Undoubtedly, nothing can stop us "as we learn together even when we are apart"

**Shruti Sharma**
BBA - III

## Impact of Covid -19 Pandemic on The Indian Economy

The term covid-19 is now familiar to everyone. It is a highly infectious disease that started from the Wuhan Animal Market, in China and is a global concern as of today.

The economic impact of COVID-19 is very disturbing. No one has been spared of its ill effects. Economies of about 100 plus countries have been destroyed. Some countries have asked for monetary help from International Monetary Fund (IMF). Businesses across the world namely tourism, hospitality, entertainment, aviation etc has seen a major negative impact. Even the developed Countries such as USA, Italy and Spain could not escape the outbreak of covid-19, and are suffering the most as their death toll is very high.

There is a big shift in the world economic market and the share market has witnessed crashes day by day. Factories, Restaurants, Pubs, Markets, Flights, Super Markets, Malls, Universities and Colleges etc. were shut down. Fear of corona virus has limited the movement of the individuals. In the initial days, people even avoided going out to buy daily essentials. All this has made the global economies suffer.

Global trade in 2020 has fallen in every region of the world, and has already affected all sectors of the economy. The World Trade Organization (WTO) estimated that the global trade will fall upto 32% due to the pandemic.

Developing countries like India have a more fragile socio-economic framework, and the global pandemic has already created a lot of suffering in the unorganised sector. The country is facing an extraordinary challenging time in the current financial year. India faced a huge decline in government revenues and growth of the income for at least two quarters .

India faced a huge decline in government revenues and growth of the income for at least two quarters . A fall in investor sentiment impacts privatization plans, government and industry. The lockdowns have had a sizeable impact on consumption which makes the biggest component of GDP. The GDP saw a striking fall in this financial year, and it fell as low as a -23%.

It can be said that if the obstacles risen due to the pandemic continue to negatively affect the trade and business, then it will pave a way a global recession, for sure.

**Puja Tiwari**
**BBA, III**

## Impact of COVID-19 on Education Sector

Oprah Winfrey once said- "The greatest discovery of all time is that a person can change his future by merely changing his attitude." Now that we know changes in education system were required; the irony was it lacked linear motivation and the changed attitude. People around the state desired a digital change in the existing pattern but none of them took the courage to step forward. For years, we've been talking about digital transformation but were in some undefined future. Well, that future is here!
The shift to digital learning is troublesome because no one was ready until the COVID-19 took hold. The real factors of the 21st century have changed the way we deliver or access information, share knowledge, and ease learning. The COVID-19 pandemic and its resultant impact on our lives have raised the need to adopt innovative ways of getting education services at all levels.

It is inescapable to include digital tools for delivering educational content to students or learners. As technology plays a vital role, various education service providers rethink their strategies to stay strong. The COVID-19 have raised the red flags in the education industry and pushed its way to digital development.

The education sector is addressing new reality. The Tradition of 'Learning Anywhere, Anytime' adds value to the newly amended education sector. The developing levels of academic institutions are driving the tradition of digital learning. Online classes have become the most suitable solution to secure a continuous rise in education. This is possible by adopting these practices:

a)Various schools and universities have developed video broadcasting tools, for example, Zoom, Google Hangout, etc to offer to learn at home. Choosing a video solution helps educators to organize Live stream classroom sessions for students. Video broadcasting includes virtual learning like— recording, live video, audio, live Q&A chat— via mobile app or website.

b) The movement barriers caused by pandemic have encouraged educational institutions to use asynchronous learning programs i.e student-focused learning. It allows learners to complete courses without the compulsions of being present at a particular time or place. Learners can share the idea, feedback, and query with educators and fellow learners, but, they may not receive an immediate response. For example, Digital Library and Discussion Board assist students to connect online without a facilitator.

c) To address the remote learning challenges, various institutions have developed real-time messaging and social media channels- Facebook, WhatsApp, YouTube, and so on. It helps to create online learning opportunities to guarantee education reaches every student's doorstep.

COVID-19 made us realize how interconnected we are globally. Successful generations in the future can understand the inter-relatedness and find a way to reach one's mind and heart across the boundaries and work in an all-around synergistic way. The impact of COVID-19 on the education sector helps students to know the out-of-school experience with a blend of skills, understanding, and attitudes around the world.

**Adnan J. Izzy**
**B.B.A - III**

## Mental Depression : An Alarming social problem

*Mental depression or mental illness is a condition which demands a talk.We all are aware about the phenomena but we avoid a conversation about it, by taking out time for them, knowing that it is a very sensitive condition that can ever take place in the mind of any person.*

So let us talk about it.

Starting with a clear understanding of what a mental illness is.

Being depressed means a state of unhappiness. But if it comes to mental depression it is a situation where a person faces a mood disorder, feeling of grief, guilt or sadness and such person cannot put in words or express what he is feeling. A constant feeling of sadness and unwillingness to do any kind of activity or fading of the desire to live are major areas because of which depression leads to suicidal tendency. Things get difficult and harsh for that person when the mental distress is understood as mere sadness and assumed that it is normal.

Understanding the psychology of the person plays a crucial role. We should understand the volume of stress and sadness of people and should be with them at those tough times and talk to them and calm them.

**It's okay to talk.**

There are numerous reasons for mental depression namely:

- Unacceptability – Our society has a fixed definition of a person being perfect which actually is a stereotype in todays modern era. But such stereotypes are repetitively being reminded to us by our society. What is a society? Who makes the society? How does a society make rules for perfection? These are some questions which are still unanswered.But, due to these stereotypes some people are not accepted the way they are.
- Making success a burden that is a feeling of never ending achievement and rewards. Success shall result in satisfaction and happiness but absence of such feeling for never ending wants and inability to achieve some of them that is fear of missing out may lead to such griefs.
- Inability to handle the failures
- Financial crisis or trap as seen in the great pandemic of COVID 19 has led to many cases of depression as per the reports of WHO.
- Being isolated or being in a tough relation.

There are many more causes apart from the stated reasons because it is not known that what may affect a person or keep on disturbing him. Therefore, it is an alarming

social issue of concern that unhappiness and stress may take an unpleasant form of depression or mental illness. But what actually matters is **What can we do for this cause?**Depression is treatable and curable.

- **DobaraPucho :**This initiative is first in the list that we should bring into action. This is the most precise way to understand the feelings and thoughts of a distressed person by ASKING AGAIN that are you fine? Is there something bothering you? Do you want to tell something?DobaraPucho.
- **Well Being :**The corporates and offices should ensure that they take a good care of mental well being of its employees.
- **Counselor :**A counselor should be available in every offices, schools and colleges.
- **Stress Management workshop :** A stress management session is a great initiative towards keeping a check on the mental health of everyone.

**There are many ways in which we can eliminate the occurence of depression it just depends on how well you understand and handle the thoughts.**

**Preksha Kaushik**
M.Com - IV Sem (E)

## Stay Home - Beat Corona

**Somehow started, this destructive war**
**Do you know, whom it's for?**

**We need to let humanity survive,**
**Then you'll yourself see,then earth revive**

**Don't wait for others, it's with you,**
**Staying at home ,is what you have to do .**

**Don't let Corona get you bended,**
**I promise you, it will soon get ended.**
**I promise you ,it will soon get ended.....**

**Kanchan Sattalwar**
MBA. Sem - III

# IMPACT OF COVID –19 PANDEMIC ON THE INDIAN ECONOMY

The impact of coronavirus pandemic on india has been largely disruptive in terms of economic activity. The economic impact of the coronavirus pandemic in india has been largely disruptive. India's growth in the fourth quarter of the fiscal year 2020 went down to 3.1% . Almost all the sectors have been adversely affected as domestic demand and exports.The world bank and rating agencies had initially revised india's growth FY2021 with the lowest figures. After the announcement of the economic package in mid-may , india's GDP estimates were downgraded even more to negative figures, signalling a deep recession. In india up to 53% of businesses have specified a certain amount of impact of shutdowns caused due to coronavirus on operations, as per a FICCI survey in March. By April 2020 the unemployment rate had increased nearly 19% within a month, reaching 26% unemployment across india, according to the centre for monitoring indian economy. Major Companies in india have temporarily suspended or significantly reduced operations. Fast-moving consumer goods companies in the country have significantly reduced operations and are focusing on essentials.

**Because of Covid – 19 pandemic Stock markets in india posted their worst loses in history on 23 March 2020 :**

## IMPACT OF COVID – 19 PANDEMIC ON DIFFERENT SECTORS :

**Agriculture Sector** : Agriculture is the backbone of the country and a part of the government announced essential category, the impact is likely to be low on both primary agricultural production and usage of agro inputs. The outbreak has happened at a critical time when the crop is ready to be harvested and then sold the absence of labour force to cut the crops and transportation problem will have serious implications on the rural economy in india.

**Real estate Sector** : The impact of the Covid – 19 pandemic on indian real estate has been unprecedented. In the first three months of its outbreak, it brought construction activities to a halt and significantly eroded the market of its potential buyer base. With property transactions dipping to near-zero during the nation wide lockdown between march and june 2020, the real estate sector faced some of the most challenging times ever. The interdependence of supply chains, migration of labourers, cost overruns, and liquidity constraints came to fore and emerged as some of the looming challenges.

**Automotive Industries** : The impact of Covid – 19 pandemic on the economy and automotive industry could vary depending on intensity, duration and spread of the outbreak. Covid – 19 will impact all stakeholders in the value chain who will experience both short and medium term impact. This could range from shortage of raw material, shifting of production to other countries, liquidity crunch to delays in availability of models, deferred launches and shrinkage in consumer demand.

**Pharmaceuticals industry** : The indian pharmaceutical industry is the world's third largest drug producer by volume and the countries market manufactures 60% of vaccines globally. With china losing credibility on account of not disclosing information on the virus or the severity of the outbreak on time and thereby contributing to its development into a pandemic, government leaders and businesses are looking at other alternative low cost nations to source supplies. India could directly benefit from this.

**Banking sector** :The Covid – 19 pandemic impact on banking will be severe fall in demand, lower income, and production shutdowns and will adversely affect the business of banks in india . The situation is exacerbated by staff shortages, inadequate digital maturity, and pressure on the existing infrastructure as firms scramble to deal with the impact of covid – 19 on Banking sector. The indian economy wasn't in great shape even before the covid – 19 outbreak, which has only made matters worse. The RBI expert committee on a resolution framework, headed by former ICICI bank chief K V Kamath, brings this out clearly.

**Aviation Sector** : The covid – 19 pandemic had a massive impact on the indian aviation sector in 2020 and major airlines facing losses and challenging times laid off employees, sent them on leave without pay or cut their salaries. The government also had to extend the deadline for submitting bids for Air india five times during the year.

**Conclusion** : The Covid – 19 pandemic brought social and economic life to a standstill. In this study the focus is on assessing the impact on affected sector such as Aviation, Banking, Retail, Capital Market, MSMEs, Agriculture etc. However, every crisis brings about a unique opportunity to rethink on the path undertaken for the development of a human being, community and society. The Covid – 19 pandemic has a clear message for the indian economy to adopt sustainable developmental models, which are based on self-reliance, inclusive frameworks and are environment friendly.

**Ganeshwar Nirmalkar**
M.com - III Sem. (E)

# Impact of Covid -19 on Education Sector

The impact of pandemic covid 19 is observed in every sector around the world .The education sector of India as well as world are badly affected by this. However, impact of Covid 19 on Education has few positive outcomes apart from the many negative aspects of the pandemic.

**Positive impact of Covid 19 on Education Sector**

Covid 19 has accelerated adoption of digital technologies to deliver education. Educational institutions moved towards blended mode of learning. It encouraged all teachers and students to become more technology savvy.

The pandemic situation induced people to learn and use digital technology and resulted in increasing the digital literacy .
Learning materials are shared among the students easily and the queries are resolved through emails ,SMS,Phone calls and using different social media like WhatsApp or Facebook.Students are able to manage their time more efficiently in online education during pandemic.

Teachers have also adopted new methods of teaching like through PPTs, Videos,video conferencing which are considered as on of the best and fast learning medium of teaching. Students are able to analysis more effectively what they are being taught and definitely learn new computer skills as they have to do lots of assignments through computer or laptops only. Even those who are preparing for competitive exams are being provided with an opportunity to avail online crash course or clause on 50% discounts.

**Negative Impact of Covid 19 on Education Sector**

Education Sector has suffered a lot due to the out break of Covid 19 .It has same negative Impact on Education Classes have been suspended and exams at different levels postponed . Admission process got delayed. Most of the recruitment got postponed due to
covid 19. Unemployment rate is expected to be increased due to this pandemic.

Other problem is also that not all teachers/ students are good at using it or at least not all of them were ready for this sudden transition from face to face learning to online learning . Moreover , online learning has also been a problem to poor or lower middle class students who do not have

any internet facilities.

As many students have limited or no internet access and many are not able to afford computer, laptop or supporting mobile phones in their homes, online learning may create digital divide among students. The lockdown has hit the poor students very hard in India as most of them are unable to adapt to online learning according to various reports. Thus the online teaching-learning methods during pandemic covid 19 may enhance the gap between rich and poor and urban /rural.

**Conclusion**

The year 2020 will be remembered as one of the darkest period of 21st century with millions of deaths all over the world and degraded economy of contries which are worst affected. Education sector is also one of the most affected sector . In this pandemic time , regular hand washing and social distancing or isolation is what we can do . It is unpredictable that how long it will take to reinstate to the normal situation but till then , we have to follow every single precautionary measure. We all know that online education can never replace traditional educational system.

The most important thing is that face to face personal interaction between students and teachers has also been affected, but in the current situation, online studying is the only option available to students.

**Kanchan Manoj Sattalwar**
MBA - IV Sem.

## Impact of COVID 19 on the Indian Economy

The first case of COVID-19 in India was reported on January 30, 2020 in the state of Kerala, a student travelling back from Wuhan, China. Then began a series of unprecedented events that brought about the chaos in not only the Indian economy but everywhere in the world. India went through four phases of lockdown from March 25 to May 31.

The first phase saw a complete halt of all activities, from the local stores to the railways and airways. Only the emergency services of hospitals and daily necessities were operating under strict rules and restrictions. The second phase introduced the red, orange and green zones depending on the spread of infection in that area. The government gave permissions to agricultural businesses and public work programs to start operating with instructions of social distancing. The transportation of cargo along with banks also began their functions in this phase. For the next phases, decision making power was given to the state governments to control the extent of lockdown in their respective states.

The lockdown had an inconceivable impact on the Indian economy. Some sectors were in a boost while most other sectors had to face unimaginable consequences. Pharmaceuticals and Healthcare, FMCG, Telecommunication, Entertainment and Information Technology related businesses and companies are among the few sectors that were the bright spots in this pandemic. The Real Estate, Construction, Manufacturing, Travel and Tourism and Transportation were among the many industries that had to face a hard time adapting to the rapid changes.

The Micro, Small and Medium Enterprises was another sector that was impacted the most due to the lockdown imposed during the pandemic. The sector provides employment to around 120 million people. The country has about 63.05 million Micro industries, 0.33 million Small industries and 5000 Medium enterprises. The MSME sector contributes to about 6.11% of the manufacturing GDP, 24.63% of services GDP, 33.4% of manufacturing output and 45% of the total exports. The industries of the MSME sectors faced liquidity issues and their inability to meet the demands from the essentials industries only added weight to their precarious situation.

One major economic situation that India witnessed was the drop of the GDP growth rate to its lowest ever number at -23.9% for the April-June quarter of 2020. This was expected as the Indian economy was already in a slowdown during the pre-Covid time with a GDP growth rate of 3.1% in the last quarter of 2019-2020, and the pandemic boosted the effects exponentially as about 65% of the economy was shut during the

lockdown. Trade, hotels, transportation industries saw a 47% dip. Manufacturing shrank by 39.3% while construction took a 50.3% hit. Mining output struggled at 23.3% and electricity and gas dipped by 7%.

According to a survey by the Economic Times, India's economy could rebound to 7.6 - 9.2% growth in the year of 2021 with covid vaccinations helping to boost the activities in the country leading to an improvement in overall consumption. The baseline assumption being that most business will now move online resulting in a lift to income and employment prospects as well as a larger shift from the unorganised to the organised sector.

Large Indian FMCG companies expect Ecommerce sales to drive sales faster than retail. It has witnessed accelerated growth as new shoppers increasingly switched to online shopping. Although ecommerce sales are estimated to have risen only 7-8% in 2020, which is inadequate as compared to 20% in China and the USA. Depressed consumer spending, an economic slowdown and uncertainty also kept the industry from growing at a faster pace. Despite this, the investments in the ecommerce ventures are expected to maintain momentum as the growth in ecommerce will drive allied industries such as logistics, supply chain etc.

The year 2020 has undoubtedly been recognised as a period of significant uncertainty. Consumptions and investments that together contribute to about 85% of the GDP, are expected be lower for some time. The manufacturing sector has recovered while the services sector is still a concern. Consumer oriented companies like FMCG, pharmaceuticals and telecommunications have ended the year on a positive note as demand is coming from specific sections like healthcare, telecom and cloud services. The contact intensive sectors like tourism, restaurants, malls and hotels were particularly hard hit in 2020. The pandemic acted as a Tech-opener for organisations. Indian firms across all sectors had to step up to digitalisation to remain relevant and to grow their business. Artificial Intelligence and Machine Learning are going to be the drivers of change that will help transform businesses across the globe.

In 2021, the rollout of the numerous vaccines will mean opening of the economy and will, hopefully, bring out a better year for the country.

**Maitreyee Gautami**
MBA - IV Sem.

## Impact of covid-19 pandemic on Education Sector

For the first time in the world, the word positive has become the most negative word. Yes, we are talking about Covid positive, the only word the whole world has been hearing for the past 9 months. COVID-19 has brought the whole world to its feet making us realise how small, weak and frail we are before the nature despite our scientific and medical advancement. There is no field which has not been shattered by the covid pandemic. One of the worst hit sectors is education. We all know that pre-covid offline classes have their own advantages. Teachers and students interact with each other and develop a bond which is inseparable. Students could easily make friends and they could have discussions with each other, have fun etc. The live presence of students makes teachers happy which in turn makes them give their best. Now because of covid we had to shift to online classes which has caused some serious issues to the students as well as the teachers. Firstly, it strains the students eyes because they have to attend the classes from morning to evening. Secondly, most of them lose interest in listening to the class because there is no physical presence of the teachers. Making friends online is difficult because there is no face-to-face interaction. There is no liveliness in the class. Besides, poor students cantcan't afford laptops, mobile phones etc and also they face problems like poor network, espespecially in villages. Students cannot interact with the teachers and ask them doubts freely. Even teachers also get exhausted. Conclusion: For the time being there seems to be no alternative, we have to continue like this.

Now Vaccines have come thanks to our scientists. If it works, then very soon all people will be vaccinated and we can get rid of the pandemic. So in the coming year, we hope to get back to normal. One point to remember ever after is despite the rapid technological developments, human beings are always vulnerable and far less powerful compared to Nature.

**B.L.S.Manaswini**
**B.COM (F&A)**

## A FRIEND LIKE YOU !

You came into my life like a dream come true, You filled my life with mere existence of you.

You gave me faith and love a lot, You told me the trends of which I never knew about.

Your nuisance was the only presentation of your innocence art, Strong was our bond which could never be broken apart.

Hard was my heart which became soft and delicate because of you, Notorious you were but were also entertaining all through.

Bearing my brittle footsteps, you gave them strength, Enjoyment we did can never be measured by weight or length.

You justify all the relations correctly all way, You are my friend who's always with me night and day.

Understanding this all on the edge of the knife, May God give me a friend like you in every life.

**ARCHANA KUMARI**
M.COM - IV SEM. (E)

## Impact of Covid-19 pandemic on the Indian Economy

Prime minister of India Narendra Modi announced the first lockdown on 24th march during his address to the nation he said, "Jaan hai toh jahan"

Everyone was aware of the shocking news and the huge decision which has been taken by our prime minister. The outbreak of COVID –19 brough social and economic life to standstill. The impact on affected sector such as aviation, tourism, hospitality, capital markets, MSMEs and many more. International and internal mobility was restricted and revenue generated by all industries seen a major drop and lead to contraction of GDP growth rate. CRISIL announced India's worst recession since independence. COVID-19 pandemic-induced market instability and lockdown Total Economic Stimulus₹29.87 lakh crore (US$420 billion) [15% of national GDP] (uptil 31 October 2020).Impact Largest GDP contraction ever in Q1 (April–June) FY2020–2021 at -24%

Rate of unemployment has been increased and many people lost their jobs and their salaries were cut. Young startups have been impacted as funding has fallen. Stock markets in India posted their worst losses in history. The tourism industry has been massively affected by the spread of corona virus, as many countries have introduced travel restriction in an attempt contain its spread. The united nation world tourism organization estimated that global international tourist arrival might decrease by 55% to 78% in 2020, leading to a potential loss of US $ 0.9 - 1.2 trillion in international tourism receipts.

E-commerce was the saving grace. Helping millions of people stay home and procure what they wanted at their doorsteps. Amazon India's vice president – seller services gopal pillai stated that Amazon India has seen a 50% rise in new seller registration past lockdown. Indian E-commerce industry is expected to overtake it's us counterpart to become the second largest market for E-commerce in the world by 2034.

Revenue of transport companies such as ola cabs went down nearly 95% in march – April resulting in 1400 layoffs. agricultural businesses such as dairy, tea, coffee, and rubber plantations, as well as associated shops and industries, reopened.[79] By the end of April, ₹17,986 crore (US$2.5 billion) had been transferred to farmers under the PM-KISAN scheme.[234] Odisha passed new laws promoting contract farming.

The healthcare sector is at the epicenter of this unprecedented global pandemic challenge and the pandemic is likely to cost huge to the health sector. Though private hospitals are extending full support to the government in terms of equipment, isolation wards, and workforce, the health industry is bound to face challenges. The pandemic has decreased the surgeries, international patients, and OPD footfall. It will impact the cash flows of hospitals as 80% of the costs are fixed. That apart, the crisis has hit hard the medical devices industry. The situation in China has disrupted the exports of critical raw materials and the export of medical devices.

Prime Minister Narendra Modi while addressing the nation came up with a new slogan "Vocal for Local". In his speech, Prime Minister mentioned about how to revive India's economy which is affected the most by the current crisis of Covid-19 pandemic. He announced an economic package worth ₹ 20 lakh crore to the revive the Indian economy. Prime Minister Narendra Modi urged the people to come forward and join the mission of being a self-reliant country or commonly known as AatmaNirbhar nation by not only supporting the local business but also promoting them. India's smartphones market is flooded with Chinese smartphones like Xiaomi, Oppo, Vivo, Lenovo etc. If the imports of such products will decline or India boycotts such products then India has to witness a drastic change in the GDP (Gross Domestic Product). We Should Boycott Chinese Products for Ethical Reasons: Activist SonamWangchukIn an interview with Outlook, he says that burning Chinese goods is not a smart response to the military aggression at the border.He suggest that we should further avoid buying Chinese products rather than destroying them.

Despite all the snags India will be a global player in digital economy

Charu khan chandani

BBA -III

## MENTAL DEPRESSION: AN ALARMING SOCIAL PROBLEM

"Health is wealth"this is what we all have realised in the period of covid-19 pandemic. But still we are to neglecting our health for other prosperities. In today's busy life we all are running a marathon towards success. Still, everyone does not achieve what they want and this gives rise to mental instability. The mental health is the biggest asset that we all need to have. One of the most challenged problem of our society today is mental depression.

Mental depression is a medical illness that negatively affects one's feelings, thinking, and behaviour. Mental depression is problem which is growing rapidly in our society. This may be due to the stress arising from Rapid growth of the world where everyone wants to earn something that something might be money, wealth, health, property, Prestige, big name and much more. Earlier it was mainly found in elder people(i.e. age 25 years onwards)who want to settle down in life, earn and fulfil their Desires. People in this age category have various responsibilities and this may return them stress and tension. But now a days mental depression is found in people with all age categories; from school going students to old age people. Instead of enjoying and playing in childhood nowadays children are bounded by books and stress. From early age, they are made to focus on building their career. Most of the children are unable to bear the failure in academics and career entrance, which ultimately result in mental illness. Burden from parents as well as society cause emotional deterioration. It is found that today's youth desires early success but when it comes to ups and downs in the career they lose confidence and emotional stability which again leads to depression.

Mental depression is an alarming social problem that society is facing. It should be addressed at a higher level and awareness should be created in today's generation.

To address the solution to mental illness I think it can be reduced to an extent with the help of various methods and techniques. Small age children should understand there sponsibility towards their career rather than taking it as a burden. Enjoying the childhood is also necessary. The youth should keep in mind that life is full of ups and downs. They should realise that success graph does not consist of only upward slope but there also are some points where it has to come down to go up high again. Everyone should be optimistic in life to achieve a good mental health. There are various methods by which one can attain mental peace like meditation, exercise, positive thinking, etc.

Society must understand that mental depression is a social problem which is rising even at a Higher pace in this pandemic. In order to resolve it important measures should be taken by everyone.

**Sumit Somraj Telkhede**
**BCCA sem - VI**

# INDIA'S FIGHT AGAINST COVID-19

COVID-19 a worldwide pandemic turned out to be a worst nightmare for those who dreamed to live more and for those who are still dreaming, the list is never going to end. But it has turned us into a 'Nation of Dreamers' who dream everyday that everything goes as before.

Today India's population is 2nd in the world and 5th largest economy but still 269 million people live below the poverty line. The real horror for Indian economy started from 24th march 2020, when the Government of India under PM Narendra Modi ordered complete lockdown by stating, "jaan hai toh jahaan hai". During the first 21 days, it was expected India to lose about ₹ 32,000 crore everyday which on SEPT. 1st 2020 showed a largest GDP contraction ever of -24% in Q1 FY2020- 2021. It also caused sharp rise in unemployment, stress on supply chains, decrease in Government income, collapse of the tourism and hospitality industry, reduced consumer activity, plunge in fuel consumption, trade tension with China, badly affected the education sector and also people's health.

For our fight against the Covid-19 pandemic, the Government of India announced a variety of measures to tackle the situation, from food security and extra funds for healthcare and for the states ; to relief measures for poor and so on. Many have questioned, how our Government was able to raise funds despite decline in GDP?

According to me the decline in GDP was acceptable as Government is focusing more on overall well-being of people than on growth but will it be tolerable further ? The real challenge for India will be revival in declining GDP post Covid by increasing economic activity. GDP needs to grow as it may worsen situation for poor and can lead to inequality. Research finds strong evidence that growth is the most vital way to ease poverty. On average, a 1% increase in per capita income reduced poverty by 1.7%.

For now, Infrastructure deficit and unemployment crisis are perhaps far more serious concerns than budgetary prudence. Unemployment rate increased to 5.40% in dec 2020. Only beacon in enabling more opportunities in labour market and increase financial inclusion is growth in GDP. For this some measures taken by Government that will help spur economic growth are pushing big infrastructure, focusing on saving rate, emphasis skill development of youth, focusing more on agriculture and promoting ease of doing business. So ,For our fight against Covid -19 'we're all in this together'.

**SURBHI SINGH**
**BBA - IV Sem**

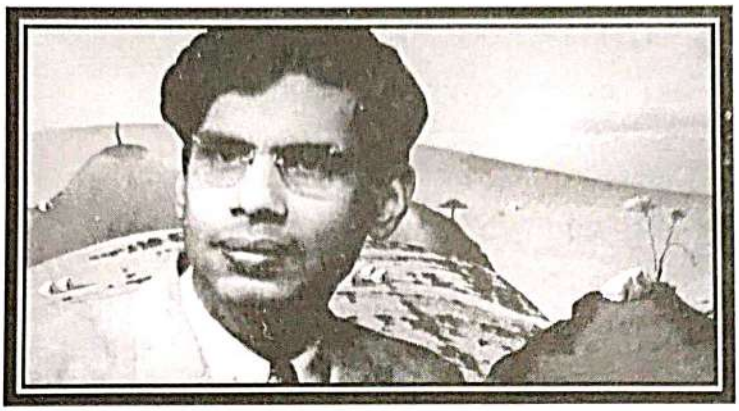

## फणीश्वर नाथ रेणु शताब्दी वर्ष

(४ मार्च १९२१ - ११ अप्रैल १९७७)

# अभिव्यक्ति हिंदी विभाग

जागो मन के सजग पथिक ओ!
मेरे मन के आसमान में पंख पसारे
उड़ते रहते अथक पखेरू प्यारे-प्यारे!
मन की मरू मैदान तान से गूँज उठा
थकी पड़ी सोई-सूनी नदियाँ जागीं
तृण-तरू फिर लह-लह पल्लव दल झूम रहा
गुन-गुन स्वर में गाता आया अलि अनुरागी
यह कौन मीत अगनित अनुनय से
निस दिन किसका नाम उतारे!
हौले, हौले दखिन-पवन-नित
डोले-डोले द्वारे-द्वारे!

बकुल-शिरिष-कचनार आज हैं आकुल
माधुरी-मंजरी मंद-मधुर मुस्काई
क्रिश्नझड़ा की फुनगी पर अब रही सुलग
सेमन वन की ललकी-लहकी प्यासी आगी
जागो मन के सजग पथिक ओ!
अलस-थकन के हारे-मारे
कब से तुम्हें पुकार रहे हैं
गीत तुम्हारे इतने सारे

# आधुनिक रामकथा के रचयिता
## ।। साहित्यकार नरेन्द्र कोहली जी ।।

"आधुनिक रामकथा के जनक" कहे जाने वाले तथा अपनी रचनाओ "दीक्षा" "अवसर", "संघर्ष की ओर" और "युद्ध" जैसी रचनाओं से पूरी दुनिया के समक्ष अपनी छाप छोड़ने वाले हिन्दी साहित्य के महान साहित्यकार नरेन्द्र कोहली जी का जन्म ६ जनवरी १९४० को सियालकोट नगर में हुआ था जो कि अब पाकिस्तान में है, आगे की शिक्षा कोहली जी ने जमशेदपुर से प्राप्त की, तथा बाद में वे दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर और डायरेक्टर की उपाधि पर भी पूर्ण निष्ठा से कार्यरत रहे। हाल ही में अपने चरम् पर बढ़ती इस वैश्विक महामारी (कोरोना) के चलते महान हिंदी साहित्यकार नरेंन्द्र कोहली जी का निधन हो गया, वे ८९ वर्ष के थे, तथा २७ अप्रैल २०२२ को उन्होने नश्वर देह त्याग दी। हिंन्दी साहित्य को कीर्तिमान तक लेकर जाने में कोहली जी का बहुत बडा योगदान रहा है। उपन्यास, कहानी, व्यंग्य, नाटक, निबंध, आलोचना, संस्मरण, इत्यादि गद्य की सभी प्रमुख एवं गौण विधाओं में नरेन्द्र कोहली जी ने अपनी विदग्धता का परिचय दिया है। अपनी आधुनिक रामकथा के संदर्भ से आधुनिक तुलसी का खिताब पाने वाले कोहली जी ने अपनी रामकथा को बहुत ही सूक्ष्मता प्रदान की है तथा उन्होने रामकथा को नए मानवीय, सामाजिक, राजनीतिक और आधुनिक रुप से प्रस्तुत किया। उन्होने रामकथा को धार्मिक नजरिये से कभी नहीं देखा। उनके नायक राम मानवतावादी विस्तारवादी, तानाशाही तथा निरंकुशता का विरोध करते है तथा प्रगतिशील मानववाद के समर्थक साबित होते है। उन्होने राम को आज का नायक बनाया और उदाहरण प्रस्तुत किया था तथा युवा को बतलाया था कि नायक ऐसा होना चाहिए, जो कि देश के युवाओं के चरित्र निर्माण में नरेन्द्र कोहली जी की भागेदारी को पूर्ण रुप से दिखलाता है। उन्होंने पौराणिक एवं ऐतिहासिक चरित्रों की जटिलताओं को सुलझाकर समाज की समस्याएँ एवं उनके हल को प्रस्तुत किया। उन्होने परंपरागत चरित्र चित्रण को मौलिक तर्क के आग्रह पर ढाला और रामकथा , महाभारत कथा तथा कृष्ण कथाओं को लिखा। हिन्दी के महान साहित्यकार जैनेंद्र कुमार जी तथा आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी, धर्मवीर भारती जी तथा यशपाल जी ने भी कोहली जी की बहुत प्रशंसा तथा उनके बहुत अच्छे कार्य की सराहना भी की है।

आज हमारे समक्ष महान साहित्कार नरेन्द्र कोहली जी मौजूद नही है परंतु उनके विचार, उनका युवाओ को संदेश तथा समाज को, विश्व को संदेश देनेवाली, प्रकाश की तरफ ले जाने वाली अंधकार को दूर करने वाली रामकथा आज भी हमारे पास मौजूद है। इसका अर्थ है आधुनिक भारत के जनक तथा आधुनिक तुलसी जी आज भी हमारे समक्ष मौजूद है। अपने विचारों से आकाश में प्रकाश फैलाते हुए, आधुनिक रामकथा के जनक नरेन्द्र कोहली जी।

**हिमांशु दीक्षित**
(B.Com Sem VI - E-1)

# मंगलेश डबराल : एक याद

## * श्रद्धांजली *

मंगलेश डबराल (१६ मई १९४८–०९ दिसम्बर २०२०) समकालीन हिन्दी कवियों में सबसे चर्चित नाम है । इनका जन्म १६ मई १९४८ को टिहरी गढवाल, उत्तराखण्ड के काफलयानी गाँव मे हुआ था, इनकी शिक्षा–दीक्षा देहरादून में हुई । दिल्ली आकर हिन्दी पैट्रियट प्रतिपक्ष और आस पास मे काम करने के बाद वे भोपाल में मध्यप्रदेश कला परिषद भारत भवन से प्रकाशित साहित्यिक त्रैमासिक पूर्वाग्रह पत्रिका में सहायक संपादक रहे । इलाहाबाद और लखनऊ से प्रकाशित अमृत प्रशांत पत्रिका मे भी कुछ दिन नौकरी की । सन १९८३ मे जनसत्ता में साहित्य संपादक का पद सभाँला । कुछ समय सहारा समय में संपादक कार्य करने के बाद नेशनल बुक ट्रस्ट से जुडे रहे ।

कोरोना से संक्रमित होने के कारण ९ दिसम्बर २०२० को वसुंधरा गाजियाबाद के एक अस्पताल मे उनका निधन हो गया । मंगलेश डबराल के पाँच काव्य संग्रह प्रकाशित है – **पहाड़ पर बाहोल, घर का रास्ता, हम जो देखते है आवाज भी एक जगह है और नये युग में शत्रु इसके अतिरिक्त इनके दो गद्य संग्रह लेखक की रोटी और कवि का अकेलापन** के साथ ही एक यात्रावृत्त भी प्रकाशित हो चुके है ।

दिल्ली हिन्दी अकादमी के साहित्यकार सम्मान, कुमार विकल स्मृति पुरस्कार और अपनी सर्वश्रेष्ठ रचना हम जो देखते हैं के लिए साहित्य अकादमी द्वारा सन २००० में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित मंगलेश डबराल की ख्याति अनुवादक के रुप में भी है । मंगलेश की कविताओं के भारतीय भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी, रुसी, जर्मन, डच, स्पेनिश, पुर्तुगाली, इतालवी, फ्राँसीसी, पोलिश और बुल्गारियाई भाषाओं में भी अनुवाद प्रकाशित हो चुके है । कविता के अतिरिक्त वे साहित्य, सिनेमा, संचार माध्यम और संस्कृति के विषयों पर नियंत्रित लेखन भी करते है । मंगलेश की कविताओं में सांमती बोध एवं पूंजीवादी छल दोनों का प्रतिकार है । वे वह प्रतिकार किसी शोर–शराबे के साथ नहीं अपितु प्रतिपक्ष में एक सुन्दर स्वप्न रचकर करते है । उनका सौंदर्यवेध सूक्ष्म है और आधा पारदर्शी । उन्होंने ६०–७० रचनाओं का सृजन किया है । उन्हे अनेक सम्मानों से सम्मानित किया गया है । हिन्दी साहित्य के इस अप्रतिम कवि को मेरा शत–शत नमन ।

श्वेता कैथवास
(B.Com Sem VI - H)

# मृदुला सिन्हा का साहित्यिक योगदान (श्रद्धांजलि)

## भारत की नारी, फूल और चिंगारी : मृदुला सिन्हा

शिक्षिका और लेखिका से सफर को तय करके गोवा के गवर्नर पद तक पहुंचने वाली मृदुला सिन्हा अपने समर्पण, जज्बे और मेहनत के लिए याद की जाती रहेगी । बिहार में जन्मी मृदुला सिन्हा के निधन से देश की अपूरणीय क्षति हुई है ।

मृदुला सिन्हा का जन्म २७ नवंबर १९४२ को बिहार के मुजफ्फपुर में हुआ या उन्होंने साल १९६२ में बिहार यूनिवर्सिटी के एम.डी.डी.एम. कॉलेज से बी.ए. ऑनर्स की पढाई की । फिर साल १९६४ में बिहार यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान विषय में परास्नातक की पढाई पूरी की । फिर १९७१ में बिहार यूनिवर्सिटी से बी.एड. की पढाई पूरी की । वर्ष १९६४ से ६८ तक डॉ. एस के सिन्हा वुमंस कॉलेज मोतिहारी बिहार में लेक्चरर के पद पर रही । इसके बाद उन्होंने भारतीय शिशु मंदिर मुजफ्फरपुर की प्रिसिंपल का कार्यभार १९६८ से ७७ तक संभाला ।

राजनीतिक जीवन की बात करें तो बीजेपी की वरिष्ठ नेता मृदुला सिन्हा भाजपा की महिला मोर्चा की अध्यक्ष रह चुकी थी । उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सेंट्रल वेलफेयर बोर्ड की चेयरपर्सन का पद भी संभाला । इसके अलावा वे जयप्रकाश नारायण के समग्र कांति का भी हिस्सा रहीं । मृदुला सिन्हा के पति डॉक्टर रामकृपाल सिन्हा एक कॉलेज मे लेक्चरर थे, जो बाद में बिहार सरकार में कॅबिनेट मंत्री रहे ।

मृदुला जी की पहचान राजनेता के साथ हिंदी लेखिका की भी रही । वे पांचवां स्तम्भ नाम से एक सामाजिक पत्रिका निकाल चुकी थी । उन्होने अलग-अलग विषयों पर ४६ पुस्तकें और उपन्यास लिखे । विजयाराजे सिंधिया पर लिखी उनकी किताब '**एक थी रानी ऐसी भी**' पर फिल्म भी बनी थी । वे लोक परंपराओ पर लगातार लिखती रहीं । छठ पर्व उनका प्रिय विषय था और उन्होंने लेखन में इसे लगातार शामिल किया । उनके पति डॉक्टर रामकृपाल सिन्हा बिहार में कॅबिनेट मंत्री और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान मृदुला सिन्हा केंद्रिय समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष रही । बाद में उन्हे गोवा की राज्यपाल बनाया गया था । किन्तु काल के कठोर आघात ने उन्हे ग्रस लिया, जिससे हिन्दी साहित्य की अपार क्षति हुई है । उनके अद्‌भुत व्यक्तित्व को नमन करते हुए उन्हे मैं श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ ।

प्राची बिसेन
(B.Com Sem II - H)

# फणीश्वरनाथ रेणू की जन्मशताब्दी.....

फणीश्वरनाथ रेणू जो न होते तो अपने देश की आत्मा से हम कम जुडे होते । इनका जन्म ४ मार्च १९२१ को बिहार के अररिया जिले मे कॉरबिसगंज के पास औराही हिंगणा गाँव मे हुआ था । उनकी शिक्षा भारत और नेपाल में हुई ।

मैला आंचल की नायिका लतिका के साथ रेणू की प्रेमकथा पटना मेडीकल कॉलेज एंव अस्पताल से शुरु हुई । लतिका एक शिक्षक की पुत्री थी । नर्सिंग होम में कुछ समय काम करने के बाद उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज में नौकरी मिल गई । एक संघर्ष में पुलिस ने रेणू को बूटों से पीटा था, उनके फेफडो मे गहरी चोट लगी थी । कुछ समय बाद तकलीफ बढ गई, वह इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज मे दाखिल हुए उस समय सेवा टहल के दौरान रेणू और लतिका एक दूसरो से प्रभावित हुए । दोनो के बीच भावनात्मक संबंध बने, तो १९५९ में शादी के फेरों में बंधे ।

एक लेखक के रुप में स्थापित होने के बावजूद सामाजिक आंदोलन में रेणू की भागीदारी जारी रही । उनके कार्यो ने उन्हे १९७० में पदमश्री की उपाधि से सन्मानित किया गया था । साहित्य में चमकती हुई आंचलिक खुशबू ।

१९९४ में रेणू जी का उपन्यास पूरा हुआ जिसका शीर्षक था – मैला आंचल । मैला आंचल को साहित्य में आंचलिक भाषा का पहला उपन्यास माना गया । इसमे भोजपूरी, मैथिली, रखते है ।

उपसंहार :– रेणू ने ७ उपन्यास, ६३ कहानिया और कई नॉन सिलेक्शन पुस्तके और लेख लिखे है । उपन्यास में परती परिकथा, जुलूस, कितने चौराहे इत्यादी शामिल है । ठुमरी, आदिम रात्रि की महक, अग्निचोर ऐसे अच्छे शीर्षक के साथ उनके कथा संगह प्रसिद्ध हुए ।

जीवन :– फणीश्वनाथ रेणू मानवीयता को स्थापित करने के लिए संघर्ष करने वाले लेखक है । वे भारतीयता का एक चेहरा है, एक अकेली आवाज हैं । फणीश्वरनाथ रेणू के व्यक्तित्व में विनम्रता और सहजता स्वाभाविक छंद था ।

२६ जून १९७५ को आपातकाल घोषित होने के बाद वह भूमिगत हो गए । कुछ दिन नेपाल में रहे फिर वापस आ गए । आपातकाल के बाद १९७७ के आम चुनाव में बीमारी के बावजूद उन्होंने सोशलिस्ट पार्टी के लिए प्रचार किया ।

काँग्रेस को जनता पार्टी के हाथों हार का मुंह देखना पडा था । कुछ दिनो बाद ११ अप्रैल १९७७ को लंबी बीमारी के बाद रेणू की मौत हो गई ।

इंसान भले ही अपने प्राण, शरीर यहाँ छोड़ जाता है किन्तू उसकी यादें, बातें, रचनाएँ, लेख, कल्पनाएँ मन में सदा रहती है, जो जीवन को बदलने और कुछ सीखने की राह दिखाती हैं ।

चारुलता मदनकर
(B.Com Sem IV - E-1)

# दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक विचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (जन्म : २५ सितम्बर १९१६ – ११ फरवरी १९६८) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक और संगठन कर्ती थे । वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष भी रहे । उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रुप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद नामक विचारधारा दी । वे एक समावेशित विचारधारा के समर्थक थे जो एक मजबूत और सशक्त भारत चाहते थे । राजनीति के अतिरिक्त साहित्य में भी उनकी गहरी अभिरुचि थी । उन्होंने हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं मे कई लेख लिखे, जो विभिन्न पत्रिकाओ में प्रकाशित हुए ।

हमारी राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है, केवल भारत नहीं। माता शब्द हटा दीजिये तो भारत केवल जमीन का टुकडा मात्र बनकर रह जायेगा । जब राज्य में समस्त शक्तियाँ समाहित होती है – राजनीतिक और आर्थिक दोनो – परिणाम स्वरुप धर्म की गिरावट होता है । भगवान ने हर आदमी को हाथ दिये है लेकिन हाथों की खुद से उत्पादन करने की एक सीमित क्षमता है, उनकी सहायता के लिए मशींनो के रुप में पूंजी की जरुरत है ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आर्थिक विचार कुछ इस प्रकार थे, शक्ति अनमेल व्यवहार में व्यय न हो बल्कि अच्छी तरह विनियमित कार्रवाई में निहित होनी चाहिए । जब स्वभाव को धर्म के सिद्धांतो के अनुसार बदला जाता है, तो हमें संस्कृति और सभ्यता प्राप्त होते है । एक राष्ट्र लोगों का एक समूह होता है, जो एक लक्ष्य, एक आदर्श, एक मिशन के साथ जीते है और एक विशेष भूभाग को अपनी मातृभूमि के रुप मे देखते है । यदि आदर्श या मातृभूमि दोनों में से किसी का भी लोप हो तो एक राष्ट्र संभव नही हो सकता ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, पश्चिमी विज्ञान सार्वभौमिक है और हम आगे बढने के लिए इसे अपनाना चाहिए, लेकिन पश्चिमी जीवनशैली और मूल्यों के सन्दर्भ में यह सच नहीं है । पिछले १००० वर्षो में जबरदस्ती या अपनी इच्छा से, चाहे जो कुछ भी हमने ग्रहण किया है – अब उसे खारिज नहीं किया जा सकता है । आजादी केवल तभी सार्थक हो सकती है । जब यह हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का जरिया बनती है ।

कोमल लाल
B. Com. - Sem IV (E1)

## साहित्य अध्ययन - मानसिक तनाव से मुक्ति

अन्धकार है वहाँ, जहाँ साहित्य नहीं है ।
मुर्दा है वह देश, जहाँ साहित्य नहीं है ।।

साहित्य ही समाज को सुदृढ बना सकता है । ऐसा कहा गया है कि साहित्य समाज का दर्पण है । साहित्य कला के रुप में माने जाने वाले लेखन को संदर्भित करता है । एक अर्थशास्त्री आपको आकडें देगा कि हमारी अर्थव्यवस्था बिगड रही है या सुधर रही है । लेकिन जो संवेदना जागृत करने का कार्य करता है वह साहित्य के जरिये ही होता है । प्राचीन और आधुनिक काल की कहानियों महाकाव्यों, पवित्र ग्रंथो की जानकारी हम साहित्य के द्वारा ही जान पाते है और ऐतिहासिक बातों को जीवित रख पाते हैं ।

साहित्य के जरिये हम अपनी कलाओं को लेखनी के माध्यम से उकेरते है । अनेक ऐसे महान व्यक्तित्व हुए है जो केवल कला के लिए जीते है व कला के लिए मरते है और अपने विचारो को साहित्य की कई शैलियों जैसे कविता, उपन्यास, कहानी, निबंध के रुप में सजीव कर जाते है ।

हर क्षेत्र का अपना एक साहित्य होता है । जैसे हिंदी साहित्य, संस्कृत, साहित्य, तेलगु साहित्य अंग्रेजी साहित्य आदि । लगभग हर साहित्य अपने अपने क्षेत्र की भावनाओ को अपनी रचनाओ के रुप में प्रस्तुत करता है जो साहित्य को बढ़ाने मे मदद करता है ।

डॉ. राजेश्वर गुरु ने साहित्य के बारे में कहा है :-

साहित्य समाज विकास के उद्देश्य से जीवन की आलोचना करते हुए यथार्थ और आदर्श से समन्वित चित्रण व्दारा धर्म और नीति के लक्ष्यों को भय या प्रलोभन और तर्क या उपदेश के बजाय सौंदर्य प्रेम और मानसिक अवस्थाओं व्दारा व्यक्त करता है ।

साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन हो, सौंदर्य का सार हो, स्वाधीनता का भाव हो, सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाई हों, हर एक क्षेत्र साहित्य के बिना अधुरा है । वह कोई भी घटना हो सकती है । जो लेखनी के माध्यम से साहित्य की किसी न किसी शैली में समाहित है ।

हमारे धार्मिक तथ्यों, ऐतिहासिक कहानियों, और विज्ञान सभी को साहित्य में संकलित करके जीवित रखा गया है । साहित्य का अध्ययन करने से हमें अपने मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिलती है । साहित्य के अध्ययन से हमारी निराशा और नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मकता में बदल जाती है । जिससे जीवन ऊर्जावान बनता है ।

साहित्य दुनिया को नए से देखने की क्षमता के साथ स्वंय के जीवन का आकलन करने के लिए प्रेरित करता है । साहित्य एक ऐसी सामग्री है जो पाठक के लिए भरोसेमंद है । उन्हे नैतिकता सिखाती है और उन्हे अच्छे निर्णय लेने का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करती है ।

पुनिता वर्मा
(B.Com Sem II - H)

## कोविड - १९ लॉकडाउन के दरम्यान सामाजिक कार्यों में मेरा अनुभव

मेरा नाम सचिन रामसहाय साहू है । मै गो. से अर्थ – वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर में बी. कॉम तृतीय वर्ष का छात्र हूं । मैं कॉलेज के प्रथम वर्ष से ही महाविद्यालय के एन. एस. एस. विभाग में सक्रिय रुप से कार्यरत रहा हूं । फलस्वरुप सामाजिक कर्तव्यों के निर्वाह के प्रति मेरी रुचि जाग्रत हुई, जिसे महाविद्यालय के एन. एस. एस. विभाग के संयोजक डॉ. ए. बी. पटले सर के मार्गदर्शन से सही दिशा मिली । किन्तु कोविड – १९ के इस वायरस ने जिस तरह से पूरी दुनिया को ही थाम दिया है, उसी तरह उसने हमारी सामाजिक गतिविधियों को भी थाम दिया है । महाविद्यालय बंद होने से एन. एस. एस. विभाग की सामाजिक गतिविधियां बंद हो गई है । किन्तु फिर मुझे विचार आया कि ऐसे विकट समय में तो हमारी सामाजिक जिम्मेदारियां और भी बढ जाती है । मेरे इस विचार को पटले सर के निर्देशो ने सक्रियता प्रदान की ।

कोविड – १९ ने हमारी जिन्दगी मे उथल–पुथल मचा दी है । लॉकडॉउन, स्कूल, कॉलेजों, दफ्तरों, कार्यालयों, सिनेमा–घरों रेस्टारेंट्स का बंद होना तथा भौतिक दूरी इत्यादि का लोगों के जीवन पर गहरा असर पड़ा । इन सब के चलते लोगों को कोविड–१९ के फैलने और उससे बचाव किस प्रकार किया जाए? इसके प्रति जागरुक रखने के लिए सरकार और कई सामाजिक संस्थाओं व्दारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही थी ।

लॉकडॉउन में लोगो से सामाजिक दूरी बनाकर उन्हें कोरोना वायरस के प्रति जागरूक रखने तथा स्वयं के साथ–साथ दूसरों की भी सुरक्षा का ध्यान रखना–यह कार्य काफी मुश्किल था । लॉकडॉउन में एक दूसरे को आपस में जोड़े रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मोबाइल फोन था । यही मोबाइल फोन लोगों को जागरुक रखने के कार्य में मेरे लिए काफी मददगार साबित हुआ ।

मैने लॉकडाउन में लोगों को कोविड – १९ से जागरुक करने के लिए पोस्टर बनाना शुरु किया, जिनमें कोविड १९ किस प्रकार फैलता है, इसे किस प्रकार रोका जा सकता है, मास्क पहनना क्यों जरूरी, भौतिक दूरी क्यों जरुरी इन जानकारियों के साथ ही बार – बार हाथ धोने के फायदे और रोग प्रतिकारक क्षमता बढ़ाने के लिए क्या आवश्यक है – इन सब का क्रमशः उल्लेख करता गया ।

पोस्टर के साथ – साथ मैंने अब कोविड – १९ जनजागृति के लिए वीडियो भी बनाना शुरु कर दिया । यह लोगों से दूर रहकर उनको जागृत करने का बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन चुका था । पोस्टर और वीडियो को व्हाट्सएप, फेसबुक जैसे कई सोशल मीडिया ग्रुप पर शेयर कर मैने लोगो को घर बैठे जागृत करने का कार्य किया । इस कार्य में मुझे मेरे शिक्षकों और मित्रों का काफी सहयोग प्राप्त हुआ ।

मेरे व्दारा तैयार किए गए पोस्टर्स और वीडियो क्लिप को कई सोशल मीडिया ग्रुप में फॉरवर्ड किया गया । काफी लोगों ने मुझे संदेश भेजकर मेरा इस कार्य के प्रति उत्साह बढ़ाया ।

कोविड – १९ से बचाव के लिए कई गरीब परिवारों को मैंने मेरी योग्यता के अनुसार मास्क और सैनिटाइजर का मुफ्त वितरण किया और कोविड–१९ से बचने के उपायों को बताया और जहां तक हो सके उन्हें घर पर ही रहने की सलाह दी ।

भारत सरकार ने कोरोना महामारी से बचाव के लिए आरोग्य सेतु नामक मोबाइल एप्लिकेशन को शुरु किया, काफी लोग इस एप्लिकेशन से परिचित नहीं थे । मैंने तकरीबन २०० लोगों को इस एप्लिकेशन के बारे में बताया कि यह किस प्रकार कार्य करता है और यह वर्तमान परिस्थिति में क्यों आवश्यक हैं । लोगो को मेरी बातें समझ में आने लगी और उन्होंने मेरा सहयोग किया ।

इसके साथ साथ मैने सड़कों, रेलवे प्लेटफॉर्म, बस स्टॉप जैसे कई सार्वजनिक स्थानों पर थूकने वालों को पोस्टर्स और वीडियो क्लिप के माध्यम से थूकने से सेहत पर और राष्ट्र की संस्कृति पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से परिचित कराने का प्रयास किया । इस कार्य के लिए मुझे Pledge for Life Team की तरफ से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ । यह सब मेरे लिए गर्व की बात है ।

मुझे गर्व है कि मैंने समाज को जागरुक करने में सरकार के कार्य में अपना योगदान दिया । इस कार्य के लिए मै अपने माता–पिता, प्राचार्य, शिक्षकों और मित्रों का आभारी हूँ ।

सचिन रामसहाय साहू
(B.Com Sem VI - H)

# अनुबंध कृषि

**अनुबंध कृषि क्या है ?**

* अनुबंध कृषि के अंतर्गत खरीददारो (खाद्य प्रसंस्करण इकाई व नियतिक) तथा उत्पादकों के मध्य फसल-पूर्व समझौते या अनुबंध किये जाते हैं, जिसके आधार पर कृषि उत्पादन (पशुधन व मुर्गीपालन) किया जाता है।
* अनुबंध कृषि को समवर्ती सूची के तहत शामिल किया गया है, जबकि कृषि राज्य सूची का विषय है।
* सरकार ने अनुबंध कृषि में संलग्न फर्मो को आवश्यक वस्तु अधिनियम, १९५५ के अंतर्गत खाद्य फसलों की भंडारण सीमा एवं आवाज ही पर मौजूदा लाइससेंसिंग और प्रतिबंध से छूट दे रखी है।

**भारत में अनुबंध कृषि से संबंधित कानून :**

* अनुबंध कृषि के उत्पादकों एवं प्रायोजकों के हितों की रक्षा के लिये कृषि मंत्रालय ने मॉडल कृषि विपणन समिति अधिनियम, २००३ का मसौदा तैयार किया था जिसमें प्रायोजकों के पंजीकरण, समझौते की रिकॉर्डिंग, विवाद निपटान तंत्र आदि के प्रावधान है।
* केंद्र सरकार मॉडल अनुबंध कृषि अधिनियम २०१८ के माध्यम से राज्य सरकारों को इस मॉडल अधिनियम के अनुरुप स्पष्ट अनुबंध कृषि कानून अधिनियमित करने हेतु प्रोत्साहित कर रही है।
* इसे एक संवर्द्धनात्मक एवं सुविधाजनक अधिनियम के रुप में तैयार किया गया है तथा यह विनियामक प्रकृति का नहीं है।

**अनुबंध कृषि के लाभ :**

* किसानों के हितो की रक्षा :- यह किसानों की उनकी उपज के लिये एक आश्वासन वाला बाजार मुहैया कराती है तथा बाजार की कीमतो मे उतार-चढाव से उन्हें सुरक्षित करके उनके जोखिम को कम करती है।
  पूर्व निर्धारित कीमतें, फसल कटाई के बाद होने वाली क्षति के मामले में प्रतिपूर्ति करने का अवसर प्रदान करती है।
* कृषि में निजी भागीदारी :- जैसा कि राष्ट्रीय कृषि नीति व्दारा परिकल्पित है, यह कृषि में निजी क्षेत्रक के निवेश को प्रोत्साहित करती है ताकि नई प्रौद्योगिकी, विकासशील बुनियादी ढाँचे आदि को बढ़ावा दिया जा सके।
* किसानों की उत्पादकता में सुधार :- यह बेहतर आय, वैज्ञानिक पद्धति एवं क्रेडिट सुविधाओं तक पहुँच बढाकर कृषि क्षेत्र की उत्पादकता व दक्षता को बढ़ाती है जिससे किसान की आय में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर एवं खाद्य सुरक्षा प्राप्त होती है।

* **बेहतर मूल्य की खोज :-** यह APMC के एकाधिकार को कम करती है एवं कृषि को एक संगठित गतिविधि बनाती है जिससे गुणवत्ता व उत्पादन की मात्रा में सुधार होता है।
* उपभोक्ताओं का लाभ :- विपणन दक्षता में वृद्धि, बिचौलियों का उन्मूलन, विनियामक अनुपालन में कमी आदि से उत्पाद के कृत्रिम अभाव को कम किया जा सकता है तथा खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सकता है।

**अनुबंध कृषि की चुनौतियाँ :**

* क्षेत्रीय असमानता को बढावा :- वर्तमान में यह कृषि विकसित राज्यों (पंजाब, तमिलनाडु आदि) में प्रचलित है, जबकि लघु एवं सीमांत किसानों की उच्चतम सघनता वाले राज्य इसका लाभ नहीं उठा पा रहे है।
* भू-जोतों का आकार :- उच्च लेन-देन एवं विपणन लागत के कारण खरीदार लघु एवं सीमांत किसानों के साथ अनुबंध कृषि को वरीयता नहीं देते हैं। साथ ही इस हेतु उन्हें कोई विशेष प्रोत्साहन नहीं मिलता है। इससे सामाजिक-आर्थिक विकृतियों को बढ़ावा मिलता है एवं बड़े किसानों के लिये वरीयता की स्थिति पैदा होती है।
* कृषि के लिये पूंजी गहन एवं कम संधारणीय पैटर्न :- यह उर्वरको एवं पीड़कनाशियों के बढ़ते उपयोग को बढ़ावा देता है जो प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण, मनुष्यों व जानवरों पर हानिकारक प्रभाव डालते है।
* एकल कृषि को प्रोत्साहन :- यह न केवल मृदा की सेहत को प्रभावित करता है अपितु खाद्य सुरक्षा के लिये भी खतरा उत्पन्न करता है एवं खाद्यान्नों के आयात को बढ़ावा देता है।

**आगे की राह :**

* अनुबंध कृषि में सम्मिलित खाद्य संसाधनों को कर में छूट दी जा सकती है जिसके बदले में उन्हे ग्रामीण अवसंरचना, किसान, कल्याण आदि में निवेश करने के लिये प्रेरित किया जा सकता है।
* सरकार को किसानों एवं खरीदारों के मध्य प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देकर और सूचना विषमता को कम करके एक सक्षम वातावरण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
* अततः सभी राज्यों को किसानों के लिये एक सामान सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु मॉडल अनुबंध कृषि अधिनियम को अपनाना एवं कार्यान्वित करना चाहिये। साथ ही खरीदारों के लिए एक सक्षम परिस्थितिकी तंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहिये।

जय खापरे
(B.Com Sem VI - H)

## किसान उपज व्यापार और (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश, २०२०

किसान उपज व्यापार और (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश, २०२० को इसी साल ५ जून जारी किया गया है । इस अध्यादेश के अनुसार एपीएमसी (Agricultural Produce Market Committee) एक्ट में उल्लेखित मंडियो और मार्किट याईस के बाहर भी किसान अपनी उपज को बेच सकते है । किसान राज्यों के अंदर और दूसरे राज्यों में भी कारोबार कर सकते है । इससे यह हुआ है की किसानों को अब एपीएमस (Agricultural Produce Market Committee) के लाइसेंससुधा लोगों को ही उपज बेचने की पाबन्दी हटाई गई है । इस अध्यादेश के अनुसार किसान अब अपने उपज को फैक्ट्री परिसर, फार्म गेट्स, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज आदि को बेच सकते है । किसान अब उपज को राज्य के अंदर की या किसी दूसरे राज्यों की कंपनियों, लोगो या कोऑपरेटिव्ह अपनी उपज को बेच सकते हैं । केवल पैन कार्डवाले किसान उत्पादक संगठन, कृषि सहकारी संस्था, लोग/जनता या फिर कम्पनियाँ ही एपीएमसी एक्ट में नियमित होने वाली उपज का व्यापार कर सकते है । यदि इस नियम का उलंघन किया जाता है तो इसके लिए सजा होगी । इस अध्यादेश के अनुसार राज्य सरकार किसानो, व्यापारियों और इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार मंच से व्यापार करने की कोई बाजार शुल्क नहीं लिया जायेगा । यह अध्यादेश कंपनियों, साक्षेदारी संस्था एवं पंजीकृत संस्थाए जिनके पास पैन कार्ड है और किसान उत्पादक संघटनों या कृषि सहकारी संस्थाओ को इस बात की इजाजत देता है कि इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफार्म को निर्माण करे और उन्हें चला सकते है ।

**पृष्ठभूमि –**

देश में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए विभिन्न प्रतिबंधो का सामना करना पड़ता है । ये प्रतिबंध अधिसूचित एपीएमसी मार्केट यार्ड से बाहर कृषि उपज बेचने में किसानों के ऊपर लगाए गए थे । किसानों पर राज्य सरकारों के पंजीकृत लाइसेंस धारकों को ही अपनी उपज बेचने के लिए प्रतिबंध लगाया गया था । इसके अलावा, राज्य सरकारों व्दारा लागू किए गए विभिन्न एपीएमसी विधानों की मौजूदगी को देखते हुए विभिन्न राज्यों के बीच कृषि उपज के बाधारहित आवागमन में भी अनेक बाधाएं मौजूद थीं । यह कानून देश में व्यापक रुप से विनियमित कृषि बाजारों को बाधारहित बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है । यह किसानों के लिए अधिक विकल्प खोलेगा, किसानों के लिए विपणन लागत कम करेगा और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त करने में भी मदद करेगा । यह कानून अधिक (सरप्लस) उत्पादन वाले क्षेत्रों के किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने और उत्पाद की कमी वाले क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को कम कीमत पर उत्पाद मिलने में मदद करेगा ।

* इस कानून में एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रावधान है जहां किसानों और व्यापारियों को राज्य की एपीएमसी (एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमिटी) की रजिस्टर्ड से बाहर फसल बेचने की आजादी होगी ।
* इसमें किसानों की फसल को एक राज्य से दूसरे राज्य में बिना किसी रोक-टोक के बेचने को बढावा दिया गया है ।
* बिल में मार्केटिंग और ट्रांस्पोर्टेशन पर खर्च कम करने की बात कही गई है ताकि किसानों को अच्छा दाम मिल सके ।
* इसमें इलेक्ट्रोनिक व्यापार के लिए एक सुविधाजनक ढांचा मुहैया कराने की भी बात कही गई है ।

इन तीन बिन्दुओ को बिल में किये गये सुधार के रुप में देखा जाना चाहिए यह किसी भी किसान के लिए आवश्यक नहीं है ।

लखनलाल रामटेके
(B.Com Sem VI - H)

## साहित्य अध्ययन - की महान्ता

साहित्य क्या है ? आसान शब्दो में समझा जाए तो साहित्य समाज का एक आईना है जिसमें हम समाज को देखते है अर्थात यह मानवीय जीवन चित्र होता है।

अब हम यह देखेंगे कि साहित्य अध्ययन मानसिक तनाव से मुक्ति कैसे दिलाएगा ? – आजकल दुनिया कहाँ से कहाँ पहुँच गई है। टॅक्नोलोजी में इतनी आगे बढ गई है ये दुनिया कि बिना मशीन के आजकल कुछ नहीं होता। मोबाईल, लॅपटॉप, टेलिविजन में ऐसे घिर गए है कि किताबे खोलने का समय ही कहाँ मिलता है। ऑफिस के काम घर की जिम्मेदारी, और बाकी बचा हुआ समय वही मशीन – मोबाईल, लॅपटाप इत्यादि को दे देते है तो इससे लोग तनाव में ही जाऐंगे न। ना तो आजकल लोग धार्मिक पुस्तक पढना चाहते है और नही सतसंग सुनना चाहते है, तो फिर शांति कहाँ से मिलेगी। पहले के जमाने में कम से कम बडे – बुजुर्ग सब साथ में रहते थे। बच्चे उनके पास बैठा करते थे। कुछ नही तो कम से कम वे प्राचीन काल की बाते तो सुनते थे। समझते थे अपने बडे – बुजुर्ग से रामायण, महाभारत, गीता इत्यादि ग्रंथ की जानकारी हमें हमारे बडे – बुजुर्गो से ही तो मिली है। परंतु आजकल घर में बुजुर्ग होकर भी अकेले है क्योंकि आजकल बच्चे अपना सारा कीमती समय मोबाईल में जो बिताते है। कभी पढने के लिए तो कभी कुछ और – खुद के पढाई की पुरी पुस्तके वे पढते नहीं तो साहित्य अध्ययन कैसे करेंगे। हाँ माना, आजकल लोग अखबार पढ़ के समाज, देश, दुनिया की खबर जान लेते, परंतु इससे हम अपने प्राचीन काल के बारे में तो नही जान पा रहे न। भले ही हमें कही न कही से प्राचीन के बारे में कुछ पता चल जाए – पर जब तक हम स्वंय अध्ययन नही करेंगे हम नहीं जान पाऐंगे कि हमारे देश में क्या था और क्या है। वो कहते है न हमारे पुराणो में पहले ही बहुत कुछ लिख दिया गया था जो आज दुनियाँ के साईंटिस्ट लोग खोज करते है। जो हम आज हवाईजहाज विमान में सफर करते हैं – ये पुष्पकविमान का जिक्र रामायण में सालो पहले हो चुका है। पर ये सब जानने का समझने का हमें समय ही कहाँ है। जब तक हम खुद तनाव लेंगे तब तक हमें इससे मुक्ति नहीं मिल पाऐगी। ये हमें सोचना चाहिए कि हमें क्या करना कि जिससे हमारी आने वाली पीढी भी तनाव का शिकार ना बने। एक तो आजकल की ये मिलावट, ना अच्छा भोजन, और ये मशीनों से घिरा अपना घर। क्या हम अपना कुछ समय साहित्य अध्ययन पढने में नही बिता सकते ? क्या हमें अपने जीवन से प्रेम नहीं है ? ऐसा नहीं है, हम भी तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए ये कर सकते है। तनाव मुक्त जीवन किसको अच्छा नही लगता सबको अच्छा लगता है। सभी को ऐसी जिंदगी चाहिए जिसमें तनाव ना हो और हम ये कैसे कर पाऐंगे – साहित्य अध्ययन करके हमें जब भी मौका मिलें हम अपना कीमती समय, मशीनों से हटाकर किताबों में देंगे। अध्ययन करेंगे कि कैसे हमारा समाज, देश आगे बढा। हमारे प्राचीन काल में लोग कैसे थे। आज हमारे देश में लोग कैसे है, क्या वेष है, क्या भाषी है, क्या संस्कृति हैं ये जब जानेंगे तब हमें भी शांती मिलेगी। हम भी तनाव मुक्त होंगे। हम जान पाऐंगे कि पहले भी हमें अपने देश के महान लोगों और शांति संस्कृति पे गर्व था, और हमेशा रहेगा।

समीक्षा सिंग
(B.Com (Hon.) Sem-II)

## कोरोना

कितने खौफनाक मंजर है यहां तबाही के

घुटने टूटे सूपरशक्ति की तानाशाही के
कितने खौफनाक मंजर है यहां तबाही के,

फँसी हुई है दुनिया कैसे अपने ही पासो में,
एक वायरस टहल रहा आदमी की सांसों में,
अवरोधक लग गए पांव में आवाजाही के,
कितने खौफनाक मंजर है यहां तबाही के,

सुनते है यमराज कहां कब कोई भी बिनती,
रोज यहां गिरती लाशो की कौन करे गिनती,
देखते है ताबूत अनगिनत यहाँ उगाही के,
कितने खौफनाक मंजर है यहां तबाही के ।।

कोमल सिंह
B.Com. Sem II E-1

## सीख

लोग क्या कहेंगे ! इस शब्द को,
नजर अंदाज करना सीख..
बात बात पर दुसरो को,
कुछ संदेश मिल सके ऐसी बातें करना सीख...
मंसूबे को भी जरा पालना सीख..
मंसूबे को भी जरा पालना सीख..
भूतकाल में क्या हुआ उसको भूलना सीख...
भविष्य में क्या कर सकते,
उसकी तरफ ध्यान देना सीख...
जीवन को हर पल सुंदर बनाना हो तो पहले,
वर्तमान में जीना सीख.....

* समीक्षा भुसारी *
B. Com. Sem. VI (E2)

कृती
मराठी
विभाग

जन्मशताब्दी वर्ष

# विनम्र अभिवादन

## शरच्चंद्र माधव मुक्तिबोध

जन्म : २१ जानेवारी - १९२१ मृत्यू : २ नोव्हेंबर - १९८४

## सत्याच्या जातीला

सत्याच्या जातीला दु:ख असें मिळणारच;
दु:खांतुन करूणेचें मर्म सहज कळणारच.
सत्याच्या वन्हीने उजळतात जीं दृश्यें
तें सारें व्यर्थ, असें दुनिया ही म्हणणारच.
वरवरचे देखावे, वरवरचे भास नवे :
व्यंगचित्र हें केवळ सत्याला दिसणारच.
सत्याचे अपराधी : मृत्युदंड त्यांस अटळ;
भाकर अन् मृत्यूची भक्षुनि ते जगणारच.
घोर अंधकार असा पूर्वी जरि नव्हता कधि,
सत्याच्या बीजांना किरण-तुरे फुटणारच.
जमलेल्या अश्रूंना माघारे परतवि तूं;
सत्याचें भव्य भाल रक्ताने भिजणारच.

# कोरोना महामारिने जगाला दिलेली शिकवण

संपूर्ण जग सध्या कोरोनाच्या कचाट्यात सापडले आहे. अनेक देशांमध्ये रुग्णांची संख्या दिवसेंदिवस वाढतेय. जगभरातील अनेक देशांमध्ये अजूनही लॉकडाऊन सुरु आहे. भारतात देखील हीच स्थिती आहे. भारताचे पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी देशाला संबोधित केले आणि हे कधी न पाहिलेले संकट असल्याचे म्हटले. याच बरोबर त्यांनी भारतासाठी कोरोना ही प्रगतीची उत्तम संधी असल्याचे देखील नमूद केले.

या जगात प्रत्येक गोष्टीला एक चांगली आणि एक वाईट बाजू असते. कोरोनाचे देखील असेच काहीसे आहे. आपत्ती तुम्हाला खूप काही शिकविते असे म्हणतात आणि तेच कोरोनाच्या संकटाने केले. कोरोनाने जगभरात लाखो लोकांना वेठीस धरले खरे, पण कोरोनाने सर्वांना अनेक गोष्टी शिकविल्या देखील आहेत. सर्वांची जगण्याची पद्धतच कोरोनाने बदलून टाकली. जगभरातील लोकांच्या विचारसरणीवर देखील या संकटाने बराच फरक पडला आहे. असा आजारही कोणाला काही शिकवून जातो या वाक्याचे अनेकांना आश्चर्य होईल आणि काहींना रागदेखील येईल पण तरी हा विचार एकदा तरी करायलाच हवा. अशाच काही गोष्टी ज्या कोरोनाने आपल्याला शिकवल्यात त्यांच्यावर एक नजर टाकू या.

**निसर्गाला जबाबदार धरु नका.**

माणूस सतत स्वतःच्या प्रगतीचा विचार करत असतो आणि त्यासाठी मेहनत करतो. पण हे सर्व करतांना अनेक महत्वाच्या गोष्टींना आपण मोठी हानी पोहोचवतो हे आपण सर्वजण विसरुन जातो. शहरांची परिस्थिती सध्या अशी आहे की जिथे जागा दिसेल तिथे इमारत उभी केली जातेय. झाडांची कत्तल देखील मोठ्या प्रमाणावर होते. भारताची राजधानी आणि मुंबई, पुणे यांसारखी शहरे वायू प्रदूषणाच्या मोठया संकटाचा सामना करीत आहेत.

पाण्याचे प्रदूषण ही देखील एक मोठी समस्या आहे. मनुष्याने निसर्गाचं मोठं नुकसान केलय. प्रदुषणामुळे ग्लोबल वार्मिंग वाढले असून त्याचे परिणाम दिसू लागले आहेत. पण आता या सर्वात कोरोनाने काय शिकवले असा प्रश्न पडतो त्याचे उत्तर सोपे आहे. निसर्गाला त्रास दिला की तो तुम्हाला त्रास देतो आणि हीच महत्वाची शिकवण आहे की निसर्गाची हानी होईल असे काम मनुष्याने करु नये. गृहीत धरु नये. निसर्गापुढे कोणाचेही चालत नाही असे म्हणतात आणि ते तंतोतंत खरे देखील आहे आणि म्हणूनच निसर्गाची काळजी घ्या हा सर्वात मोठा धडा कोरोनाच्या या संकटाने आपल्याला शिकविला आहे.

**नाती जपा :-**

नोकरी आणि पोटापाण्यासाठीच्या धावपळीने जीवनशैली अतिशय धकाधकीची बनलेली आहे आणि त्यामुळे घरच्यांना वेळ देणे, त्यांच्याशी गप्पा मारणे देखील दुर्मिळ झाले आहे. खरेतर घरच्या मंडळींना वेळ देणे अतिशय महत्वाचे असते. आई-वडिलांचा एकमेकांशी आणि मुलांशी संवाद, घरातील ज्येष्ठ लोकांशी संवाद या बाबी अत्यंत महत्वाच्या आहेत.

कोरोनामुळे लोक व्यथित झाले असले तरी कोरोनाने सर्वांना घरात बसायला लावले आहे. आणि यामुळेच घरच्यांना भरपूर वेळ देणे शक्य झाले आहे. काही घरांमध्ये वाद होत आहेत पण अनेक नाती देखील मजबूत होत आहेत. कोरोनाने आपल्या सर्वांनाच नात्यांचे महत्व शिकविले आहे.

**स्वच्छता ठेवा :–**

स्वच्छता ही अतिशय महत्वाची बाब आहे. देशात कचऱ्याचे प्रमाण अतिशय मोठे आहेत पण त्यासाठी होणाऱ्या उपाययोजना कमी आहेत. स्वच्छता असल्यास कोणताही आजार आपल्या जवळ येत नाही हे तर सर्वांनाच माहिती आहे. पण तरीही सध्या अनेक लोकांना स्वच्छतेची ऍलर्जी असल्याचे दिसून येत आहे.

कोणताही आजार पसरण्यासाठी अस्वच्छता अतिशय पोषक असते. कोरोनाने लोकांना सारखे हात धुण्यास शिकविले. मास्कदेखील लोक घालू लागले आहेत. सर्वजण लॉकडाऊनमुळे घरी असल्याने संपूर्ण निसर्ग स्वच्छ होतोय. कचऱ्याचे प्रमाण कमी झाले. थोडक्यात काय कोरोनाने सर्वांना स्वच्छतेची शिस्त लावली असे म्हटल्यास काही वावगे ठरणार नाही. हीच सवय आपण यापुढेही अशीच पाळली पाहिजे.

**तब्येची काळजी घ्या :–**

विचित्र जीवशैली, वेळी–अवेळी खाणे अशा अनेक गोष्टींमुळे सध्या देशातील लोकांच्या तब्येतीचा स्तर खालावला आहे. फास्ट फूड, तेलकट पदार्थ या सगळ्या गोष्टीमुंळे आजार होण्याचं प्रमाण वाढलं आहे. रोग प्रतिकार शक्ती कमी असणाऱ्यांना मधुमेह, ब्लड प्रेशर यासारखे आजार असणाऱ्या लोकांना कोरोना विषाणूने आपले लक्ष्य केले आहे.

कोरोना विषाणूचा संसर्ग रोखण्यासाठी रोगप्रतिकारक शक्ती चांगलीच असावी लागते. म्हणजेच कोरोनाने सर्वांना तब्येतीचं महत्व शिकवलं. तब्येतीची काळजी घेणे किती महत्वाचे आहे हे देखील या विषाणूने संपूर्ण जगाला दाखवून दिले आहे. मग आयुष्यभर तब्येतीची काळजी घेतल्यास सर्व प्रकारच्या व्याधी आणि रोगांपासून दूर राहण्यास आपण सक्षम होऊ शकतो.

**प्राणिमात्रांवर प्रेम करा :–**

कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर सर्वत्र सुरु असलेल्या लॉकडाऊनमुळे निसर्गाचे चक्र सुधारले आहे. प्रदूषणात मोठी घट झाली असून वन्यजीवन देखील आनंदी असल्याचे अनेक ठिकाणी आपण त्यांना पाहतो. वन्यप्राणी मुक्तसंचार करु लागले आहेत.

पाळीव प्राणी असो अथवा वन्यप्राणी जीवनचक्राचा अमूलाग्र आणि अतिशय महत्वाचा भाग आहेत. त्यांची संख्या कमी झाल्यास जीवनाचा समतोल बिघडतो आणि म्हणूनच त्यांच्यावर प्रेम करणे आणि त्यांची काळजी घेणे देखील अतिशय महत्वाचे आहे. कोरोनामुळे झालेल्या लॉकडाऊनच्या काळात प्राण्यांच्या कत्तली मध्ये घट झाल्याचे दिसून येत आहे. सर्वांनी आनंदाने एकमेकांची काळजी घेऊन एकत्र राहावे अशीच शिकवण कोरोना सर्वांना देत आहे.

कोरोनाचे संकट मोठे असले तरी आपण सर्वांनी काळजी घेतल्यास त्यावर नक्कीच मात करु शकतो. कोणताही आजार असो तो नेहमीच सगळं हिरावून घेत नाही तर तुम्हाला काही चांगल्या गोष्टी देऊन देखील जातो. या लॉकडाऊनमध्ये तर अनेक लोकांनी आपल्या आवडी निवडी जपल्या. तसेच त्यांच्यातील कलागुणांना वाव देखील मिळाला. नवनवीन गोष्टी शिकण्याचा जसे विविध कलासुसरीची कामे, नवीन पदार्थ बनवणे. शाळा कॉलेजस् बंद असल्यामुळे संगणकीय तंत्रज्ञानांचा ऑनलाईन वापर व त्यातील विविध बाबींचा शोध व त्याचा उपयोग इत्यादी गोष्टी आपण या काळात शिकलो. कोणताही आजार आपल्याला अनेक गोष्टींबद्दल पूर्वकल्पना देतो. अनेक गोष्टी शिकवून देखील जातो.

प्रत्येक गोष्टीची चांगली बाजू पाहूयात आणि कोरोनाने आपल्याला जे धडे अथवा शिकवण दिली आहे त्यावर गांभीर्याने विचार करुन ती अमलात आणून भविष्यात येणाऱ्या संकटांना वेळीच रोखू या.

अहिंसा उके
B. Com. Vth Sem (M)

## कोरोना महामारिच्या काळात विद्यार्थ्यांची भूमिका

आपणा सर्वांना माहितच आहे की, कोरोना विषाणू हा चीन देशातील वूहान या शहरांमधून संपूर्ण जगभर पसरलेला आहे. आता सध्याच्या स्थितीमध्ये कोरोना विषाणूची साथ वेगाने वाढत आहे. काही महिन्यांपूर्वीच जगाला माहिती झालेला हा विषाणू आता जगविख्यात आणि जगतव्यापी झालेला आहे. जगातील अगणित संस्थांमध्ये त्यावर रात्रंदिवस संशोधन सुरु आहे. त्यातून अनेक चित्रविचित्र वातम्या पसरताहेत. संपूर्ण जगभरच कोरोना विषाणूने हाहाकार माजवलेला आहे.

कोरोना व्हायरस मानवतेचं शोषण करत आहे. माणूस सामाजिक प्राणी आहे. पण करोना विषाणू आपल्या नैसर्गिक प्रवृत्तीला कमकुवत करत आहे. जेव्हा पासून कोरोना विषाणू पसरायला सुरुवात झाली तेव्हापासून आपण आपल्या जुन्या सवयी बदलून नवीन पद्धतींचा अंगीकार करण्याकडे वळलो आहोत. कोरानामुळे नवीन बरेच काही अंगिकारण्याची वेळ आली आहे साथीच्या शिष्टाचाराशी जुळवून घेण्याची वेळ आली आहे.

संपूर्ण समाजालाच शिस्तबद्ध वागण्याची वेळ कोरोना विषाणूने निर्माण केली आहे. सामान्य परिस्थितीत चिंता असेल किंवा कामाचा ताण असेल, तर त्याकडे शांतपणे बघितलं जातं. पण ही, सामान्य परिस्थिती नाही या परिस्थितीमध्ये मानवी स्पर्श देखील शत्रू ठरु शकतो.

आपण बाहेर जातांना संपर्कात येत असलेली कोणतीही वस्तू ही कोरोना विषाणूची वाहक असू शकते. या साथीचा प्रसार रोखणं हेच आपलं कर्तव्य आहे. समाजातील प्रत्येक व्यक्तीचं हे कर्तव्य आहे की त्याने जास्तीत जास्त प्रमाणात कोरोना विषाणूचा प्रसार होण्यापासून थांबविण्यात प्रयत्न केले पाहिजे.

तसेच यामध्ये मोठा वाटा येतो तर सुशिक्षित लोकांचा आणि शिक्षण घेत असणाऱ्या लाखो विद्यार्थ्यांचा. प्रत्येक सुशिक्षितांनी जे आतापर्यंत कोरोना विषाणू बद्दल अज्ञानी आहेत त्या सर्वांना समजावून सांगणे अतिशय आवश्यक आहे. आता एखादयाला कठोर वाटेल तरी चालेल पण सर्वांना नवीन नियमांबद्दल योग्य माहिती देवून त्यांच्यांकडून नियमांचे काटेकोरपणे पालन करुन घेण्यास सांगितले पाहीजे. कोणीही कोरोनाबद्दल अज्ञानी राहू नये याची शाश्वती विद्यार्थ्यांनी घेतली आहे आणि ते आवर्जून पूर्ण करुन घेतली पाहीजे.

आता कोरोना विषाणू पसरुन काही महीने संपून गेलेले आहेत. कोरोना मुळे असलेले लॉकडाऊन सरकारने हटविण्याचा निर्णय आता घेऊन शाळा, महाविद्यालये, उद्योगधंदे, मॉल, बाजारपेठ या सर्वांना परवानगी दिलेली आहे. शाळा, महाविद्यालयात जाण्याचा निर्णय घेतांना विद्यार्थ्यांनी विचार करुन निर्णय घेणे आवश्यक आहे.

आता पुन्हा शाळा, महाविद्यालये सुरु करण्याचा निर्णय सरकारने घेतलेलाच आहे. तेव्हा सर्वच विद्यार्थ्यांनी आपल्या सुरक्षेच्या दृष्टिकोनातून सावधगिरी बाळगायला पाहिजे. शाळा, महाविद्यालयातील सांगितलेल्या नियमांचा भंग होणार नाही. काटेकोरपणे नियमाचे पालन होईल याकडे विद्यार्थ्यांनी लक्ष दयायला पाहिजे.

तसेच काही महत्वाच्या बाबी विद्यार्थ्यांनी शाळा महाविद्यालयात जातांना लक्षात ठेवल्या पाहिजे जसे की.

१) शाळा किंवा महाविद्यालयात प्रवेश करतांना तोंडावर मास्क असल्याची खात्री करुन घेतली पाहिजे.

२) शाळेत जातांना सोबत सॅनिटायझर किंवा हँडवॉश घेऊन जायला पाहिजे.

३) मित्र – मैत्रिणींसोबत जवळीक कमी करावी. एकदम कोणाच्याही जवळ जाणे टाळायला हवे.

४) वर्गामध्ये ज्याप्रमाणे एक किंवा दोन बेंच सोडून बसायला सांगितले आहे तसेच बसावे.

५) समोरच्या व्यक्तीशी बोलतांना कमीत कमी ३ मीटर अंतर ठेवूनच बोलायला हवं याबाबत काळजी घ्यावी.

६) महामारीच्या काळात एकमेकांशी हस्तांदोलन व मिठी मारणे टाळायला हवं.

७) स्वतःच्या जेवणाचा डब्बा, पाण्याची बॉटल, हातरुमाल किंवा हातमोजे स्वतःच वापरावे इतरांना ते वापरण्यास देण्याचे टाळावे.

८) कुणाशीही भेटतांना किंवा भेटून झाल्यानंतर कुठे हाताचा स्पर्श झाला असेल तर आवर्जून हात साबणाने किंवा इतर उपलब्ध साधनांच्या मदतीने स्वच्छ करायला पाहिजे.

९) आवश्यकता नसल्यास आपला हातांचा स्पर्श नाक, तोंड आणि डोळ्यांना होणार नाही याची काळजी कॉलेजमध्ये असतांना विद्यार्थ्यांनी घ्यावी.

१०) विद्यार्थ्यांनी शोळतून आणि महाविद्यालयातून दिल्या जाणाऱ्या प्रत्येक नियमाचे कोटेकोरपणे पालन केले पाहिजे.

११) महाविद्यालयातून घरी जातांना अगोदर हँडवॉश करुन घ्यायला हवे.

१२) इतर कोणत्याही सार्वजनिक ठिकाणी विद्यार्थ्यांनी जाण्याचे टाळावे.

१३) नेहमीच सोशल डिस्टन्सिंग पाळावी व गर्दी करुन एकाच ठिकाणी उभे राहायचे टाळावे.

१४) नेहमी महाविद्यालयातून घरी पोहचल्यावर आंघोळ करुन स्वतःला स्वच्छ करुन घ्यावे.

१५) एखाद्याला खोकला किंवा सर्दी असेल तर त्याच्या जास्त जवळ जाण्याचे टाळावे. त्याला हातरुमालाचा योग्य वापर करण्यास सांगावे.

१६) जर विद्यार्थ्यांना कधी डोकेदुखी, श्वास घेण्यास त्रास, तोंडाची चव गेली असे वाटत असेल तर कॉलेजमध्ये न जाता डॉक्टरकडे जाऊन तपासणी करुन घ्यावी.

१७) शक्य असल्यास सध्याच्या काळात कोरोनाला प्रतिबंध म्हणून वॅक्सीन बाजारात उपलब्ध झाली आहे ती वॅक्सीन घेऊन आपण कोरोनाचा प्रसार थांबवू शकतो.

शेवटी सर्वांनीच एम.एम.एस. (SMS) त्रीसुत्री कटाक्षाने पाळली की नक्कीच कोरोनापासून बचाव होण्यास मदत होईल. पहिला एस म्हणजे सोशल डिस्टंन्सिंग, एम म्हणजे मास्कचा उपयोग आणि शेवटी एस म्हणजे सॉनिटायझर.

अशा अनेक बाबींकडे कोरोना महामारीच्या काळात विद्यार्थ्यांनी लक्ष देणे आवश्यक आहे.

पल्लवी देवगीरकर
B.Com. Vth Sem (M)

## मराठी भाषा संवर्धन : काळाची गरज

मराठी आमुची मायबोली, मराठी आमचा बाणा.
असुदे आमुच्या ध्यानीमनी, नेहमी मराठीच म्हणा.
नका जराही कमी लेखू स्वतःच्या या मातृभाषेला.
अमृतातही पैजा जिंके असे ज्ञानोबा मराठी साठीच म्हणाला.
मराठमोळ्या या शहरावर कितीही होवो परभाषांचा मारा.
तरीही महाराष्ट्रात नेहमीच चालणार मराठीचाच दरारा.

कितीही काहीही झाले तरीदेखील नेहमी मराठी साठीच पुढे राहणारे महाराष्ट्रीयन लोक मराठी भाषेच्या संवर्धनासाठी नेहमीच सामोर यायला मागे होणार नाहीत अशी माझी अपेक्षा आहे. आणि ती पूर्ण करण्यासाठी मराठी भाषा संपूर्ण जगाला आपलीशी करुन देण्यासाठी सर्वांनी हातभार लावलाच पाहीजे.

लाभले आम्हांस भाग्य बोलतो मराठी, जाहलो खरेच धन्य एकतो मराठी, धर्म, पंथ, जात, एवढया जगात माय मानतो मराठी एक मानतो मराठी. ही अतिशय सुंदर अशी कविता आहे ती मराठी भाषेविषयीचीच. या कवितेच्या ओळीप्रमाणेच आम्ही स्वतःला भाग्यवान समजतो की, आम्हांला मराठी भाषा बोलण्याचे व ऐकण्याचे भाग्य लाभलेले आहे. पण दुःख देखील या गोष्टीचे वाटत असते की दिवसेंदिवस माणूस मराठी भाषा विसरत चालला आहे. माणसाला आता मराठी भाषेबद्दल आपुलकीच राहिलेली नाही याबद्दल मनाला नेहमी खंत वाटत असते.

मराठी भाषा महाराष्ट्राची एक लोकप्रिय भाषा म्हणून ओळखली जाणारी भाषा आहे. महाराष्ट्रामध्ये प्रत्येक घरात मराठी भाषा बोलली जाते. प्रत्येक महाराष्ट्रीयन माणसाने मराठीला आपल्या घरात मानाचे स्थान देखील दिलेले आहे. मराठी भाषा ही सर्वांची मायबोली आहे असे महाराष्ट्रातील प्रत्येकच व्यक्ती सांगतांना आपल्याला दिसूनही येते. परंतु दिवस जसे जसे समोर जात आहेत तसतशी मराठी भाषा देखील कमी बोलत असल्याचे प्रमाण सध्याच्या स्थितीत दिसत आहेत. लोकांची ओढ आता मराठी भाषेकडून इंग्रजी भाषेकडे जातांना आढळून आलेली आहे. भविष्याच्या दृष्टिकोनातून प्रत्येकच व्यक्ती आपला स्वार्थ साधण्याकरिता म्हणा किंवा काळाची गरज भागविण्याकरीता मराठी भाषेला आपल्यापासून दूर सारत आहे. प्रत्येकालाच मराठी भाषा ही नकोशी वाटायला लागली आहे प्रत्येकाला इंग्रजी भाषा शिकण्याचे व बोलण्याचे वेड लागले आहे. इंग्रजी भाषा शिकणे व बोलणे हे वाईट आहे असे मला मुळीच म्हणायचे नाही आहे परंतु ज्याप्रमाणे आपण इंग्रजी भाषेकडे आवर्जून लक्ष देतो त्याचप्रमाणे मराठी भाषेला देखील तेवढेच महत्व दयायला पाहीजे. हळूहळू त्या भाषेचे संस्कार होतात. महाराष्ट्रातील बहुतांश लोक मराठी भाषेला आपली मायबोली समजतात पण मराठी भाषा एक असली तरी दर बारा

कोसावर मराठी बदलत असते. मराठी भाषा लवचिक भाषा आहे म्हणून थोडया थोडया फरकाने ती वेगळी भासत असते. खेडयांमध्ये देखील मराठीच बोलली जाते पण ती अशुद्ध असते परंतु तरी देखील ती भाषा आपली वाटत असते.

मराठी भाषा ही आपल्याला आपल्या पूर्वजांकडून प्राप्त झालेली आहे. आपल्या पूर्वजांनी दिलेल्या भाषेचा स्वीकार करुनच आपण पुढे गेलो पाहीजे. मराठी भाषा ही खऱ्या अर्थाने आपल्या महाराष्ट्राची ओळख आहे असे म्हटले तर वावगे ठरणार नाही. आपण केवळ आपल्या बोलण्यातून मराठी भाषेला प्राधान्य दिलेले चालणार नाही तर आपल्या आचरणातून व विचारातून आपण ते सिद्ध केले पाहिजे तरच मराठी भाषा खऱ्या अर्थाने समृद्ध होईल. मराठी भाषेला समृद्ध करण्याची जबाबदारी ही प्रत्येकच मराठी भाषिक व्यक्तीची आहे. पण समाजाच्या दृष्टिकोनातून समाजाला जर मराठी भाषेचे महत्व पटवून दयायचे असेल तर त्यासाठी तरुण पिढीने पुढाकार घेणे गरजेचे आहे. मराठी भाषेला समृद्ध करण्यासाठी अगोदर तिला समजून घेणे आवश्यक आहे तिचा उपयोग करणे देखील तेवढेच आवश्यक आहे ज्यावेळी तरुण पिढी उच्च शिक्षणासाठी परदेशात जातात तेव्हा ती तेथील बोली शिकून येतात त्याच भाषेचा उपयोग जिकडे तिकडे ते करत असतात व मराठीकडे दुर्लक्ष करतात त्यामुळे मराठीकडे लक्ष देणे तेवढेच आवश्यक आहे तरच ती समृद्ध होईल.

शिक्षणाबद्दल बोलायचं झालं तर त्यामध्ये देखील प्रत्येक विद्यार्थ्यांना आपले शिक्षण इंग्रजीतून पूर्व व्हावे असेच वाटत असते. विद्यार्थ्यांना आपले शिक्षण पूर्णपणे इंग्रजी मध्येच व्हावे त्यामध्ये मराठीचा समावेश व्हायलाच नको असे त्यांचे ठाम मत असते. परंतु त्यांना ज्याप्रमाणे इंग्रजीतील शिक्षण महत्वपूर्ण वाटते तेच मराठीबद्दल त्यांना का वाटत नाही? कारण त्यांच्या मनात देखील मराठी भाषेला या जगात काहीच स्थान नाही असे पेरले गेलेले आहे म्हणून ते इंग्रजी भाषेला प्राधान्य देतात. त्याचप्रमाणे जितकी चूक यामध्ये विद्यार्थ्यांची आहे तितकीच चूक शाळा, महाविद्यालय, उच्चशिक्षण संस्था, उच्च महाविद्यालय यांची देखील आहे. मोठमोठया शाळा, विद्यालये यांनी तर मराठी विषयच आपल्या शाळेमधून पूर्णपणे काढून टाकलेला आहे.

आजच्या काळात प्रत्येकच व्यक्ती मराठी भाषेचे मूल्य विसरत चालला आहे. सर्वांना मराठी भाषेचे मूल्य लक्षात आणून देण्याकरिता सरकारने २७ फेब्रुवारी हा दिवस कवी कुसुमाग्रज मराठी भाषेतील थोर साहित्यिक, कवी यांचा जन्मदिवस जागतिक मराठी भाषा दिवस म्हणून जागतिक स्तरावर साजरा करण्यात येतो. अनेक मराठी भाषिक, मराठी भाषा दिवस साजरा करतात खरा, परंतु खूप क्वचित जणांनाच हे ठाऊक असेल की, जगभरातील बऱ्याच भाषांचा उगम हा संस्कृत भाषेपासून झालेला आहे, तशीच आपली मराठी भाषादेखील संस्कृत भाषेमधूनच आली आहे. ज्यादिवशी बाळ जन्माला येते. तेव्हा

आपल्या आईची, सभोवती असलेल्या भाषेची त्याला ओळख होते. व त्याच्यावर परदेशात जातांना तरुणांनी तिथली बोलीभाषा तर शिकून घेणे गरजेचे आहेत परंतु आपली मायबोली मराठी ही बोलणे तेवढेच आवश्यक आहे. जेणे करुन मराठी भाषेचा विसर तरुण पिढीला पडायला नको.

जितके जबाबदार आपण तरुण पिढीला मराठी भाषेच्या समृद्धीकरिता समजतो त्यापेक्षा जास्त जबाबदार तर त्यांचे ते पालक आहेत ज्यांनी आपल्या मुलांना इंग्रजी भाषा शिकणे किती महत्वपूर्ण आहे हे सांगितले. आज हे राष्ट्रभाषा हिंदी आणि स्थानिक पातळीवर स्थानिक भाषेचा वापर सक्तीचा आहे. भारताच्या लोकसंख्येमधील ८०% पालक स्वतः पालिकेच्या किंवा जिल्हा परिषदेच्या
मराठी माध्यमातील शाळेतून शिकून मोठे झाले आहेत. पण आपल्या पाल्यांना भरमसाठ पैसा लावून इंग्रजी शाळेमध्ये घालून त्यांना शिक्षण देत आहेत. मग यामध्ये तर जबाबदार तेच सुशिक्षित पालक आहेत जे आपल्या मुलांना इंग्रजी शाळेतून शिक्षण देत आहेत.

बऱ्याचदा आपण मराठी बोलणारे असतो आणि समोरुन बोलणारे ही मराठी भाषिक लोकच असतात. पण बोलतांना मात्र हिंदीमध्ये किंवा इंग्रजीमध्ये बोलतात. आपणच जर संवाद साधण्याचा प्रारंभ नमस्काराने केला तर संवाद मराठीमध्येच होईल. आपण म्हणत असतो मराठी ही माझी मातृभाषा आहे पण दूरदर्शन वाहीनीवर मात्र हिंदी चित्रपट बघण्यात आपण जास्त रुची दाखवितो मग यात चुकते ते आपलेच. जर मराठी भाषेला प्राधान्य दयायचे आहे तर मराठीतील नाटके, चित्रपट, कलाकृती, गाणी या सर्व गोष्टींना कुटुंबासोबत बसून आपण पाहावयास हवे. मराठी भाषा व मराठी साहित्याला वाचविण्यासाठी वर्षाला निदान दोन चार मराठी पुस्तके घेऊन वाचणे देखील उपयोगाचे ठरेल.

मराठी हे एका प्रदेशात निर्माण झालेले संवादाचे माध्यम आहे. आंधळे जसे ब्रेल लिपीतून अथवा मुके जसे हातवाऱ्यातून संवाद साधतात तसेच एका प्रातांतील लोक त्याच भाषेतून संवाद करतात. मराठी भाषा ही लोकप्रिय व्हावी तिला प्राधान्य मिळावे असे अनेकांचे मत आहे पण समाजामध्ये ती भावना सर्वसामान्य व्हायला हवी. पण ते अशक्य आहे. मराठी भाषेपेक्षा कितीतरी इतर भाषा अधिक प्रभावीपणे रुजलेल्या आहेत. त्या रुजणे शक्य आहे तर मराठी का नाही आणि भाषेबद्दल विचारले तर सगळे म्हणतात आपण ज्याला मराठीचा अभिमान वगैरे म्हणतो तो मुळात कोणातच नसतोच. म्हणजेच माणसालाच नसतो. कारण लोकांची प्रवृत्तीच अशा स्वरुपाची झालेली आहे की, ज्याने काम साधते त्या भाषेत मी बोलणार हाच प्रत्येकाचा सहसा दृष्टिकोण असतो.

मराठी भाषा बोलणारा मराठी माणूसच दुबळा आहे. मराठी माणसाला कष्ट शिकवायला हवे आहे जे कोणी करत नाही. सोपे करण्याकडे कोणाचेही व खास करुन मराठी माणसाचा नैसर्गिक कल असतो. पण या सर्वांमुळे मराठी भाषिक माणसेच मागे राहतात व इतर राज्यातील लोक आपल्या भाषेतून वर्चस्व

गाजवतात. मराठी भाषिकाने मराठीला प्राधान्य दयायचे म्हटले तर सर्वच सरकारी, निमसरकारी व्यवहार मराठी भाषेतच झाले पाहीजे. मराठी भाषेचा उपयोग केवळ कागदोपत्री नाही तर मराठी भाषेत व्यवहार झाला पाहिजे.

मराठी भाषेचे संवर्धन करायचे आहे तर. मराठी भाषा वापरतांना कोणत्याही प्रकारचा न्यूनगंड माणसांनी बाळगू नये कारण आपली भाषा जास्तीत जास्त बोलणं हे कोणत्याही भाषेच्या संवर्धनाचे पहिले पाऊल ठरत असते. त्यामुळे जितक्या जास्त प्रमाणात मराठी भाषा वापरायची संधी मिळते तितक्या वेळेस आपण मराठी भाषा बोलणे अतिशय महत्वाचे आहे. प्राथमिक स्तरापासूनच आपण भाषाभिरुची वाढविण्यासाठी प्रयत्न केले पाहीजे. शिक्षणामध्ये मराठी भाषेचा जास्त प्रमाणात उपयोग करणे देखील आवश्यक आहे कारण शिक्षणाच्या माध्यमातून भाषा चिरकाल पर्यंत लक्षात राहते. मराठी माणूस हा आपल्या क्षेत्रात दिवसेंदिवस मागे येत आहे हे सर्व थांबविण्यासाठी आपण जास्तीत जास्त होईल ते प्रयत्न केले पाहीजेत. मराठी भाषा संवर्धनाबाबत एकाच व्यक्तीने समोर येवून चालणार नाही तर संपूर्ण मराठी भाषिकांनी समोर येवून भाषेच्या प्राधान्याकरिता आवाज उठविणे आवश्यक आहे.

मराठी भाषा ही नामशेष होऊ नये म्हणूनच आपण स्वतःच मराठी भाषेचा जागर केला पाहिजे. मराठी भाषेला समाजात प्रतिष्ठित भाषेचा दर्जा मिळवून देण्याची नैतिक जबाबदारी आता आपलीच आहे असे समजून आपणच भाषेच्या संवर्धनाकरिता पहिले पाऊल उचलायला हवे.

मराठी भाषा ही आपल्या महाराष्ट्रातून व भारतातून विभक्त व्हायला नको लोकांना भाषेबद्दल जाणीव व्हावी, मराठी भाषेला अव्वल दर्जा मिळावा व नेहमीकरिता लोकांची लोकप्रिय भाषा म्हणून पहिल्या क्रमांकावर मराठी भाषा नेहमीच रहावी म्हणून मराठी भाषेचे संवर्धन करणे काळाची गरज बनलेली आहे.

शवेटी एवढेच !

उठा चला, उठा चला
जागर करुया सारे,
मराठी आमुची मायबोली
मराठी आमुची शान,
एका सुराने गाऊया मराठी
भाषेचे गुणगान.....!!

पल्लवी देवगीरकर
B.Com. Vth Sem (M)

# कोरोना महामारिचा समाजावर झालेला परिणाम

कोरोना ज्याला Covid-19 म्हणून पण ओळखले जाते. जगातील पहिली अशी महामारी जी भारत देशातच नाही तर संपूर्ण जगावर या महामारिचा परिणाम झाला आहे. अशी महामारी जे सर्व क्षेत्रावर दुष्परिणाम केले आहे. जे आजच्या विकासशील राष्ट्रच नाही तर विकसित देशातील शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक व राजकीय क्षेत्रावर परिणाम झाल्याचे दिसून येते. आधुनिक विकसित काळात ही अशी महामारी जे प्रत्येक देशाला विचार करण्यास व लॉकडाऊन करण्यास भाग पाडले. कोरोना विषाणूची साथ हे दुसऱ्या महायुद्धानंतरचे जगासमोरच मोठे संकट आहे. मानवी जीवनाच्या सर्वच बाजूंवर या संकटाने प्रभाव टाकला आहे.

जागतिक व देशाच्या अर्थव्यवस्था लॉकडाऊनमुळे मंदी, बेरोजगाराच्या चक्रात अडकल्यामुळे डगमगीत झाली आहे. ठप्प झालेल्या अर्थव्यवस्थेमुळे हातावर पोट असणाऱ्या कष्टकऱ्यांचे तांडे, शहराकडून गावाकडे निघाले आहेत व उपासमारीने मरायचे की कोरोनामुळे, या पेचात कष्टकरी वर्ग अडकला आहे.

या विषयाचे स्पष्टीकरण करतांना कोरोना स्थितीत समाजावर झालेल्या परिणामाचे स्पष्टीकरण करण्यात आले आहे. जे प्रत्येक क्षेत्रातील अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे आहेत.

जे कोरोना स्थितीत झालेला परिणाम अधिक स्पष्ट करतात.

१) वैयक्तिक उत्पन्नात घट :- लॉकडाऊन झाल्यामुळे सर्व बंद झालं त्यामुळे व्यक्ती बाहेर पडून कुठल्याही प्रकारचं काम करु शकत नव्हता. कामच नाही तर उत्पन्न बंद म्हणून मानवाच्या वैयक्तिक उत्पन्नात घट झाली.

२) बेरोजगारी :- या महामारीमुळे सर्वच क्षेत्र बंद झाले. त्यामुळे जे कष्ट करुन पोट भरत होते त्यांचा रोजगार बंद झाला. अशाप्रकारे समाजात बेरोजगारीत वाढ झाली.

३) आरोग्यदायी सेवांचा अभाव :- कोविड मुळे रुग्ण वाढू लागले आणि रुग्णालयात रुग्णांची भरपूर गर्दी होऊ लागली त्यामुळे त्यांना वेळेवर आरोग्यदायी सेवा पुरविणे कठीण झाले म्हणून या महामारिमुळे आरोग्यदायी सेवांचा अभाव झाल्याचे दिसून आले.

४) सामाजिक तणाव :- सामाजिक दृष्टिकोनातून बघितल्यास असे दिसून येते की कोरोनाच्या काळात लॉकडाऊनमुळे प्रत्येकाला मानसिक ताण घेऊन त्यांच्यातील मानसिक तणाव वाढू लागला त्यामुळे बरेच लोक बाहेर पडण्याचा प्रयत्न करत त्यामुळे सरकार व लोकांमध्ये एक प्रकारे संघर्षाचेच वातावरणही निर्माण झाले व सामाजिक तणाव वाढत गेला.

५) गावाकडे स्थानांतरण :- कोरोना महामारीमुळे लोकांना शहरातुन जाव लागेल कारण शहरी भागात जास्तीत जास्त रुग्णांची संख्या वाढत होती या भीतीमुळे लोक गावाकडे स्थलांतरण करत होते.

६) स्थलांतरण बंदी :- बस, ट्रेन तसेच सर्व प्रकारच्या गाडया बंद असल्यामुळे सरकारची स्थलांतरणाला बंदी होती. त्यामुळे लोकांना जिथल्या तिथेच अडकून राहावं लागलं.

७) गरजू वस्तुंची किंमत वाढ :- तसेच या महामारीमुळे गरजेच्या वस्तूच्या किंमतीत झपाटयाने वाढ होऊ लागली. अपेक्षित किमती वाढायला लागल्या.

८) स्थानिक बाजारपेठ बंद :- तसेच या महामारिमुळे स्थानिक बाजारपेठ बंद झाल्या. वस्तूंच्या खरेदी-विक्रीचे व्यवहार बंद झाले. व्यापारी स्थिती ढासळली.

९) मानसिक तणाव :- कोरोनाच्या महामारिमुळे सर्व क्षेत्र बंद असल्यामुळे लोकांना घराबाहेर पडणे कठीण झाले. त्यामुळे घरातल्या घरात विचारांचा मारा डोक्यावर होत असल्यामुळे मानसिक तणाव वाढू लागला.

१०) सरकारची हुकूमशाही :- कोरोना महामारीच्या दृष्टिकोनातून सरकारने विविध कायदे अमलात आणले व त्याची काही प्रमाणात लोकांनाही योग्य प्रतिसाद दिले परंतु त्याच काळात असे काही कायदे निर्माण केले की जे लोकांची लोकशाहीला हितावह न ठरता ते हिटलर हुकुमशाही प्रमाणे अमलात आणले गेले व लोकांवर लादले गेलेत उदा. गाव प्रवेश बंदी वेळेची पाबंदी इत्यादी.

अशा प्रकारे कोरोना महामारीचा समाजावर परिणाम झाला.

शुभांगी नाडेकर
M. Com. IV Sem.

# माझे जीवन गाणे

व्यथा असो आनंद असू दे प्रकाश किंवा तिमिर असू दे
वाट दिसो अथवा न दिसू दे गात पुढे मज जाणे
माझे जीवन गाणे

स्व. मंगेश पाडगावकर यांनी लिहिलेल्या या ओळी गाण म्हणजे काय आणि गाण्यातून प्रगट होणारे भाव कसे कार्य करतात याचे उत्तम उदाहरण देतात. व्यथा व आनंद हे भाव, प्रकाश आणि तिमिर या उपमा देऊन आयुष्यातील चढउतार आणि त्यावर आपण आपली वाट कशी निवडतो याचा एकमेव मार्ग याला जीवन गाणे अशी कल्पना दिली आहे. या जीवनाला गाण्याचीच उपमा देण्याचं त्यांना का बरं सुचलं असले ?

आपण आपल्या मूड नुसार आपली गाणी निवडतो. एखादा आपला मित्र ''ए मेरी तन्हाई'' सारखी गाणी ऐकताना दिसला की आपण सहज अंदाज लावतो की हा एखादया दुःखात किंवा विरहात आहे. किंवा आपली एखादी व्यक्ती ''मेरे ख्वाबो मे वो आये''सारखी गाणी गुणगुणताना दिसली की आपण ओळखतो ही व्यक्ती प्रेमात आहे. देशभक्तीपर गीते गाताना आणि ऐकताना तो देशाभिमान जागा होतो. छाती गर्वाने फुलते. भक्तिगीते ऐकताना एक भक्तीमन जागृत होऊन मन भक्ती ने त्या परमेश्वराच्या चरणी पोहोचतो.

थोडक्यात सांगायचं तर गाणी हा आपल्या एक आजच्या शब्दात सांगायच तर mood changer घटक आहे. याला रस निर्मिती असं देखील म्हणतात. भारतीय शास्त्रीय संगीतात या रस निर्मिती वर अधिक भर दिलेला आहे. प्रत्येक राग हा वेगळा रस निर्माण करतो.

अनेक मानसशास्त्रज्ञांचा विश्वास आहे की ही रस निर्मिती हे एक विज्ञान आहे. व त्यांनी या रसनिर्मिती तत्वातूनच music therapy या संकल्पनेचा उदय झाला. मनोरुग्ण तसेच नैराश्यग्रस्त व्यक्तींना ही music therapy दिली जाते. नैराश्य ही अशी समस्या आहे ज्यामुळे मूड मध्ये क्षणार्धात बदल होतो आणि सारस्य आणि रस कमी होऊन आनंदाची भावना कमी होऊन समाधानाची भावना नाहीशी होते. Music therapy ही अश्या नैराश्यग्रस्त व्यक्तींसाठी संजीवनी सारखं काम करते.Music therapiest मध्ये नेहमीचे उपचार घेणाऱ्या व्यक्तीला त्या उपचारांबरोबरच नियमित तत्वावर Music therapiest च्या माध्यमातून Music therapy दिली जाते. यामध्ये व्यक्तीची भावनिक विचारांना ओळखून गाणी ठरवली जातात जी भावनिक अभिव्यक्तींव्दारे म्हणजे त्या गाण्यातील भावांच्या मदतीने मूड सुधारण्यास मदत करु शकेल. ४२१ लोकांचा समावेश असलेल्या ९ वेगवेगळया अभ्यासातून हे समोर आले की Music therapy ही नेहमीच्या उपचारांपेक्षा अधिक कार्यक्षम आहे.

आज कोरोना मुळे आपण सर्व घरात आहोत. रुग्णाच्या विलगीकरण प्रक्रियेमुळे रुग्णांमध्ये नैराश्याचे प्रमाण वाढते आहे. या समस्येपासून वाचण्यासाठी अनेक Music therapy असलेल्या डॉक्टरांनी youtube सारख्या माध्यातून आपल्या playlist लोकांपर्यंत पोहोचवण्याचे मोठे कार्य केले आहे.

चिन्मयी डोंगरे
B.C.C.A. III sem

## लॉकडाऊनच्या काळातील अनुभव

कोरोना व्हायरस कोवीड-१९ यामुळे भारत सरकारने आपातकालीन सेवांना सोडून बाकी सर्वांवर प्रतिबंध लावला होता. यामुळे सर्व शाळा कॉलेज बंद करण्यात आले होते. मला फार आनंद झाला कारण खूप दिवसा नंतर सुट्टया मिळाल्या होत्या आणि मुख्य म्हणजे आईवडिलां सोबत राहायला जास्त वेळ मिळाला होता.

लॉकडाऊन मुळे बाहेर न जाता आल्यामुळे आम्ही घरीच वाढदिवस साजरा केला. घरी केक कसा बनवायचा ते मी शिकली. युटयूब वर नवीन नवीन रेसिपी बघून ती बनविली पहिल्यांदा स्वतःच्या हाताने बनवले. खूप छान वाटले. तसेच दूरदर्शन वर रामायण, महाभारत या मालिका बघितल्या त्यातून शिष्टाचार व कृष्णाने अर्जुनाला दिलेले ते सर्व उपदेश यातून खूप काही शिकायला मिळाले. सरकारने दिलेल्या सर्व नियमांचे मी पालन केले. घरी राहून स्वतःला व माझ्या कुटुंबाला स्वस्थ ठेवले. ज्या विषयात मी थोडी कमजोर होती ते विषय मी या लॉकडाऊनच्या काळामध्ये चांगले केले आणि आता देवाला हीच प्रार्थना करते की सर्वांना या रोगातून मुक्त कर.

अपूर्वा टिचकुले
B.Com. II (E-1)

### - आव्हान -

ऊन, वारा, पाऊस येतचं असतो..
असल्या त्या ऋतूत भर टाकण्यासाठी...
अडचणी येतात तुम्ही जिवंत की,
जिवंतपणी मृत झालात हे बघण्यासाठी....
म्हणून म्हणते युवकांनो !
दुबळे बनून राहू नका..
कारण,
आव्हाने येतचं असतात..
आयुष्याला कणखर बनविण्यासाठी.

### - आयुष्य -

आयुष्य म्हणजे सुख आणि दुःखाचा खेळ आहे
तुटलेल्या ताऱ्यासारखं जगणं
तर कधी बाणातील तीर सहन करणं
याचाच मात्र मेळ आहे

आयुष्य म्हणजे
सर्व गोष्टींची भेळ आहे

जगणं साधत राहा कारण
शिखर चढायला
अजून तरी वेळ आहे.

* समीक्षा भुसारी *
B. Com. Sem. IVth (E2)

## खादी शताब्दी वर्ष

स्वातंत्र्य चळवळीत खादीला अनन्य साधारण महत्व होते. हाताने कातलेल्या सुतापासून, हातमागावर विणलेल्या सुती, लोकरी व रेशमी कापडाला ''खादी'' किंवा ''खद्दर'' असे म्हणतात. हातने सुत काढणे आणि त्यापासून कापड विणणे हा धंदा भारतात ग्रामोद्योग म्हणून शतकानुशतके चालत आलेला आहे. इ.स. पू. १५०० इतक्या पूर्वी हा व्यवसाय भरभराटीस आला होता, असा उल्लेख आढळतो. कापूस वेचण्यापासून ते कापड विणण्यापर्यंतची सर्व कामें हातांनीच केली जात असत. कताई व विणकाम हया दोन बाबतीत तर भारतीय कारागिरांनी अतिशय कौशल्य संपादन केले होते. त्यांनी तयार केलेले काही प्रकारचे कापड पोत व तलमपणा या बाबतीत अतिशय सरस होते. इस १५०० नंतर मात्र हया व्यवसायास उतरती कळा लागली. पण १९०८ मध्ये महात्मा गांधी यांनी चरखा आणि खादी यांचा जोरदार पुरस्कार करुन ह्या पुरातन व्यवसायाचे पुनरुज्जीवन केले. आणि १९५७ मध्ये भारतात खादी ग्रामोद्योग आयोग स्थापन करण्यात आला.

वास्तवात बघायचं म्हटलं तर, खादी हे एक वस्त्र नसून विचार आहे. जो की, स्वदेशी, स्वावलंबन आणि समानता दर्शविणारा तसेच अर्थव्यवस्थेला मदत करणारे एक प्रतिकसुद्धा. खादीचा उल्लेख वैदिक साहित्यातही आढळून येतो.

ऋगवेद, अर्थवेद यामध्ये खादीचा उल्लेख आढळून येतो. सम्राट अशोक काळातही खादीला विशेष महत्व होते. खादी या वस्त्रामागचा उद्देश असा आहे की, ग्रामीण भागातील गरजू लोकांना रोजगार पुरविणे, कारागीर, उदयोजक, बलुतेदार यांच्या उद्योगाचे थैर्य, स्वयंरोजगारांच्या क्षेत्राची व्यापक प्रमाणात वृद्धी, कारागीरांना कच्चा माल पुरवठा, कारागीरांचे तांत्रिक कौशल्य वाढविणे यासाठी सुशिक्षित बेरोजगारांना, कारागीर यांना स्थानिक ठिकाणी रोजगार उपलब्ध करुन देणे हा यामागचा हेतू होता.

खादी म्हणजे केवळ कपडा नसून एक विचार आहे, असे राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी म्हणाले होते. तसेच खादी हा एक राष्ट्रीय विचार सुद्धा आहे. त्यामुळे खादीपासून तयार केलेला राष्ट्रध्वज सोळा राज्यांमध्ये फडकवल्या जातो. खरं तरं खादीचा राष्ट्रध्वज दिल्लीच्या लाल किल्यावरही डौलाने फडकतो. खादीला जर प्रोत्साहन मिळालं आणि त्याला "स्वदेशाकडून विदेशाकडे" या संकल्पनेवर कार्य केल तरं खादी अर्थव्यवस्थेला नक्कीच मदत करु शकेल असं सुद्धा महात्मा गांधी यांनी म्हटलं होतं. म्हणूनच खादी व्यापार हा ना नफा ना तोटा या तत्वावर चालतो.

खादी हा हातमागावरील वस्त्र असल्याने ऋतूनुसार शरीराला पोषक असून पूर्णपणे शुद्ध आहे. खादी हे १०० टक्के शुद्ध असल्यामुळे जास्तीत जास्त लोकांनी खादी व ग्रामोद्योग वस्तूंचा वापर करुन खादीचा प्रचार व प्रसार करण्यास हातभार लावावा. खादी ही इकोफ्रेंडली, सस्टेनेबल कापड असल्याने पर्यावरणावर त्यांचा काहीही वाईट परिणाम होत नाही. तसेच महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांनी हा विचार आपल्या आचरणात आणावा. खादीमधील सुताप्रमाणे पर्यावरण, व्यवस्था आणि समाजातील धागे विणून राष्ट्राची बांधणी करण्यास युवकांनी योगदान दयावे.

खादी म्हटलं तर त्याग हाच शब्द डोळयांसमोर येतो. इंग्रज्यांविरुद्धच्या लढयात शस्त्र म्हणून खादीचा वापर केल्याचे सर्वश्रृत आहे. इंग्रजांच्या पारतंत्र्यातून आपली सुटका व्हावी म्हणून, आपल्या स्वावलंबनाचे स्वातंत्र्याचे प्रतीक म्हणून गांधीजींनी खादीचा वापर केला.

कातो । समझबूझकर कातो । जो काते वो पहने । जो पहने वो काते । ही दोन वाक्ये वस्त्र - स्वावलंबनाच्या हेतूने त्यांनी वापरली होती.

म्हणून खादी जगायलाच पाहिजे असे महात्मा गांधी म्हणतात. खादी अ-सरकारी केल्याशिवाय ती असर-कारी होणार नाही. असे मत विनोबाजी त्यांच्या शैलीत मांडत असत. म्हणून खादी फक्त कापड नसून विचार आहे असे म्हटल्या जाते.

समीक्षा भुसारी
B. Com. Sem IVth (E2)

# लॉकडाऊनच्या काळातील स्मरणीय आठवणी

युद्ध झालं की म्यान मध्ये परतलेल्या तलवारी प्रमाणेच परिस्थितीची सांगता करता येईल. शिक्षणासाठी शहरात स्थलांतरण म्हणजे गावाकडच्या पूर्ण आठवणींना बंदिस्त करुन ठेवायचं नंतर मैदानात जायचं असच काहीस घडलं होत परंतु मार्च समाप्तीला होणारा लॉकडाऊन शिकण्यासाठी बरच काही घेऊन आलेलं होतं जे शिकायचं राहून गेलं होत ते शिकण्याची संधी मिळणार होती. परंतु सुट्या कमी आहेत म्हणून अर्धवट राहिलं अस वाटत होतं.

मार्च महिन्यातील दहा दिवसांच्या सुट्या कशा संपल्या कळलचं नाही आणि मग तेच कॉलेजला जावं लागेल अस पुन्हा तेच नियोजन आखून कार्य करावे लागतील असं साहजीकचं वाटल होतं परंतू विषाणूचा वाढता प्रादुर्भाव पाहून लॉकडाऊन मध्ये वाढ झाली. एवढया सुटया बघून मन हर्षोल्लासित तर झालच होत. त्याचबरोबर कामाची जबाबदारी देखील वाढली होती. लॉक जरी साऱ्या व्यवसायाला होत तरी मात्र अनलॉक शेतीची कामे होतीच अन् ती वर्षभर संपेनात. त्या शेतीचा आधार कामात व्यस्त राहण्यासाठी तर झालाच परंतू अभ्यासालाही ब्रेक नाही लागावा म्हणून विषयाचं सोडून निरनिराळे पुस्तक वाचण्यात मन रमत गेलं त्याचबरोबत सोयीचे काम, घरकामात आईला मदत. शेतीकामात वडिलांना मदत हया सगळया कामाचं वेळापत्रक बनविले होते. तसेच गावात कोविड वॉरिअर्सची टीम निवडण्यात आली होती तिथेही उर्त्फूतपणे सहभाग नोंदवून बाहेरुन प्रवास करुन येणाऱ्या प्रवासांची देखरेख करण्यासाठीही सज्ज होतोच. त्यांची सगळी व्यवस्था ही गावा बाहेरी जि. परिषदेच्या शाळेत करण्यात आली होती त्यामुळे गावात कुठल्याही प्रकारचा कोरोना पेशेंट आढळला नाही.

आणि खबरदारी म्हणून वेळोवेळी गावामध्ये जनजागृतीचे कार्यक्रम देखील होत होते. जनता बळी पडू नये म्हणून विविध पोस्टर भिंतीवर चिटकवून जनजागृती देखील करत होतोच. लॉकडाऊन मध्ये सर्वांना एकत्रित पाहून वेगळाच भास झाला होता. जणू एखाद कुटुंबच संपूर्ण गाव आहे की काय अस वाटलं होतं असो परंतू संपूर्ण गावाच्या सहभागाने विषाणूला गावात तर प्रवेश नाहीच भेटला.

आमच्यासाठी घर सोडून बाहेर राहणं म्हणजे एक आव्हानच. आमच्यात असणाऱ्या सामर्थ्याची खरी परीक्षा मग ती खोलीची असो वा शहरातील वातावरणात मिळून मिसळून राहण्याची. एकटं असल्यावर सारीच कामे करावी लागतात अन ती आलीच पाहिजे काही प्रमाणात येत होते परंतू काही शिकायचे होते. या लॉकडाऊन ने ते सर्वकाही शिकविले. जे मला येत नव्हते. आता समोर येणाऱ्या प्रत्येक समस्यांना आव्हानांना साहसी वृत्तीने तोंड दयायला तयार आहोच. अन् हे लॉकडाऊनमुळे शिकायला मिळाले म्हणून कायम स्मरणातही असणार आहे.

लॉकडाऊन मध्ये सर्वाधिक वापर इंटरनेटचा झालाय. यात टेक्नालॉजीमुळे खूप मोठया प्रमाणावर नुकसान होता होता वाचला असं म्हणायला हरकत नाही. कारण हे नसतं तर अख्ख एक वर्ष बर्बाद झालं असत आणि जे हवे असलेले ज्ञान आम्हाला मिळाले नसते. परंतु यामुळे ते सर्व शक्य झाले. चार भिंतीची शाळा मोबाईलवर भरु लागली आणि विषयातल्या ज्ञानातही भर होवू लागली. विविध वेबिनार, ऑनलॉईन क्वीज यामुळे इतरही ज्ञान मिळू लागले अन मंदावलेल्या गतीला थोडा आधार मिळाला.

२०२० कायम स्मरणात असणार आहे कारण हया वर्षाला संपूर्ण जग बंद झालेलं आम्ही पाहिलं. माणसाला माणसासारखा वागतांनी पाहिलं. आणि सर्व जाती धर्म सोडून एकमेकांच्या मदतीला धावतांनी पाहिलं एवढचं नव्हे तर एका वर्षाच्या सुट्टया देखील अनुभावयला मिळालाच म्हणून हे वर्ष कायम स्मरणात असणार आहे.

आस्तिक परिहार
M. Com. Sem IVth (M)

# MBA DEPARTMENT ACTIVITIES

Ms. Durga Waghmare secured 3rd Position & Silver Coin in Essay Writing Competition organised by Bank of Baroda

Webinar on Recent Developments in Finance and Accounting Standards by CA Sarang Sangai

Webinar on 'Managing & Prospering in the Post Covid-19 World'

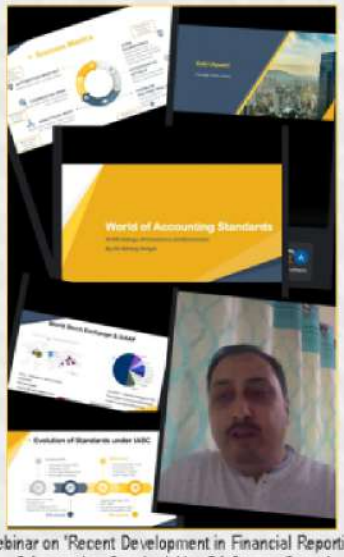


Webinar on 'Recent Development in Financial Reporting & Accounting Standards' by CA Sarang Sangai

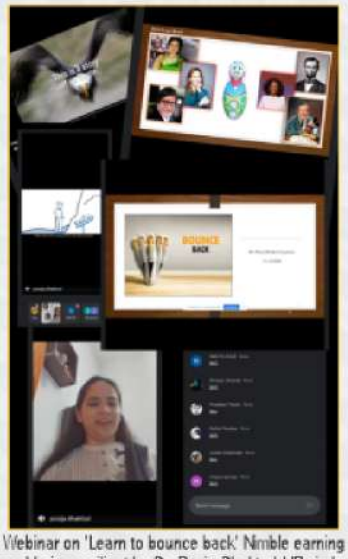

Webinar on 'Learn to bounce back' Nimble earning and being resilient by Dr. Pooja Dhaktod HR circle in Rexnord corporation, Wisconsin

Webinar on 'Campus to Corporate Walk Professional Etiquettes' by Dr. Richa Joseph, Majan University, Muscat, Oman

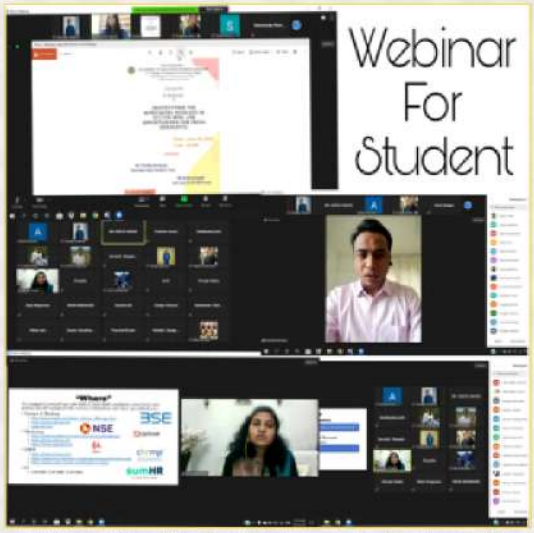


Webinar on 'Demystifying the intricacies involved in the sector wise job opportunities for Fresh Graduate'

# B.COM (HONOURS / F & A) ACTIVITIES

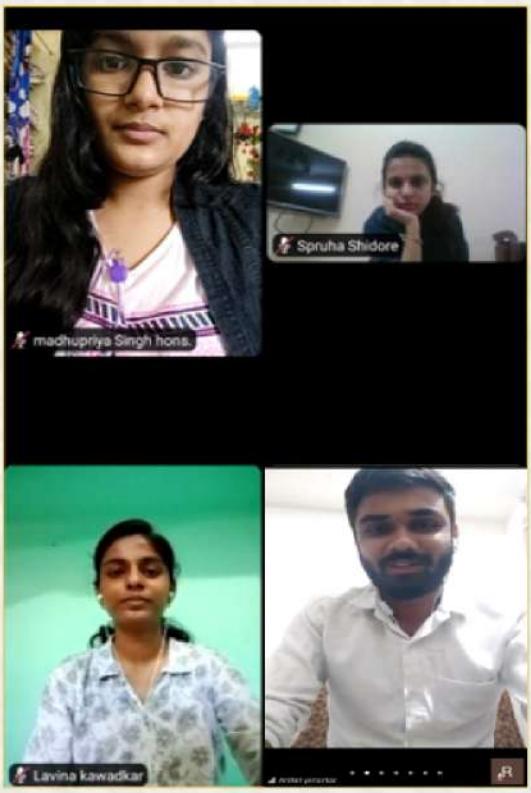


Participation of Students of B. Com I (Hons.) & (F&A) in Online Book Review Competition on the occasion of Vachan Prerna Divas

Online Programmes conducted by B. Com I Hons & F & A Students

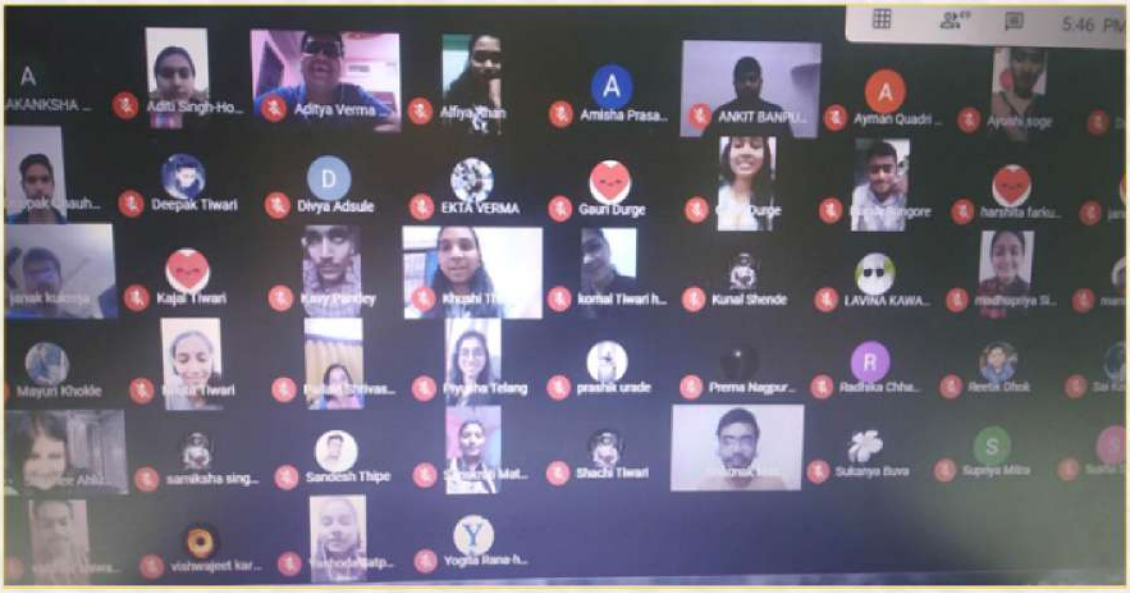


Participation of B. Com I Hons & F & A Students in online programmes

# STUDENTS INDUCTION PROGRAM

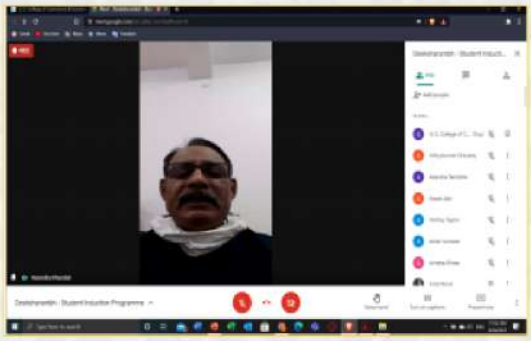

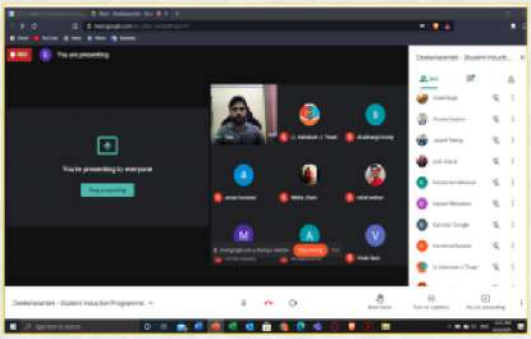

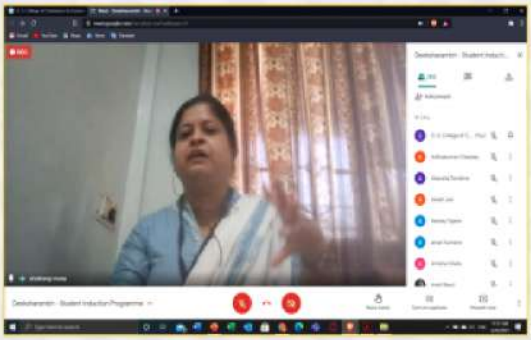

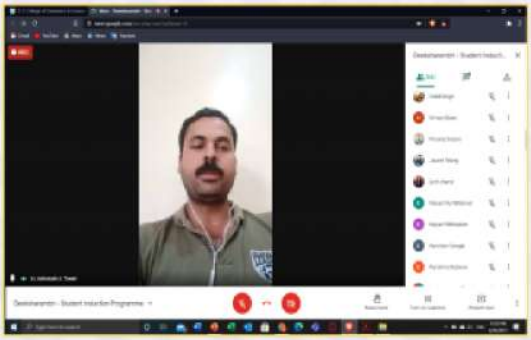

# COMMERCE STUDY CIRCLE & COMMERCE LAB

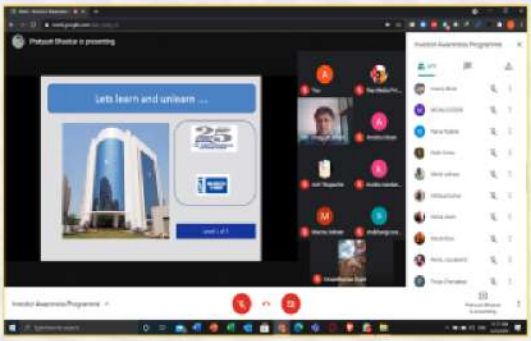


Investor Awareness programme in collaboration with National Stock Exchange

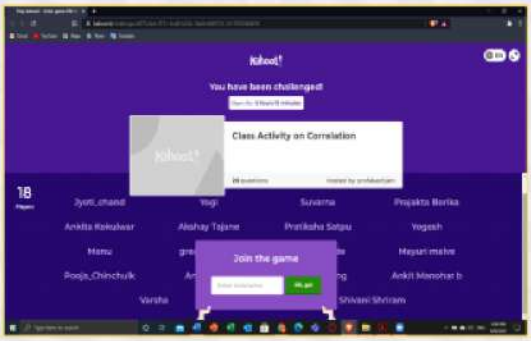


Classroom Activity

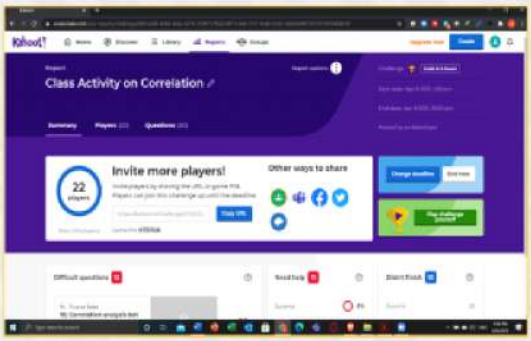


Classroom Activity

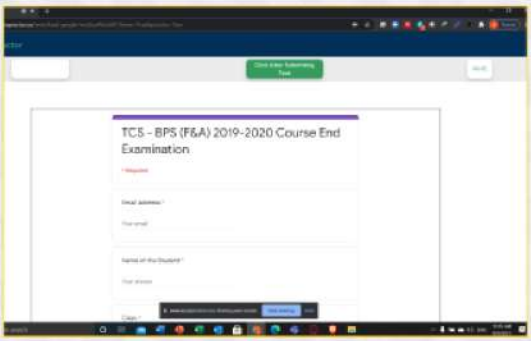


TCS-BPS (F&A) Course End Examination

# LANGUAGE STUDY CIRCLE

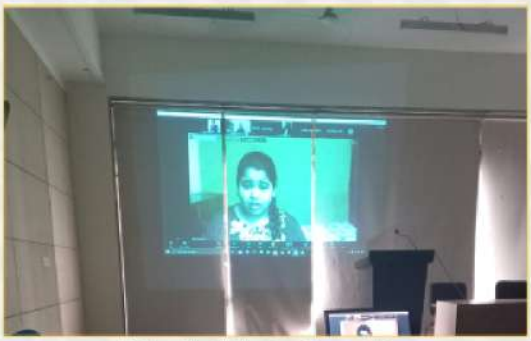

Online Book Review Competition

Paying Tributes to V.W. Shirwadkar

Marathi Bhasha Gaurav Din

# BEC COURSE ACTIVITIES

Online webinar in progress, resource person Prof S. S. Kathaley interacting with participants

# MODEL PREPARED BY B.COM SEM1 E2 STUDENT FOR RBI CHALLENGE

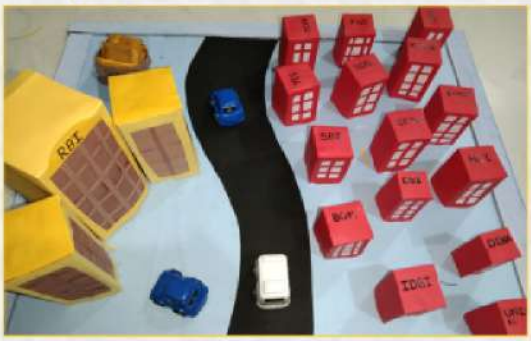

Model & Chart submitted in RBI 4th Challenge on the theme "Top Commercial Bank in India and NBFC in India" (Secured 2nd Rank) by Miss. Dinky D. Sahu

# WOMEN'S CELL ACTIVITIES

Dr. Kshama Kedar, delivering an online lecture on the occasion of International Women's Day on 8 March.

Prof S.S.Kathaley, Convenor conducting the online session of Dr. Kshama Kedar

Dr. Kshama Kedar addressing the lady faculty on the occasion of International Women's Day.

Prof Sonal Bisen interacting in the session

Dr. Neha Kalyani interacting with Dr. Kshama Kedar in the Q/A session.

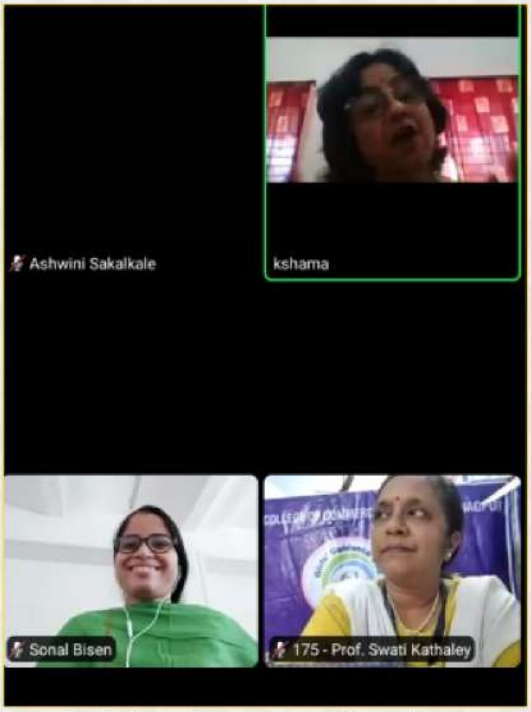


Dr. Kshama Kedar, eminent Gynecologist interacting with Participants

# Research Cell

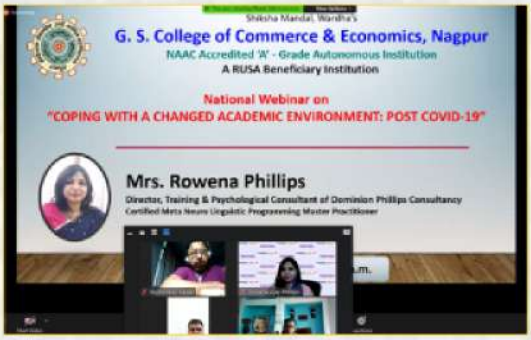


Online webinar by Mrs.Rowena Phillips

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

Participation of faculty in online webinar

# PHYSICAL EDUCATION DEPT. ACTIVITIES

Online Observation of "INTERNATIONAL YOGA DAY" on 21st June 2020

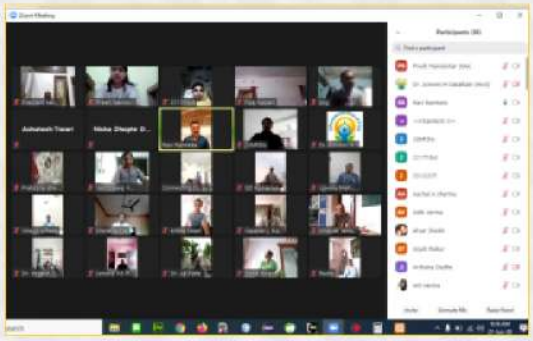

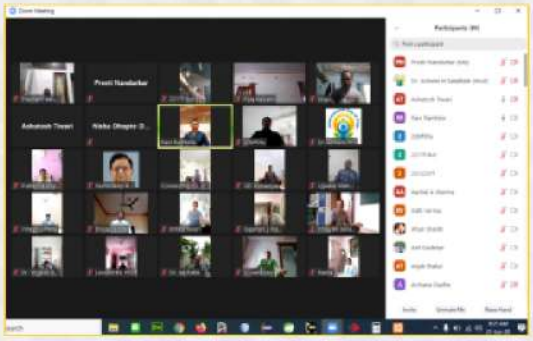

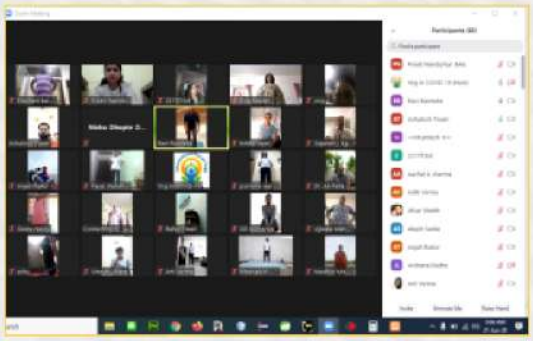

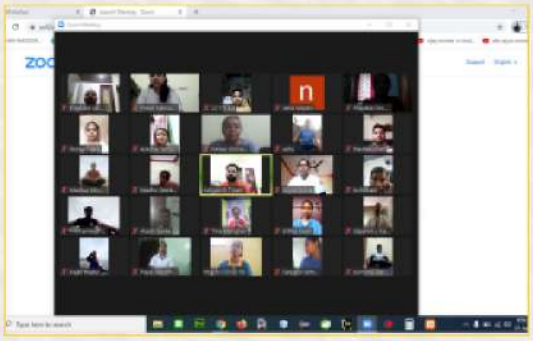

# SPORTS ACTIVITIES

Online Celebration of NATIONAL SPORTS DAY on 29th August 2020

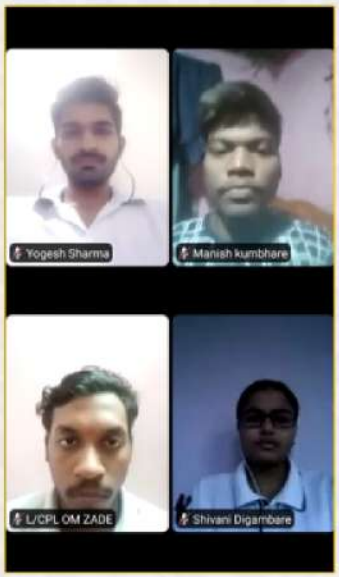

# ECA ACTIVITIES

Students participation in Online Rangoli Competition on the occasion of Independence Day

Students participation in Online Rangoli Competition on the occasion of Independence Day

Students participation in Online Rangoli Competition on the occasion of Independence Day

Students participation in Online Rangoli Competition on the occasion of Independence Day

# PARENT - TEACHERS MEET ACTIVITIES

Principal Dr. N.Y. Khandait addressing parents in an Online Parents Teachers Meet

Parents interacting in Online Parent Teachers Meet

Convener, Dr. N.H. Kalyani conducting Online Parent Teachers Meet

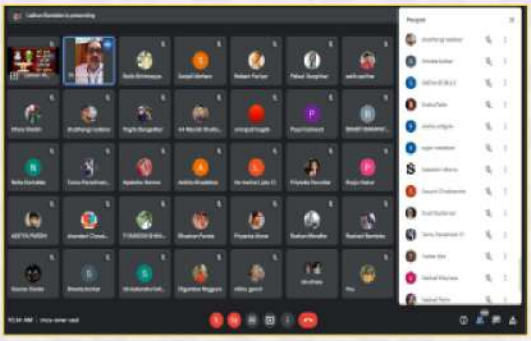

Participation of Parents in the Online Parent-Teachers Meet

# SPECIAL DAYS CELEBRATION

Principal Dr. N.Y. Khandait , NSS Coordinator Dr. A.B. Patle, IQAC Convenor Prof. P. J. Yadav on the occasion of SanvidhanDiwas

Principal Dr. N.Y. Khandait , NSS Coordinator Dr. A.B. Patle, IQAC Convenor Prof. P. J. Yadav & other staff members reading the Preamble of Constitution on the occasion of SanvidhanDiwas

Principal Dr. N. Y. Khandait paying tributes to Sardar Vallabh Bhai Patel on his Birth Anniversary

Staff members reading Pledge on the occasion of Rashtriya Ekta Diwas

Principal Dr. N. Y. Khandait addressing the gathering on the occasion of Republic day Celebration

Principal Dr. N. Y. Khandait addressing the gathering on the occasion of Maha Parinirvan Diwas

On the occasion of Subhash Chandra Bose Jayanti, Dr. A. B. Patle, NSS Co-ordinator addressing the students on Google Meet

Principal Dr. N. Y. Khandait addressing the gathering on the occasion of Yuva Divas - Vivekanand Jayanti.

# Glimpses of Online Celebration of MAHARASHTRA DIN

Presentation by Students on famous National Heroes of Maharashtra

Festivals of Maharashtra

Presentation by students on famous personalities of Maharashtra

Heroes of Maharashtra

The staple food of Maharashtra

Delicious Cuisine

Geographical Terrain & Fauna

Rangoli

# Glimpses of Online Celebration of MAHARASHTRA DIN

Principal Dr. N.Y. Khandait addressing the Students

Online presentation of Cultural facets of Maharashtra on the occasion of Maharashtra Din - 1 May, 2020

# N.S.S. ACTIVITIES

Online reading of Preamble of constitution

# N.S.S. ACTIVITIES

Oath by Teachers & Students on National Unity Day

# N.S.S. ACTIVITIES

Online COVID-19 Awareness Campaign by NSS Students

# N.S.S. ACTIVITIES

## G.S College Of Commerce & Economics ,Nagpur

Awareness Campaign during COVID-19

# N.S.S. ACTIVITIES

Contribution by NSS Volunteers in COVID-19

Donating Sanitizers

Help in Polio Vaccination Drive

Contribution in Polio Dose Drive

Tree Plantation Drive

A Student in Clean India Mission

Distribution of Masks

Awareness Drive

# N.C.C. ACTIVITIES

Tree Plantation Drive

Cleanliness Drive by NCC Students

Participation of NCC Cadets in
Online International Yoga Day

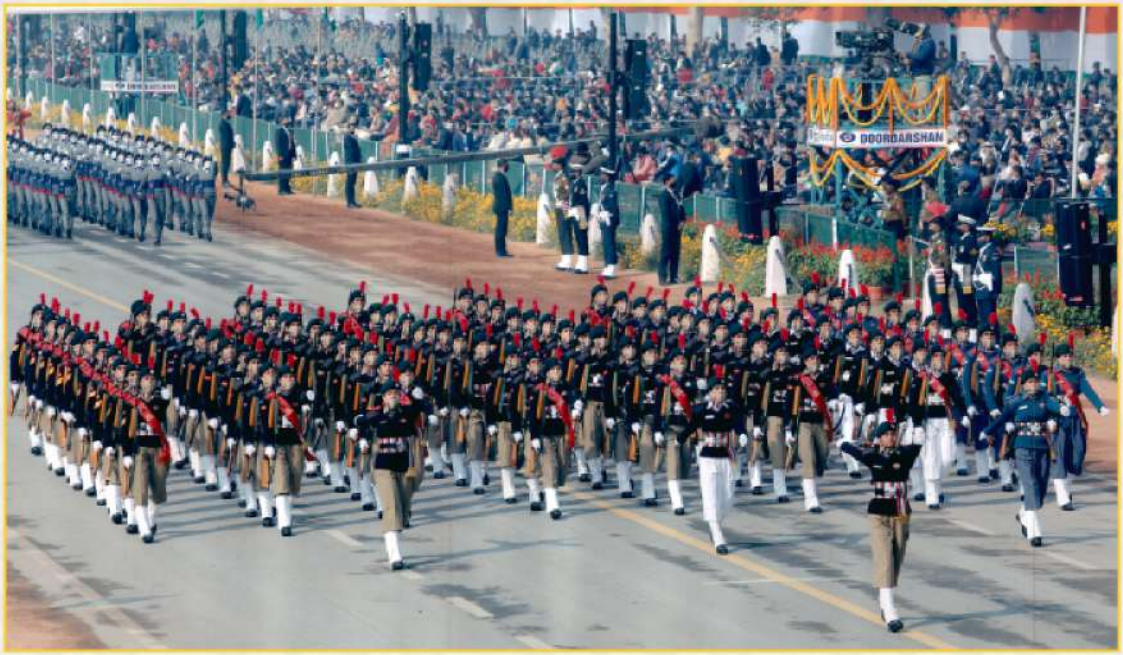


Maharashtra NCC Contingent Marching in Rajpath-New Delhi (3)
Our B.Com Final Year Student, SUO Ms. Ayushi Nagpurkar represented 4 MH Battalion.

# N.C.C. ACTIVITIES

Training to cadets during Camp

Contribution in Online Awareness Programme on Constitution of India

Swachha Bharat Abhiyan

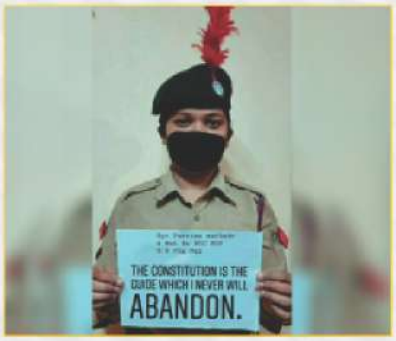


Contribution in Online Awareness Programme on Constitution of India

## 120 कैडेट्स को दिया गया प्रशिक्षण

## एनसीसी का पांच दिवसीय शिविर का हुआ समापन

सिटी भास्कर | नागपुर. 4 महा बटा. एनसीसी का बी एवं सी प्रमाणपत्र के लिए आयोजित कैम्प तीन चरणों में संपन्न हुआ। जीएस कॉलेज प्रांगण में आयोजित प्रथम चरण में जीएस कॉलेज और आरएस मुंडले धरमपेठ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के 120 एनसीसी कैडेट्स ने हिस्सा लिया। पांच दिवसीय कैडर में बी और सी प्रमाणपत्र परीक्षा से सम्मानित सैनिकों को युद्ध कला कौशल, हथियार प्रशिक्षण, नेतृत्व, आपदा प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण जागरूकता इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण 4 महा बटा. एनसीसी के कमान अधिकारी ने लेफ्टिनेंट कर्नल अमित चौधरी तथा प्रशासकीय अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रंजीत के मार्गदर्शन व नेतृत्व में दिया गया। प्रशिक्षण में एनीसीसी अधिकारी मेजर एम. बी. नगराले, लेफ्टिनेंट आशुतोष तिवारी आदि का सहयोग रहा।

Awareness Drive by NCC Cadets

Participation of NCC Cadets in COVID-19 duty during pandemic, alongwith Civil Administration

Participation of NCC Cadets in Fit India Campaign alongwith their family members

# N.C.C. ACTIVITIES

Our NCC Cadet SUO Ms. Ayushi Nagpurkar in the Republic Day Parade Contingent Clicked with Hon'ble PM Shri Narendra Modi & Other Officials.

Our NCC Cadet SUO Ms. Ayushi Nagpurkar representing the Maharashtra contingent, Clicked alongwith the Governor Shri Koshiyari and other Officials.

SUO Ms. Ayushi Nagpurkar Clicked alongwith Hon'ble CM of Maharashtra Shri Uddhav Thackeray.

SUO Ms. Ayushi Nagpurkar being felicitated by NCC Nagpur Gp. Commander Gp. Capt. M. Kaleem

NCC Camp in College

Camp Activities

Camp Activities

Parade by NCC Cadets

## ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में टीकाकरण का सफल आयोजन

## Shiksha Mandal organizes Covid vaccination drive for G.S. College at OCHRI

**First Central Indian Education trust to undertake free vaccination for their students**





## ओचरी में टीकाकरण का सफल आयोजन

नागपुर. शिक्षा मंडल की ओर से जीएस कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल एंड ... का सफल आ...

## जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी लसीकरण

शिक्षा मंडळाच्या वतीने जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल ॲण्ड रीसर्च इन्स्टिट्यूट (ओसीएचआरआय) येथे कोरोना लसीकरणाचे यशस्वी आयोजन करण्यात आले आहे. राहुल बजाज यांच्या वाढदिवशी १० जूनपासून त्यांच्या प्रमुख उपस्थितीमध्ये या लसीकरणा... सुरुवात झाली. यावेळी शिक्षा मंडळ वर्धाचे अध्यक्ष संजय भार्गव, र... नायर हॉस्पिटल प्रा. लि. च्या (आरएनएचपीएल) अध्यक्ष डॉ. उषा ना... आरएनएचपीएलच्या संचालिका डॉ. विद्या नायर, जी. ए... महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खंडाईत, ऑरेंज सिटी हॉस्पिट...

## टीकाकरण का सफल आयोजन

नागपुर। शिक्षा मंडल की ओर ... जी.एस. कॉलेज के विद्यार्थियों के लि... ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (ओसीएचआरआई) ... कोरोना टीकाकरण का सफल यशस्वी आयोजन किया गया. राहुल बजाज के जन्मदिन 10 जून से उनकी प्रमुख ...

## OCHRI में टीकाकरण का सफल...

नागपुर. शिक्षा मंडल की ओर ... विद्यार्थीयों के लिए ऑरेंज ... ईस्टीटयूट (ओसीएचआर...) का सफल यशस्वी आयो... के जन्मदिन के अवसर ... की शुरुआत हुई. इस अ... अध्यक्ष संजय भार्गव, ... (आरएनएचपीएल) की ... आरएनएचपीएल की संचालिका डॉ. विद्या नायर, जी.एस. महाविद्यालय के प्राचार्य ... सिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अनुप मरार, डॉ. नूरुल अमीन, प्रशांत टिचकुले ... पाटील, राहेल पतंगे, सावंत वाघमारे, गणेश अय्यर व ...

THE TIMES OF INDIA, NAGPUR FRIDAY, JUNE 11, 2021

**YOUR NEWS**

## Shiksha Mandal holds vax drive for its staff, students



## जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी लसीकरण



शिक्षा मंडळाच्या वतीने जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल ॲण्ड रीसर्च इन्स्टिट्यूट (ओसीएचआरआय) येथे कोरोना ...वी आयोजन करण्यात आले आहे. राहुल बजाज यांच्या ...नपासून त्यांच्या प्रमुख उपस्थितीमध्ये या लसीकरणाला ...यावेळी शिक्षा मंडळ वर्धाचे अध्यक्ष संजय भार्गव, रवी ... प्रा. लि. च्या (आरएनएचपीएल) अध्यक्ष डॉ. उषा नायर, ...च्या संचालिका ... जी. एस. ... प्राचार्य डॉ. एन. वाय ... अनुप मरार, डॉ. नु... ...नात नीरज पाटील, ... अविनाश गाणार यांनी ...

## Shiksha Mandal holds vax drive for its staff, students

Firmly believing that vaccination is the only key to control Covid-19 pandemic, Shiksha Mandal of Wardha patronized by Bajaj Group had decided to bear the cost of Covid vaccination for all its beneficiaries including staff and students of all its education institutions. Orange City Hospital & Research Institute (OCHRI) was selected by Bajaj Group as the vaccination partner. Respecting the nationalistic spirit of Bajaj Group, RNHPL management decided to charge only Rs100 for vaccination even though Union Government had stipulated Rs 150 as facilitator charges. This vaccination drive commenced at OCHRI on June 10 to commemorate the birthday of Rahul Bajaj in presence of chairman of Shiksha ...

**YOUR NEWS**

## Shiksha Mandal holds vax drive for its staff, students

## जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल ॲण्ड रीसर्च इन्स्टिट्यूट येथे कोरोना लसीकरणाचे यशस्वी आयोजन

**नागपूर, १२ जून :** शिक्षा मंडळाच्या वतीने जी. एस. कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांसाठी ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल ॲण्ड रीसर्च इन्स्टिट्यूट (ओसीएचआरआय) येथे कोरोना लसीकरणाचे यशस्वी आयोजन करण्यात आले आहे. राहुल बजाज यांच्या वाढदिवशी १० जूनपासून त्यांच्या प्रमुख उपस्थितीमध्ये या लसीकरणाला सुरुवात झाली. यावेळी शिक्षा मंडळ वर्धाचे अध्यक्ष संजय भार्गव, रवी नायर हॉस्पिटल प्रा. लि. च्या (आरएनएचपीएल) अध्यक्ष डॉ. उषा नायर, आरएनएचपीएलच्या संचालिका डॉ. विद्या नायर, जी. एस. महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. एन. वाय .खंडाईत ,ऑरेंज सिटी हॉस्पिटलचे संचालक डॉ. अनुप मरार, डॉ. नुरुल अमीन, प्रशांत टिचकुले यांच्या प्रमुख मार्गदर्शनात नीरज पाटील, राहेल पतंगे, सावंत वाघमारे, गणेश अय्यर आणि अविनाश गणार यांनी यशस्वितेसाठी परिश्रम घेतले.

# Vaccination Drive of
# G. S. College of Commerce & Economics

# Report of M. Com Department

It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2020-21.

**Objective:** To provide post graduate course in commerce as per the autonomous curriculum in English, Marathi and Hindi Medium.

## Activities and Achievements

**Activities:**Due to the Covid-19 pandemic all the academic activities were conducted in Online mode only.

## Various Achievements of the Department

**A. Achievement at NET/SET examination:**

Following Ex-students of M. Com have qualified NET/SET examination:

1. Arti Sawarmal Verma qualified UGC NET exam for eligibility for Assistant Professor held on 17th October 2020(June cycle) in the subject of Commerce and also received NFSC Scholarship. She also qualified SET exam for eligibility for Assistant Professor held on 27th December 2020 in the subject of Commerce.
2. PiyushaTelang qualified UGC NET examinationfor eligibility for Assistant Professor held on 17th October 2020(June cycle)
3. JayantKumar Vijay Rane qualified SET examination for eligibility for Assistant Professor held on 27th December 2020
4. Shubhangi Narekar qualified SET examination for eligibility for Assistant Professor held on 27th December 2020

**B. Placements:**

1. Aastik Parihar(M.Com Semester III, Marathi medium) got placed in Eximenia Organics Co. Ltd.

- **Other Information:**
- Many students attended the Webinar conducted by G.S.College of Commerce & Economics, Nagpur on "How to prepare for NET/SET Examination and its Future Avenues"
- Students attended the Webinars conducted by G.S.College of Commerce & Economics, Nagpur on various themes organized during Webinar Series.

- Many students participated in online NSS activities like Arogya Setu App download and its awareness, plantation activites like plantation at their own premises, online Sanvidhan Divas activities.
- Aastik Parihar from M.Com Sem III (Marathi medium)attended State-level webinars relating to NSS.
- Students have actively participated in online essay writing, rangoli competition and poster-making competition etc. organised by life- long learning and extension and Day celebration committee.
- Students attended the Live Online Budget Session organized by the Commerce Study Circle
- Students attended the various Online Webinars conducted by NSE, NISM etc.
- Assignment given to all classes.
- Class tests, unit tests conducted.
- Online presentations of students conducted to enhance the confidence of students.
- Prelim and viva voice conducted
- Participation of students in various Online student-centric activities organized from time to time at college and inter-collegiate level.

The department extends special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thank all the staff members for their co-operation and support.

**Plans for session 2021-2022**

1. To admit sincere and regular students for the course.
2. To provide pro-active teaching and learning resource to them in order to foster their understanding about the subject knowledge.
3. To focus on student-centric teaching learning approach.
4. To encourage students to participate in co-curricular and extra-curricular activities in order to enhance their personality.
5. To provide them with more practical approach and enhance their employability.

**Dr. Shubhangi. D. Morey**
**Co-ordinator**

# Report of MBA Department

It is a matter of pride and privilege to present the report of the Department of Management Sciences & Research for the session 2020-21. This year DMSR also witnessed changes brought in by the pandemic in the Teaching- Learning process. Webinars and online interactive sessions became a part of "normal learning" to complement the teaching learning process.

The main activities of the department are bifurcated into two types. Academic & Administrative Activities & Extracurricular & Co- curricular Activities

1. **Academic & Administrative Activities-**

- **E-Sc** -DMSR served as an E-Scrutiny centre for the MBA admission process conducted on behalf of DTE for the academic year 2020-21 from 8th Dec, 2020 upto 5th February,2021. The students carried out the process of online document verification, uploading and were counseled telephonically on subsequent steps in the admission process. There were total 177 candidates across Maharashtra who were issued acknowledgements.

- **Admissions**- The department achieved 100% admissions this year too. The quality of the intake this year is as follows:

| Graduation % | No of Students | % of Students |
|---|---|---|
| Above 75% | 11 | 17.46% |
| Between 50% & 59% | 16 | 25.40% |
| Between 60% & 74% | 36 | 57.14% |
| Grand Total | 63 | 100.00% |

- **Guest Lectures (Webinars)**- DMSR conducted Webinars during the lock down phase to help students gain knowledge of and evaluate the opportunities & challenges of economic situation. Details of the webinars are:

1) Webinar on "**Managing/ Prospering in the Post Covid- 19 World.**" **(G**raduate & Post graduate students of colleges in and around Nagpur)

| Date | Speakers | Designation | Topic | Total Participants |
|---|---|---|---|---|
| 3rd June 2020 | Dr.Vinayak Deshpande | Professor, DBM, RTMN, Nagpur University | Post COVID-19 Economic Situation Opportunities and Challenges | 600 |
| 3rd June 2020 | Dr. Sameer Pingle | Associate Dean, ABM, – – – | Employment Prospects Post COVID-19 | 600 |
| 4th June 2020 | Sachin Palsokar | Co- founder & CEO INEX Industries Ltd | Diversion of Investment from China to India | 600 |
| 4th June 2020 | Saumitra ray | Regional Head-IM Chanel Bajaj Allianz Life Insurance Co Ltd | Impact of Policy Changes on Employment | 600 |

2) Webinar on" Demystifying the Intricacies Involved in the Sector Wise Job Opportunities."

| Date | Speakers | Designation | Topic | Total Participants |
|---|---|---|---|---|
| 28-06-2020 | Mr. Tandip Kashyap | SI, Auto sales , Yes Bank, Pune | Automobiles & Banking Sector analysis | 94 |
| | Dr. Richa Joseph | Soft skill trainer, Muscat. | Soft Skill & Hard skill for Placements | 94 |

3. Webinar on "Recent Developments in Financial reporting and Accounting Standards" for MBA Students on 5th December, 2020 by CA Mr. Sarang Sangai.

4. Webinar on Campus to Corporate walk: Professional Etiquettes was organized for MBA Students on 9th December, 2020 by Dr. Richa Joseph, Soft Skills trainer, Majan University, Muscat Oman.

5. Webinar was conducted on 11th December 2020 on "Learn to bounce back"- Nimble earning and being resilient by Dr. Pooja Dhaktod, HR circle in Rexnord corporation, Wisconsin, for MBA students.

**2. Extracurricular & Co- curricular Activities**

a) **Internships**: DMSR students have worked with several companies for their Summer Internship Projects. Some of the prominent companies are:

| | | | |
|---|---|---|---|
| Mediapur Production & Events LLP | Spacewood Furniture PVT Ltd | VED Advisory Services Pvt. Ltd | The Gadchiroli district Central co-operative Bank Ltd |
| Gaurang Insurance Marketing and Wealth Management Pvt. Ltd | Bank of Maharashtra | The Bhandara urban Co-operative Bank Ltd | AK Gandhi appliance |
| Aaradhya aqua water can service | Wardha Nagari Sahakari Adhikosh Maryadit Bank, Wardha | Bank of India | The Climber (My Captain) Climber knowledge and careers Pvt Ltd, |
| E technology Pvt ltd, | The Bhandara Urban Co-operative Bank Ltd | Arihant kirana stores pvt ltd | Dhanlakshmi financial services |
| Global FIBC Pvt Ltd | Hivtap Karmachari Sahakari Pat Sanstha Ltd. Wardha | AXIS Bank | A K Gandhi |
| Shumstar global business solution | Vasant automobile, Sindewahi | Urban co-operative bank Ltd | Anup Medicose Agency |

In order to boost self confidence within students and to enhance their employability skills, students are encouraged to participate in various, both intra and inter collegiate events, Webinars and related activities. DMSR has observed different shades of learning and gathered new experiences in paving way towards improved quality standards thereby surpassing benchmarks set in the previous years inspite of contingencies posed by the pandemic.

**a) <u>Students' achievements</u>**

- Ms. Durga Waghmare won 3rd Position and a Silver coin in the essay competition- "Vigilant India – Prosperous India" on the occasion of Vigilance week organized by Bank of Baroda held on 27th September, 2020
- Ms. Kanchan Sattalwar won 1st Position in a quiz competition organized by Maharashtra Government on Covid-19 held on 5th November, 2020.

Thank You!

**Dr. Ashwini Purohit**
**Director, DMSR**

## Report of Department of B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accountancy)

It gives me pleasure to present the report of two newly introduced UG courses/programmes- B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accountancy)by our college for the first time in RTM Nagpur University, Nagpur. Both the courses aim at professional development of students. Their curriculum is designed to impart them latest knowledge in the field of commerce and is at par with the curriculum of professional courses in commerce. 72 students have taken admission in B. Com I (Hons.) &83 students in B. Com I (Finance & Accountancy) this year.

Due to the outbreak of COVID- 19 pandemic resulting in imposed lockdown, we switched over to virtual teaching-learning methods. We started conducting regular online lectures of one hour duration six days a week from September 15, 2020. All the teachers of the department provided the students with online study material for studying in the form of PPT, document notes, videos, etc. Special Doubt Clearing Sessions and Revision sessions were conducted for every subject after completion of syllabus. Assignments were given to students and presentations were taken with the objective of keeping the students updated with the happenings in the field of commerce across the globe. Two unit tests and online preliminary examinations were conducted.

**Professional Courses:** Ku. Mansi Asatkar of B.Com. I (Hons) cleared CS Foundation examination in December 2020 and Mr. Ashutosh Sinha of B.Com. I (F&A) cleared CMA Foundation examination in January 2021.

**Activities of Department:**

- Rapport building online sessions-"Let the Heart Smile" was conducted by the students of B.Com. (Hons.) and "Aahan" by the students of B.Com. (F&A) where various skills like singing, instrumental, dancing, skit and sketching art were performed by the students.
- Webinar on "How to score better in Examination" was conducted by Prof. Pallavi Shrivastav.

**Achievements/Participations:**

- Ku. Samiksha Singh of B.Com. I (Hons) secured 1$^{st}$ place and Ku. Lavina Kavadkar from B. Com. I (Hons) got 2$^{nd}$ prize in Inter Collegiate Book Review Competition organized by J.M. Patel College, Bhandara.

- Ku. Madhupriya Singh of B.Com. I (Hons) secured 1st place in In-House Book Review Competition organized by G.S. College of Commerce and Economics and 1st place in Manthan- Inter College Speech Competition organized by Randhir singh Bhadoriya Mahavidyalaya, Umred, Nagpur.
- 7 students of B. Com I (F& A) and 13 students from B. Com I (Hons) appeared for ICSI Quiz andKu. Lisha Guriya qualified for final round. Also 3 students from B. Com I Hons qualified for National Accounting Talent Search Examination.
- Reetik Dhok, Khushi Thakre, Riddhi Palkar, Mrunal Meshram and Divya Khawshi registered online with ICMAI for CAT.
- Students have enrolled and are participating in NCC and NSS activities. They have enrolled for various value addition courses offered by the college.
- Many students participated in the Inter Collegiate Quiz Competition and Inter Collegiate Book Review Competition organized by J.M. Patel College, Bhandara, Book Review Competition by Gondia Education Society, in Ideal Women Quiz organized by Aaryajanani, All India Current Affairs & GK quiz competition organized by ICSI,
- Many students participated in Global Hand Washing Day Quiz organized by UNICEF, WIFA and in Anti Spitting organized by ACF supported by TATA Trusts.

We express our sincere thanks to Dr. N. Y. Khandait, Principal for his guidance and support for introducing and establishing these two new courses. I extend my heartfelt thanks to all the teachers- Dr. N. Y. Khandait who has taught Compulsory Englishto our students till October 15, 2020, Prof. Pallavi Shrivastav, Prof. Piyusha Telang, Prof. Sakshee Ahluwalia, Prof. Shaunak Masade and Prof. Ankit Banapurkar for providing their expertise and knowledge to our students. Sincere thanks are due to Prof. Pallavi Shrivastav for extending co-operation and support for successful beginning of these two new courses.

**Dr. Ranjana Sahu**
**Co-ordinator**

## Report of B. Com. Department

It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2020-2021.

**Activities:**

**The following activities conducted during the year:**

1. Due to Covid-19 situation all the classes of B.Com. were conducted online only through Zoom, Google Meet, Microsoft Team etc.
2. Assignments were given to all classes through online mode.
3. Class test and unit test were conducted through online mode.
4. Preliminary examination was conducted through online mode.
5. Bridge course conducted for the subject of Accounts and Economics for non-commerce students through online mode.
6. Teachers have conducted subject related activities for their students in particular class.

The department gives special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thanks all the staff members for their co-operation and support.

**Dr. Vishal N. Thangan**
**Co-ordinator**

## Annual Report of BBA Department

It is a pleasure to present the annual report of BBA department for the year 2020-21.
The year that has gone by posed many challenges to all the stakeholders associated with teaching fraternity. In spite of continued lockdown, the department has strived hard to keep the students abreast with all the developments in the field of Commerce and Management through various online teaching and extracurricular activities.
The admission process was successfully carried out and all 120 seats were admitted for the academic session 2021-21
The main activities of the department are bifurcated into two types. Routine activities and special Activities.

**Routine Activities of BBA department**

Due to Covid-19 pandemic all the routine activities were conducted in an online mode through various platforms like Google meet, Google classroom, Google forms, Zoom app, E-mail, WhatsApp etc. The activities included conducting regular classes, assigning work on the topics in the form of Case Studies,PPTs, concepts' clarity sessions, difficulty solving sessions, Research Projects,unit tests, open discussion sessions, sessional exams and other revision modules.All these activities of the department have been carried out on regular basis.

**Special Activities of BBA Department**

BBA students strived on inculcating the oretical as well as managerial skills through the prescribed autonomy syllabus. The department endeavored in providing several opportunities in the form of webinars and guest lectures to sharpen these skills and bring out the best in the students.
"Deeksharambh" -a students' induction program was organized on 12th November 2020 through online platform (Zoom cloud meeting) for BBA I year students to introduce students to college and its activities.

**Participation of Students**

Many students of the department actively participated in essay competition on theme "Vigilant India – prosperous India" organized by Bank of Baroda as a part of vigilance Awareness week that was held from 27th October to 2nd November 2020.

**Achievement of Students**

A matter of honour to the college.

1. Ms.Ankita Ranapratap Rathod stood 1st in the order of merit with CGPA 9.49 in the recentlky announced RTMNu's BBA merit list.
2. Ms.Shweta Sanjay Chauhan stood 4th in the order of merit with CGPA 9.08.
3. BhagyshriPande of BBA-I sem won 2nd prize in a book review competition held at G S College, Nagpur on the occasion of Birth Anniversary of Dr. A.P.J. Abdul Kalam.
4. Mr. Aman Sanodiya (BBA First Year) won the first prize at the Vigilance Awareness Week essay competition held By Bank of Baroda, Regional Office, Dharampeth, Nagpur

5. Mr. AviskarKohadkar (BBA First Year) won the second prize at the Vigilance Awareness Week essay competition held By Bank of Baroda, Regional Office, Dharampeth, Nagpur

The department looks forward to an enriching and fulfilling 2021-22 academic session too.

Thank you!

**Dr. Ashwini Purohit**

**Co-ordinator, BBA Department**

## Report of B.Com. (Computer Application)/ IT

This year our students has remarkably done well in RTM Nagpur University BCCA final Year Examination Results with Seven Merits and captured first five positions in merit list.
This year, the department has organized various activities for the overall development of the students but unfortunately due to Covid-19 situation, we were unable to conduct the regular activities like Aarambh, Udaan (An Industrial Tour) Nostalgia (A farewell) etc.
We conducted online lectures, online seminars along with the regular online teaching programme. To improve the academic performance of students department conducted various online examinations for B.Com. (CA) –I, II and final year students.
The teachers of the department have contributed their efforts to execute the online classes of GS-SUN, Computer Awareness Programme, CPBFI, Computerized Accounting "Tally" Programme and Certificate Course in Basic Computer Skills.

**Prof Pravin Yadao**
Coordinator,
B.Com.(Computer Application) & IT

## Report of Vocational Department

This year due to Covid-19 situation we conducted online teaching from July 2020 on regular basis.
In the session 2019-2020, we have given 100% result in Banking, Financial Services & Insurance (English Medium), 95% in Marketing & Retail Management (Marathi Medium) and 97% result in Banking, Financial Services & Insurance (Hindi Medium). In 2020-2021, Department conducted on-line admissions as introduced by Government of Maharashtra.
The department conducted various online test examinations, online seminars, discussion sessions, online counseling, online guidance for coming board examinations etc.
Like every year, we conducted various activities for the students but due to Covid-19 situation, we have not conducted our regular workshop "Kaushalya, Industrial visits, guest lecturesetc
The department also conducted the Online Scholar Test Series program for the 12th standard students for betterment of results.

**Shilpa Yadao**
HOD,HSC Vocational Department

## Report of Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

It gives me immense pleasure to share this report of IQAC for the session 2020-21. Amidst COVID-19 pandemic when everything appeared to be standstill; we at G. S. College Nagpur completed our admission process through both online and offline mode. This year we have introduced our two new courses for UG-Commerce namely B. Com (Hons.) with 72 students & B. Com (Finance & Accountancy) with 83 students.

We have increased the duration of online lectures to one hour per subject per day for 6 days a week in order to prevent the students from any kind of academic loss due to closure of college adopted as a measure to contain the widespread of this COVID 19 pandemic.We have used virtual method for teaching, learning and examination/evaluation (both internal and external) for backlog students in University and regular students in Autonomy. We have convened three meetings of IQAC for planning quality initiatives, for taking review of AQAR preparation and for submission of data on the RUSA, Maharashtra portal.

We have conducted a webinar series in collaboration with Research Cell from the month of February to April 2021 to keep our students abreast with the latest in the field of commerce, management and economics. Each faculty member conducted the webinar and participants have been issued e-certificates. We have got participation not only from Nagpur but from all over India.The details are as follows:

| Sr. No | Name | Topic of Webinar | Date | No. of participants |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Dr. P. M. Paradkar | N-List and use of E-resources | 5/02/21 | 75 |
| 2. | Dr. R. J. Arora | A contemporary picture of India's fiscal policy instruments | 6/02/21 | 99 |
| 3. | Prof. A. J. Tiwari | Yogasana and Health | 10/02/21 | 164 |
| 4. | Dr. A. H. Sakalkale | Injuries and First Aid | 12/02/21 | 140 |
| 5. | Prof. K. Thote | Future of Banking in India | 13/02/21 | 75 |
| 6. | Dr. D. V. Chavan | Bhartiya sanskruti ani vartamaansamaj | 16/02/21 | 140 |
| 7. | Prof. M. V. Purohit | CA/CS as a lucrative career option | 17/02/21 | 177 |
| 8. | Prof. S LWachasundar | Mutual Fund and wealth creation | 18/02/21 | 210 |
| 9. | Dr. N. H. Kalyani | संवाद कौशल और रोजगार | 20/02/21 | 146 |
| 10. | Prof. S.Mridha | Share Capital and its accounting | 23/02/21 | 111 |
| 11. | Prof. P. Shukla | Adopting green marketing strategy & its relation to Production cost in industry | 25/02/21 | 140 |
| 12. | Dr. P. S. Murarkar | Role and importance of English language in the job market | 26/02/21 | 184 |
| 13. | Dr.A.B.Patle | पर्यावरण एवं सरंक्षण में युवाओं की भूमिका | 27/02/21 | 289 |
| 14. | Dr. A. Sheikh | Preparation of Project Report | 02/03/21 | 122 |
| 15. | Dr.Ms. P. R. Pandey | Covid 19 and its impact on Indian Economy" | 04/03/21 | 187 |
| 16. | Dr. R.H.Nagarkar | भारतीय जनसंख्या : एक विश्लेषण | 05/03/21 | 230 |
| 17. | Dr. A. A. Purohit | Contemporary soft skills to be developed by management students for a successful career pathway | 06/03/21 | 546 |
| 18 | Dr. V. D. Nagdive | Role of NABARD in rural development | 10/03/21 | 167 |
| 19 | Prof.S. S. Kathaley | Significance of BEC in today's competitive job market | 18/03/21 | 155 |
| 20 | Dr. N. Mundhada | How India is emerging after COVID 19 | 13/03/21 | 156 |
| 21. | Prof. P.S. Shrivastava | 'How to Score Better in Examination' | 15/03/21 | 456 |
| 22. | Dr. A. N. Akarte | Touching the pillars of self-mastery | 18/03/21 | 271 |
| 23 | Dr. S. D. Morey | How to prepare for NET/SET examination and its future avenues | 19/03/21 | 255 |
| 24 | Dr. Y. H. Kedar | 'Brand Building' | 20/03/21 | 143 |
| 25 | Dr. G. V. Naidu | Marketing strategies in new normal era | 26/03/21 | 551 |

We are thankful to Shri. Sanjay Bhargava, hon'ble Chairman, Shiksha Mandal Wardha and Dr. N. Y. Khandait, Principal of the college for their valuable guidance and support. We sincerely thank all the resource persons, team of moderators, Prof. Akash Jain, Dr. A. Sakalkale, Prof. S. Wachasunder and Prof. R Tiwari for extending help for solving technological glitches and e-certificate distribution. Heartfelt thanks to Dr. N. Z. Hirani, convenor, Research Cell and Prof. P. J. Yadao, coordinator, IT Department for successful execution of the webinar series. We extend our sincere thanks to all the members of IQAC and to all the team members who have been helping throughout the preparation and submission AQAR as DVV officers for seven criteria of NAAC.

**Dr. Ranjana Sahu**
**Co-ordinator, IQAC**

## Report of B.Com. (No-Grant)

This year due to Covid-19 situation, we conducted many online activities for the overall development of the commerce students. We conducted online lectures, online seminars along with the regular online teaching programme. To improve the academic performance of students department conducted various online examinations for B.Com. (NG) final year students.

We run the department with the help of ad-hoc and contributory teachers. The teachers use latest technology in teaching like PPT, Video Lectures etc. The teachers of the department have contributed their efforts in various committees of the college.

**Prof Pravin Yadao**
Coordinator,
B.Com.(No-Grant)

# Report of Career Guidance and Placement Cell
## 2020-2021

1. **Objectives of Placement Cell (On the backdrop of Covid Pandemic)** :
   a. To offer various placement opportunities to the students by inviting different placement companies of repute through Online Platform Mode.
   b. To impart guidance on overall grooming and various career options to students.
   c. To invite various Multi National, National and Local companies for recruitment.
   d. To organize In Campus and off Campus placement drive for students.
   e. To groom the students to face the interviews by organizing workshops and seminars on personality development.

2. **Details of Activities Conducted:**
   1. Online Registration of 580 students of final years for the placement through campus.
   2. Conducted class-wise counseling to final year students for campus placement Drives on Zoom Platform.
   3. The Placement Cell has helped the students in preparing the Resume by providing guidance on Resume Building.
   4. Organised a workshop on "Resume Writing & "How to Appear in Interview" by placement cell.

**3. Details of Employability Enhancement & Students Development Seminars :**

| Sr. No | Date | Module | Resource Person | Training Hours | No. of Students present |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 10.11. 2020 | Webinar on How to get success in Govt. Jobs. | Mr. Sukrut Bhushan SSB Academy | 2 Hr | 225 |
| 2 | 05.02.2021 | Career opportunities during Covid pandemic | Dr. Sonali Gadekar | 2 Hrs | 99 |
| 3 | 28.5.2021 | Webinar on Interview Techniques | Prof. Swati Kathaley | 2 Hrs | 200 |
| 4. | 08.02.2021 | Orientation Session for Employability Training | Mr. Saurabh Kerhalkar Global Talent Track Pune | 2 Hrs | 95 |

## 4. Details of Placement Drives & Digital Recruitment Drives :

| Sr. No | Date of Campus Drive | Name of the Company | Package (In lacs) | No. of Students Interviewed (Online Mode) | No. of Students Selected |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 03.03.2021 | Eximenia Organic Valley Pvt Ltd. | 3.5 | 64 | 7 |
| 2 | In Process | ICICI Prudential Life Insurance Co. Ltd. | 2.15-2.45 | - | - |
| 3 | In Process | Concentrix Pvt. Ltd. (By Digital Drive on Mobiles & Zoom App) | 1.80-3.30 | | |
| 4 | 4 and 5 April 2021 | Imperial Money Pvt. Ltd. | 1.80-2.30 | First Round Over | |
| **Total Students Selected in 2020 -2021** | | | | | **07** |

## 5. Plans for the session 2021-2022:

a. To Invite more number of Multinational, National and Local Companies.
b. To enhance the number of student's placement affected by Lockdown.
c. To organize the more no. of grooming & training session for the students.
d. To motivate students to improve their verbal communication skills.

## 6. Other Details :

| Sr.No | Details of Other Activities | No of Students | Status |
|---|---|---|---|
| 1. | 15 Days Online Training Program by Syntel | 61 | 26 April onwards |
| 2. | Registration for Campus Pool by Yes Nagpur and Fortune Foundation under Youth Empowerment Summit | 74 | 13.03.2021 Result Awaited |
| 3. | Registration for Career Katta under IAS Aaplya Bhetila Program | 80 | Result Awaited |

I express my sincere thanks and gratitude to Principal Dr. N. Y. Khandait for his support, guidance and motivation. I am grateful to the members of my Committee Prof. Aakash Jain, Prof. Madhuri Purohit and Prof. Preeti Rangari for extending their support and cooperation.

**Dr. Sonali Gadekar**
Convener

## Commerce Study Circle and Commerce Lab

**1. Details of the Activities Conducted:**

The Commerce Study Circle could not organize any event in physical classroom as students were not present in the college because of COVID-19 pandemic.
Various events were organized in an online mode through various platforms such as zoom meetings, google meet and Microsoft Teams etc.

The main aim of setting up the commerce lab is to facilitate students with an environment for making experiments on theories and economics laws. To create such environment, the lab has conducted following activities during the academic session 2020-2021 in an online mode:

1) **Union Finance Budget2021:** Students are advised to attend live session of Union Finance Budget 2021 and submit a report of their interpretations about the Finance Budget 2021.

2) **Orientation of Value Addition Courses:** Orientation program is organised for making students aware about various Value Addition Programs conducted by college in collaboration with various Institutions and Industries.

3) **Google Classroom:** As digital innovation initiative, Google Classroom platform has been used by teachers for sharing notes, assignments, tutorials, important links etc. of their respective subjects with the students. This has resulted in fast sharing of information with the students and students are also aware about such online platform.

4) **Value Addition Courses:** Students enrolled for various Value Addition Courses during the year are as follows:
   1) National Institute of Securities Markets (NISM) Certifications –Enrollments are under process
   2) National Stock Exchange – Enrollments are under process
   3) TCS-BPS (Finance & Accounts) – 113 students have appeared for Common Entrance Test out of them top 50 students are selected for the course. Enrollments are under process.

5) **Online Classroom Activities:** Online classroom activities such as quizzes related to subject, group discussions etc. are conducted for the students.

6) **Webinars organized by National Institutes:** Students from time to time are advised to attend webinars organized by National Institutions such as National Stock Exchange, National Institute of Securities Markets (NISM) and Association of International Wealth Management of India (AIWMI) on the various topics such as Mutual Funds, Corporate Governance, Stock Market etc.

7) **Arbitrageurs - The Investor's Club:**The investors club has organized a Webinar on "Investor Awareness Program" in order to introduce students to investments and operation of Stock Exchanges in collaboration with National Stock Exchange.
**Name of Resource Person:** Shri. Pratuysh Bhaskar

2. **Students Involved/Response:**

a. 113 students participated in Common Entrance Test for TCS-BPS (F&A) Course.
b. 2 faculties have registered for National Credit Research Challenge -2021 under professional category.
c. More than 100 students along with faculty members attended Orientation for Value Addition Programs.
d. Around 50 students have attended webinars organized by NSE and NISM.
e. Around 100 students participated in Investors Awareness Programme.

**Prof. A. S. Jain**
**Convener**

## STUDENT INDUCTION PROGRAMME

**Details of the Activities Conducted:**

The committee had organized Student Induction Programme – Deeksharambh for the session 2020-2021 on 11th and 12th November 2020for the students of UG Courses (B.Com., BBA, BCCA) and on 24th April 2021 for the students of PG Course (M.Com.) through video conferencing using Zoom Meetings and Google Meet platforms.

All the First-Year students, of all the undergraduate courses participated in the Program. Convener Prof. Akash S. Jain introduced the program and its purpose.

During the programme, co-ordinators of various under-graduate programs Dr. Ranjana T. Sahu (Coordinator of B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accounts), Dr. Vishal Thangan (Coordinator B.Com.), Prof. Pravin J. Yadao [Coordinator of B.Com. (Computer Application)], Dr. Ashwini Purohit (Coordinator of BBA) interacted with students. They welcomed students and explained how students can improve themselves in various aspects by utilizing education and infrastructural facilities in the Institution.

Principal, Dr. N. Y. Khandait interacted with students. He explained the word "Deeksha" in real sense and encouraged students to work hard to excel in their respective careers. He also discussed the vision and mission of the college and management.

Prof. Akash S. Jain elaborated the vision of Shiksha Mandal, Wardha, which is imparting education since 1914 in the fields of Science, Commerce, Agriculture, Engineering etc. He also described the profile of G. S. College of Commerce and Economics, Nagpur, which is a pioneer commerce college in Nagpur since 1945. He explained in detail about academic regulations, credit points, separate setup under autonomous curriculum, value addition programs conducted by college in coordination with reputed external organisations like Bajaj Finserv, the Institute of Cost Accountants of India, National Stock Exchange (NSE's Certifications in Financial Markets), National Institute of Securities Markets (NISM Modular Courses), Tata Consultancy Services, Tally Education, Cambridge University etc. Prof. Akash S. Jain also addressed queries from the students.

**Students Involved/Response:**

Over 600 students of first semesters of all UG and PG Programs participated in the SIP with lot of enthusiasm.

**Prof. A. S. Jain**
**Convener, Student Induction Programme**

## A Report of Business English Certificate Exams-2020-2021

It gives me pleasure to present a brief report of the Business English Certificate Exams (BEC) designed by the Cambridge English Language Assessment Exams. These exams are international exams, designed by the prestigious Cambridge English International to assess the skills of students in English. Our college is a center and provides guidance for two levels of these exams, Business English Certificate- Preliminary and Business English Certificate- Vantage levels.

In the session 2020-2021, due to the impact of COVID-19 pandemic and subsequent lockdowns, there were no enrollment for the exams. However, to counsel the students of our college and also from other different colleges about BEC exams, an exhaustive webinar on the topic 'Significance of BEC in Today's Competitive Job Market' was conducted on 18 March, 2021. The resource person was Prof S.S.Kathaley, Convenor of BEC program. In her detailed Power point presentation, she provided information about Structure and format of BEC exams, marks allocation, syllabi, testing mode, fees and guidance for these exams provided by the college. The session was followed by an interactive session. Around 150 students participated in the webinar.

The smooth conduct of the BEC program over the years was possible due to the support and motivation provided by our college's management and Principal Dr.N.Y.Khandait. I express my sincere gratitude to them. I express my sincere thanks to my colleague Dr. A. S. Sakalkale for providing the technical support in the conduct of this webinar, and Dr.A.A.Purohit, Dr. Geeta Naidu, Dr. Kirti Saxena and Prof. SonalBisen for their valuable support to conduct this course successfully in the past .

**Prof. S. S. Kathaley**
**Convenor**

## A Report of Entrepreneurship Development Cell – 2020-2021

It gives me immense pleasure to present the report of the Entrepreneurship Development Cell for the academic session 2020-2021. This is the second year of this cell. The committee consists of the following members:

| | |
|---|---|
| 1. Dr. M. R. Pandey | Convenor |
| 2. Dr. Vishal Thangan | Member |
| 3. Dr. Yashodeep Kedar | Member |
| 4. Dr. Geeta Naidu | Member |
| 5. Dr. Aniruddh Akarte | Member |

Various online programmes were held by the committee during the academic year 2020-2021 for the students of B.Com. (Grant and No-Grant), B.B.A., B.C.C.A., M.B.A. and M.Com.

**The following activities were undertaken:**

1. Registered all the interested students of final year.
2. Organized a guest lecture on entrepreneurship for interested students.
3. Online Information provided to students regarding District Skill Development, Employability and Entrepreneurship Guidance Center, which is run by the Government of Maharashtra.
4. The cell had organized an interaction on "Entrepreneurial Opportunities available to the Commerce Students" for this the cell invited Dr. Mahesh Chopde (MGNCRE) an online workshop for promoting and motivating students to prepare business plans.
5. The cell provided the guidance and information regarding the entrepreneurship opportunities many online webinars were shared with the students which were conducted by MCED.

Due to Pandemic Covid 19 and lockdown this year the students didn't get the opportunity to start new business.

Many students have done courses for particular types of business which were organized by the MCED this year.

The cell gives special thanks to its Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and support and also thank all the staff members and co-coordinators for their kind cooperation.

**Dr. M. R. Pandey**
**Convener**

# REPORT of CERTIFICATE IN ACCOUNTING TECHNICIANS COURSE (CAT) / CA-FOUNDATION for 2020– 2021

Till date, twelve (12)ex-students have cleared both the levels of the exam and are now qualified 'Certified Accounting Technicians'. Out of these 4 students have received the completion certificates while certificates of 8 students are awaited. Most of these students are in employment & well placed in their career.

Out of the 14 students who registered in the second batch, 11 appeared for the online Level 1 examination (proctored) in June 2020. I am pleased to inform that all of them cleared the examination. Their result was declared on 20th Sept., 2020. The teachers conducted online classes for this batch during the lockdown period and some students also attended the E-learning classes conducted by ICMAI.

Online Orientation programme was conducted for all the first year classes to introduce them to the value added courses available in the college.

In this session, a student from Akola registered at our ROCC and five of our college students have also registered online for CAT.

Approximately 20 to 30 UG/PG students appeared for National Accounting Talent Search (NATS) 2020–2021 Exam organized by Indian Accounting Association on 7th Feb., 2021.

Approximately 20 to 30 UG students registered for All India Online Current Affairs & GK Quiz conducted by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI), out of which only a few could qualify for the final round conducted online in December 2020.

A student, Miss. Annapurna Shrivastv(B.Com Sem.V E1),successfully completed 11 days "International & Interdisciplinary Online Student Training & Empowerment Programme (STEP) During Covid-19 Crisis" organized by Wilson College in June 2020 and secured 'A' Grade.

A student, Miss Dinky Sahu (B.Com Sem.I E2), secured second rank in RBI 4th Challenge on the topic "Top Commercial Bank in India & NBFC in India", organized by RBI, Surat. The student prepared model and sent her entry online. This event took place in Jan. & Feb. 2021.

I thank and congratulate all the faculty members who have contributed in the smooth conduct and successful completion of the course.

I also thank Principal Dr. N. Y. Khandait & IQAC Co-ordinator Dr. R. T. Sahu for their constant guidance & support, Librarian & the Non-teaching staff for providing books & e-resource facilities to the students.

**Prof. Pallavi Shrivastava**
**Course Co-ordinator**

## REPORT OF COMPETITIVE EXAMINATION CELL 2020-21

The college has constituted a Competitive Examination Cell as per the guidelines received from time to time. The cell is dedicated for conducting various activities for grooming students for various CompetitiveExaminations Viz. MPSC, UPSC Staff Selection Commission, Banking, Insurance, Railways etc. Accordingly, the cell conducted special classes for students interested in preparations for above mentioned exams. During this session total 38 students enrolled for this course. The online lectures, practice sessions, tests were conducted by Prof. S. Wachasunder, Dr. A. Sheikh, Prof. M. Dhande and Prof. Oke. The preparatory classes were conducted on Quantitative Aptitude, Reasoning, General Studies and English. The guidance was provided byenriching their knowledge, making them aware of various advertisements related to exams, online- study material resources, e-resources, important websites and their useful links, apps etc.

The committee extends sincere thanks to Principal Dr. N.Y. Khandait for his guidance, support and encouragement to the various activities of the cell.

**Dr. P.M. Paradkar**
**Convenor**

## REPORT OF LEARNING RESOURCE CENTRE

**"There is no friend as loyal as a book." - Ernest Hemingway**

**ANNUAL REPORT 2020-21**

It gives us immense pleasure to present the report of the library committee for the academic session 2020-21. The Library committee consists of the following members.

| | |
|---|---|
| Prof. P.M.Paradkar | Convener |
| Prof.Mrs.S.S.Kathaley | Member |
| Dr. Mrs. D.V.Chavan | Member |
| Dr. Mrs. S.D. Morey | Member |
| Prof. V.N. Thangan | Member |
| Dr. N.Z. Hirani | Member |
| Dr. Mrs. N. Kalyani | Member |
| Prof. Pravin Yadao | Member |
| Dr. Mrs. A.A. Purohit | Member |

**The salient features of the report are as under:**

During the session, total two meetings were held for different purposes. The committee took many important decisions regarding the purchase of books, magazines, allocation of funds to the various heads, library extension activities/facilities etc. The library provided various services to its users throughout the year by following the COVID 19 safety norms. The library purchased total 12 steel racks to accommodate new collection under RUSA grants. The library organized on-line orientation progrmame for the first year students. A Webinar on 'N-LIST and Use of Online resources was organized in collaboration with Internal Quality Assurance Cell of the college.

We extend sincere thanks to the Principal Dr. N.Y.Khandait for his guidance and constant support in the various activities of the library.

We thank all the members of the library committee and entire library staff who actively participated in different activities of library. Special thanks to NCC/NSS volunteers, Shabd members for their active participation in library activities.

**Dr.P.M.Paradkar**
Librarian

**The first step in the acquisition of wisdom is silence, the second listening, the third memory, the fourth practice, the fifth teaching others. by Solomon Ibn Gabriol**

# CERTIFICATE PROGRAMME IN BANKING, FINANCE AND INSURANCE

**INTRODUCTION:**

- Certificate Programme in Banking, Finance & Insurance (CPBFI), a value-added course was conducted by GS College in collaboration with Bajaj Finserv Ltd.
- In order to equip our Graduate and Post Graduate students in the Post Covid World with opportunities to seek employment, CPBFI this year, launched "CPBFI 2.0 Online" batch. This included Third Year Graduate pass outs, current Third Year and both First- & Second-Year students of Post Graduate courses.
- This course aims at enhancing the employability of commerce and management students by providing intensive training in the areas of Banking, Insurance, Finance and Communication Skills.
- The program has a mix of communication skill training, industry knowledge and working and interview experience workshop. It was held online, and industry professionals – from banks and insurance companies conducted the classes.
- This year: 2 batches were run simultaneously comprising students, in total.
- Course commenced from: 3rd Nov 2020 for both the batches simultaneously.
- Courses (Subjects): Banking Operations, Insurance, Finance and Communication Skills.
- Pre CPBFI-Interviews were held on 29th Oct and Pre CPBFI-quiz- 30th Oct to assess students' knowledge on these subjects.

- **HR Workshop by Bajaj Finserv Ltd.:**

A special HR Workshop was conducted by Bajaj Finserv on 15th January 2021. A team of actual recruiters from Bajaj Allianz Life Insurance Company Ltd.and Bajaj Allianz General Insurance Company Ltd. conducted extensive and detailed mock-interviews of the CPBFI students in an online mode and provided feedback and guidance to them on their performance.

- **Post CPBFI Final Assessment Exams:**

Students appeared for Post CPBFI Assessment exams in an online mode on 18th January2021. The criteria for receiving the certificate is 65% minimum average attendance and 50% scores in assessment exams.

Out of 105 students that appeared, 88 students have successfully completed the course. The certificates have arrived and soon will be awarded to them.

**Dr.Ashwini Purohit**
**CPBFI Co-ordinator**

## Report of NET/SET Guidance Cell 2020-21

It gives me an immense pleasure to present the report of NET/SET Guidance Cell. A need was felt to provide guidance to our students for NET/SET course as a part of value addition programme. So, our college took the initiative to launch NET/SET guidance programme from the Academic year 2012- 2013.It aims to inculcate among the students the skills and appropriate attitude/approach needed to clear the examination. The programme provides guidance for Paper I (general paper), Paper II (Related to commerce) through the team of in-house faculties having expertise in their respective subjects. Course duration is of five to six months. In the current academic year i.e. 2020-21 the programme has not yet started in view of late admissions due to the pandemic.

**Achievements:**

**Following students have cleared NET/SET Examinations in the last academic year:**

1) Arti Sawarmal Verma qualified UGC NET exam for eligibility for Assistant Professor held on 17th October 2020(June cycle) in the subject of Commerce and also received NFSC Scholarship. She also qualified SET exam for eligibility for Assistant Professor held on 27th December 2020 in the subject of Commerce.
2) Jayant Kumar Vijay Rane qualified SET examination for eligibility for Assistant Professor held on 27th December 2020
3) Poonam Waghela qualified UGC NET exam for eligibility for Assistant Professor held on 17th October 2020(June cycle) in the subject of Commerce and also received NFSC Scholarship.

I extend my sincere thanks to our Principal Dr. N. Y. Khandait for his support, motivation and encouragement. My thanks to all faculties for conducting the classes regularly and smoothly.

**Dr. Shubhangi Morey**
**Co-ordinator**

## REPORT of G. S. FILM SOCIETY for 2020-2021

In view of the pandemic, lockdown situation & absence of students in the college campus, this session there were no registration of members for the campus film society. However, our enthusiastic students did not refrain from participation in various online activities.

In collaboration with NSS Department of the college, the students undertook the responsibility of creating Covid awareness in the society by preparing short videos, posters, etc. They emphasized the importance of wearing mask, frequent sanitization, staying at home, not spitting in public places & maintaining physical distance. Many students were appreciated & awarded for their social work.

A group of 5 students participated in National Level Competition organized on 'COVID-19 Awareness' and presented a video on social message in June 2020. They received certificate of appreciation.

Some of our students sent entries for various other competitions as well.

An orientation programmewas conducted for all first year classes under the aegis of EBSB club. Dr. P. M. Paradkar& Dr. D. V. Chavhan addressed the students.

I thank our Principal Dr. N. Y. Khandait, IQAC Co-ordinator Dr. R. T. Sahu for their guidance, all the teaching & non-teaching stafffor their timely support and the students for their enthusiastic participation in the activities.

**Prof. Pallavi Shrivastava**
**Prof.- in- charge**

# PHYSICAL EDUCATION DEPARTMENT

## ANNUAL REPORT

As the college was not physically open for students due to COVID-19 pandemic, no sports competitions were held during this year. But the department conducted some online activities for the players mentioned as under:

❖ **DEPARTMENT ACTIVITIES:**

➢ **INTERNATIONAL YOGA DAY**: The Sixth International Yoga Day was observed on 21st June 2020 on online mode through Zoom Meeting due to COVID-19 pandemic. On this occasion, Mr. Ravi Ramteke, (Qualified UGC NET in Yog) was invited to deliver an online lecture on "Yog during COVID-19 pandemic".

Mr. Ravi Ramteke from his home, began his lecture with mild warm up exercises which were followed by all the staff members and students through online mode. He explained and performed various Asanas. He also elaborated various pranayamas that would be beneficial during COVID-19 pandemic. All the staff members and students followed his instructions keenly and performed various asanas and pranayamas staying connected though online Zoom Meeting.

Principal Dr. N.Y. Khandait appreciated the efforts of one and all for the active online participation and successful conduct of the programme. IQAC co-ordinator Mr. P.J.Yadao, N.S.S. incharge Dr. A.B.Patle, encouraged the students by their online participation & presence. Sports Director Prof. Ashutosh Tiwari compered the programme while Dr. A.H.Sakalkale proposed vote of thanks. About 100 teaching and non-teaching staff members, players and N.S.S., N.C.C. students of the college performed online Yogic Asanas to make the programme a grand success.

➢ **NATIONAL SPORTS DAY**: Department of Physical Education of G. S. College of Commerce & Economics, Nagpur celebrated **NATIONAL SPORTS DAY** on 29th August 2020. Due to COVID-19 pandemic, "Virtual Online Sports Quiz" was conducted for the students. Sports quiz was based on areas like Archery, Ball Badminton, Cricket, Volleyball, Yogasana and General Sports Quiz. Players and NCC cadets joined the quiz through "Zoom Meeting" and played the quiz through "Mentimeter Application". Default (In-built) Points system of Mentimeter application was taken to calculate the points of quiz winners. In this default points system, the players who registered their answers in fastest got maximum points. Total 67 students took part and participated

in the quiz through online mode.

**The winners were:**

1. Archery: Tina Menghar of M.Com.II-E won the quiz with 7511 points.
2. Ball Badminton: Gulshan Ambolikar of B.Com.I-E1 won the quiz with 8119 points.
3. Cricket: Sagar Raut of B.Com.III-E1 won the quiz with 4763 points.
4. Volleyball: Ram Zade of B.Com.I-E1 won the quiz with 4606 points.
5. Yogasana: Sunil Sonawane of M.Com.II-E won the quiz with 7651 points.
6. General Sports Quiz: Prince Kumar of M.Com.II-E1 won the quiz with 7081 points.
7. Sports Quiz Overall winner: Prince Kumar of M.Com.II-E1 was declared the Overall winner with 14547 points. These points were the total of first three winners in all 6 quizzes.

Before the start of the quiz, Sports committee members offered garland and paid tribute to Major Dhyanchand. The quiz timings were from 07.45 a.m. to 09.30 a.m. Sports committee member Prof. A.S. Jain handled the technical part and Dr. A. H. Sakalkale, Prof. A.J.Tiwari, Directors, Department of physical education conducted the quiz through Zoom Meeting and Mentimeter app.

Principal Dr. N.Y. Khandait appreciated this unique effort of Online Live Quiz Competition and congratulated the winners and directors for successful conduct of the programme.

The department was not able to conduct other activities like Interclass, Physical Test and Medical examination for students due to non-opening of physical college for students.

I take this opportunity to thank Hon'ble Chairman Shiksha Mandal, Shri Sanjay Bhargava and Principal Dr. N. Y. Khandait for their valuable guidance and support. I also extend my gratitude towards all active Sports Committee members. Sincere thanks to all the departmental heads for their consideration, co-operation and help.

**Dr. A. H. Sakalkale**
**Director**

# Report on English Language Lab
## Session 2020-2021

- The English language lab was set up with the assistance from the University Grants Commission for enriching the language skills of our students.
- The lab was operational from the academic session 2015-2016 on a trial basis and is at present successfully catering to the needs of the learners. The curriculum aspects are dealt in the classroom teaching and co-curricular aspects like improving the listening and speaking skills are dealt in the lab.
- In the current academic session due to the pandemic, the entry of students in the college campus is restricted as per the government norms. Hence no visits of the students in the language lab.
- In spite of online classes, students were introduced to the best facilities provided by the educational institution and through virtual classes were given glimpses of the lab and introduced to lab activities
- The lab is well equipped with computers, headphones and latest software
- In spite of pandemic restrictions the lab was of immense help for the smooth conduct of webinars held from February 2021 and resource persons and moderators utilized the resources

Thank You

**Dr. Priya S. Murarkar**
**Department of English**

## Report on English Proficiency Course

## Session 2020-2021

The English Proficiency Course was started in the session 2006-2007 and the syllabus is drafted by the in-house members of the department with the following objectives:

1. To improve the listening, speaking, reading, writing skills of the students
2. As a supplement to the existing subject knowledge and develop interest not as a subject but as a language
3. To focus on the speaking and listening skills

The six months certificate course is in collaboration with the RTM Nagpur University's Jeewan Shikshan Abhiyan.

Regular classes are held from July to February and at the end of the session written and viva voce examination is conducted and certificates are awarded to students.

The English Language Lab is of immense help for improving the speaking skills of the students.

The current session is still reeling under the pandemic due to which students are restricted in the campus and as such with online classes the course could not be held because to develop the skills of the learners the teacher and the taught need to be face to face. In spite of the obstacles, students were introduced to the English Proficiency Course during the regular online lectures.

Thank You

**Dr. Priya S. Murarkar**
**Course Co ordinator**
**Department of English**

# A Report of Innovation, Ecosystem, Innovative T/L Classroom Seminar etc Cell Session 2020-21

It gives me an immense pleasure to present the report of the Innovation, Ecosystem, Innovative T/L, Classroom Seminar etc. cell for the academic session 2020-21.

The committee consist of the following members:-

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Dr.Veena P. Chavhan | Convenor |
| 2. | Dr. R.J. Arora | Member |
| 3. | Dr. A.A. Purohit | Member |
| 4. | Dr. M.R. Pandey | Member |
| 5. | Dr. N.Z. Hirani | Member |
| 6. | Dr. A. Akarte | Member |

**Teaching Learning Activities:**

1. Our teachers prepared video lectures and conducted online sessions for ease of learning during pandemic and also provided notes.
2. Our teachers conducted two unit tests, two assignments and prelims through Google classroom, Google meet, Zoom etc.
3. Enabling ICT in education and making use of technology in education creates an ease to manage learning environment where the delivery of information is much smoother and learning becomes easier. Keeping this in mind our faculties adopt various innovative T/L methods like Blended learning, Flipped classroom, ICT based teaching/learning, E-learning, M-learning etc.
4. Our faculties resort to various innovative teaching learning methods like Role play, games (Crossword, puzzler, and online quiz), movie screening, group discussion, PPT presentation, case study discussion, student's class room seminar etc.
5. Students are encouraged to make PPT's, use of e-resources, submit assignments using internet etc. Based on this our students have participated in various competitions at state and national level and won prizes.

ICT is definitely the path to take for higher education institutions like us, in a country like India where our growth is directly aligned with technology. Assuring good quality higher education for our students is what we always strive for.

We extend sincere thanks to Principal Dr. N.Y. Khandait for his guidance and support. I also thank all the members of the cell.

**Dr. Veena P. Chavhan**
**Convenor**

## A report of Women Entrepreneurship Cell- 2020-21

It gives me an immense pleasure to present the report of the Women Entrepreneurship Cell. With the objective of inculcating Entrepreneurship skill in girl students and to develop self- employment skills and through them employment opportunities for others we established Women Entrepreneurship Cell in the session 2020-21. The committee consists of the following members.

1. Dr.Veena P. ChavhanConvenor
2. Dr. R.J. Arora Member
3. Dr. P.S. Murarkar Member
4. Dr.ArchanaDadhe Member

The following activities undertaken:-

1. Registered all the girl students of B.Com. (Grant and No-Grant), BBA, BCCA, MBA, and M.Com.
2. Information provided to the students regarding skill development, business ideas and entrepreneurship opportunities.
3. The cell provided guidance and inspiration to the girl students to start their own business.

We extend sincere thanks to the Principal Dr. N.Y. Khandait for his guidance and support. I thank to all the members of the cell and girl students of various departments.

Dr.Veena P. Chavhan
**Convenor**

## Report of Research Cell/ Faculty Empowerment Cell

Faculty Empowerment Cell conducted a National Webinar on 'Coping with Changed Academic Environment: Post COVID 19' on 26th May 2020. Ms. Rowena Phillips, Consulting Psychologist, Certified Meta MasterPractitioner and Leadership Coach in Neuro Semantics NLP was the resource person. 142 academicians from across the nation took benefit of the webinar.

To celebrate the platinum jubilee year of our college, Research Cell in collaboration with IQAC organised a webinar series from 5th Feburary to 15th April 2021. Faculty members spoke on a variety of topics ranging from commerce to computers to self-mastery. The webinars received an overwhelming response. More than 2000 students from all over the country actively participated therein.

I express sincere gratitude to Principal sir and all members and moderators for their support and cooperation.

**Dr. Nusrat Z. Hirani**
**Convenor**

## A Report Internal Complaints Committee (ICC) For Sexual Harassment of Girls/ Female Staff at Work Place/ Girls' Counselling Committee- 2020-2021

It gives me pleasure to present a brief report of the committee. Due to the impact of COVID-19 Pandemic and subsequent strict lockdowns, no on campus activities were conducted. However, on the occasion of International Women's Day, a webinar was conducted for the female staff of our college on the topic 'General Health Issues of Working Women' on 8 March 2021. The resource person for this webinar was Dr. Kshama Kedar, Associate Professor and Head, Dept of Gynecology, IGMC & Hospital, Nagpur. In her lucid lecture, conducted through Zoom platform, she dwelt on a number of issues confronting working women. She cited improper diet due to hectic schedules, lack of exercise and stress as the major risk factors for ill health in women. She advised all the women participants to eat balanced and nutritious food, take out time for exercise, indulge in some hobby or stress relieving activity and a thorough medical check-up every year. The webinar was enthusiastically attended by around 50 women faculty and office staff. The webinar was followed by a quick interactive session. The vote of thanks was proposed by Dr. Deoyani Chavan.

The committee is thankful to Dr. Kshama Kedar for accepting the invitation for the webinar on a short notice and also for her informative lecture. It also expresses its gratitude to Principal Dr. N. Y. Khandait for his support and motivation. Sincere thanks to the committee members and the women staff of our college for their enthusiastic participation.

**Prof S.S.Kathaley**
**Convenor**

## Annual Report of Junior College

The Covid-19 had resulted in schools and colleges shut all across the world. Globally over 1.2 billion students were out of the classroom. As a result, education too changed dramatically with the distinctive rise of e-learning, whereby teaching was and is undertaken remotely on digital platforms.

We too at Junior college started the process since June 2020 by creating WhatsApp groups of students and pouring in of study material. We held out hope of resuming at least some on-campus classes and operations but considering a variety of challenges and subsequent coronavirus outbreaks regular Zoom classes of 12th standard took off from 15th July 2020. Students too responded with such zeal and energy that today they surge to go ahead for their Board exams in the coming month with completion of entire syllabus and revision too!

Online admissions of 11th standard too prolonged till the month of November owing to the pandemic. Subsequently online teaching for them started since 15th Dec. 2020. In the month of January seeing a ray of hope with the number of cases going down we took up the dual task of offline as well as online classes with consent letters of parents. But eventually we again had to shift to only online teaching by February end.

Even during this difficult time the zest of students and faculty did not go down with numerous online programs like-

1. C.A. Foundation classes and 83% result in C.A. Foundation November 2020 exams.
2. 27 students of 12th registered for International Economics Olympiad.
3. Two students of class 12th participated in National Elocution competition organized by Gandhi Research Foundation – 'What would Gandhi do today?'
4. 11 students of class 12th participated in Book Review competition on 'Vaachan Prerna Diwas' i.e. 15th October 2020 on birth anniversary of Dr. A.P.J. Abdul Kalam.
5. 79 students registered for ICSI's online Quiz at National level out of which 11 students reached the finals.
6. On 9th February 2021 two students – one of 12th and another of 11th participated in 'Panache' a debate competition organized by Somalwar High School.
7. Foreign Language Olympiad Association will be conducting National level exam in the month of May 2021 for which our 3 students of class 11th have registered.

So the torch of knowledge and education is on in Junior college to march ahead towards excellence.

**Dr.B.K.Gattuwar**
Vice Principal

## EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT CLUB REPORT 2020-2021

Our college has formed the Ek Bharat ShreshthaBharat(EBSB) Club as per the guidelines of RUSA. The EBSB club has conducted various activities for the benefit of its members.

The composition of EBSB club is as under:

Dr. D.V. Chavan - Convener

Dr. A.J.Tekwani - Member

Prof. P.S. Shrivastava - Member

Prof. A.S.Jain - Member

Dr. P.M. Paradkar - Nodal Officer

The broad objectives of the various initiatives of the EBSB Club are as follows

i. **To CELEBRATE** the Unity in Diversity of our Nation and to maintain and strengthen the fabric of traditionally existing emotional bonds between the people of our Country;

ii. **To PROMOTE** the spirit of national integration through a deep and structured engagement between all Indian States and Union Territories through a year-long planned engagement between States;

iii. **To SHOWCASE** the rich heritage and culture, customs and traditions of either State for enabling people to understand and appreciate the diversity that is India, thus fostering a sense of common identity

iv. **TO ESTABLISH** long-term engagements and,

v. **TO CREATE** an environment which promotes learning between States by sharing best practices and experiences.

- To celebrate the idea of India as a nation wherein different cultural units across varied geographies coalesce and interact with each other, this glorious manifestation of diverse cuisine, music, dance, theatre, movies & films, handicrafts, sports, literature, festivals, painting, sculpture etc. will enable people to imbibe the innate chord of binding and brotherhood.
- To make our people aware about the seamless integral hull of the Modern Indian State spread across a vast landmass on whose firm foundations, the geo-political strength of the country is ensured to benefit one and all.
- To impress upon people at large about the increasing inter-connectedness between the constituents of various cultures and traditions, this is so vital for the spirit of

nation building.

- To induce a sense of responsibility & ownership for the nation as a whole through these close cross-cultural interactions as it intends to build up the inter-dependence matrix unequivocally.

The club is responsible for promoting engagements between States & Union Territories through pairing institutions as suggested by RUSA. This year our college was paired with Odisha State. The club has organized interactions in exchange pattern in areas of language, culture, literature & music, tourism & cuisine, adventure visits & trekking, sharing of best practices etc. The club has organized every month minimum one activity in the form of Screening of popular films in Oriya and Marathi Language, Documentary films, Quizzes, Book translation, reviews etc. This year EBSB club registered around 150 students through on-line forms. The EBSB club showcased its activities through on-line platforms. In view of COVID 19 situation various activities/events conducted through sharing videos, clips, links etc. on online-group. The students are also motivated to participate in various activities and quizzes organized by Govt. of India on http://quiz.mygov.in. The following activities were carried out by the EBSB Club during the session 2020-21.

| SR. NO. | DATE | ACTIVITY DETAILS | NO OF STUDENTS PARTICIPATED | NO. OF FACULTY PARTICIPATED |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 31/7/2020 | Inauguration of EBSB club with briefing session with new members | 75 | 5 faculty members |
| 2 | 30/1/2021 | Interactive session on various topics about Odisha State by Dr. P.M.Paradkar , Dr. D.V.Chavan and Prof. P.S. Shrivastava | 45 | 5 faculty members |
| 3 | 1/2/2021 | Discussion on Odisha History, Culture, Food, Costumes, Festivals etc. | 50 | 4 faculty members |
| 4 | 1/4/2021 | Odisha Day Celebrated. Ms. ChinmayeDongare presented a song on the occasion. Dr. D.V. Chavan, Prof. Akash Jain and Dr. P.M.Paradkar interacted with the students with various activities of club and also shown the clippings of various activities conducted by the club during last year. | 25 students | 5 faculty members participated. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5 | 22/4/2021 | EBSB day celebrated by various activities conducted by club members | 58 | 5 faculty members |
| 6 | 1/5/2021 | Maharashtra day celebrated by special performance given by club members | 90 | 8 faculty members |

The EBSB Club is thankful to Principal Dr. N.Y. Khandait for his support and guidance timely to the various activities. A special note of thanks to all club members, teaching and non-teaching staff for their help and active participation in all activities.

**Dr. Mrs. D. V. Chavan**
Co-ordinator EBSB Club

**Dr. P. M. Paradkar**
Nodal Officer, EBSB

## Report of Covid Vaccination Programme

Our college had organized a Vaccination Programme in collaboration with Orange City Hospital and Research Institute, Nagpur. Parent organization of college Shiksha Mandal, Wardha, generously provided 4500 Covishield vaccines doses for free vaccination programme for students, staff of college and their family members, The eligible students who attended the age of 18+ were vaccinated and given first jab of Covishield vaccine during 10 days camp held during 10th-19th June 2021 with COVID-19 protocol. The free medication and necessary guidance was also provided at Vaccination Centre. The vaccination programme was inaugurated by Shri. Sanjay Bhargava, Chairman, Shiksha Mandal, Wardha, Principal Dr. N. Y. Khandait, Shri. Udaybhaskar Nair, Chairman, RNHPL, Dr. Usha Nair and Dr. Vidya Nair, Direcotros, RNHPL, Dr. Anup. Marar, Director, OCHRI . Dr. Noorul Ameen and Shri. Prashant Tichkule along with team of medical staff at OCHRI successfully conducted the vaccination drive. The Course Co-ordinators, teaching staff members conducted On-line awareness and sensitization programmes for students. Shri. Pankaj Borkar, Shri. Shivcharan Satpute, Shri. Sunil Thaokar, Shri. Nagsen Kamble, Prof. B. S. Pandey and Prof. N. K. Kapgate provided necessary liaison support in organizing camp.Around1050 students and 60 faculty members participated in vaccination drive. Principal Dr. N. Y. Khandait appealed to the student to participate in the vaccination drive to fight against the Covid 19 pandemic.

**Dr. P. M. Paradkar**
**Covid 19, Vigilance Officer**

# राष्ट्रीय सेवा योजना पथक कार्यक्रम अहवाल 2020-2021

| दिनांक | रासेयो कार्यक्रमांची संक्षिप्त माहिती | सहभागी स्वयंसेवक |
|---|---|---|
| १/५/२०२० ते ३१ मार्च २०२१ | कोवीड–१९ या महामारीच्या प्रसंगी आमच्या रासेयो स्वयंसेवकाव्दारे समाजासाठी व देशहितासाठी केलेल्या कार्यक्रमांचा संक्षिप्त अहवाल – | |
| १ | पोस्टर–बॅनर तयार करून सोशल मिडीयाच्या माध्यमाने जनजागृती करण्यामध्ये रासेयो स्वयंसेवकाचा सहभाग (५०० पोस्टर–बॅनर) | २०० |
| २ | कोवीड–१९ संबंधीच्या व्हिडीओ तयार करून जनजागृती केली. (१०० व्हिडीओ) | २० |
| ३ | फेस मास्क स्वत: तयार करून तसेच बाजारातून खरेदी करून गरजू लोकांमध्ये वितरण केले. (३००० फेसमास्क) | २५० |
| ४ | सॅनीटायझर स्वत: खरेदी करून तसेच सामाजिक संस्थांना सहभाग देवून वितरण कार्यक्रमात सहभाग (५०० लोकांना मदत) | २० |
| ५ | औषध वाटप व धान्य वाटप कार्यक्रमात रासेयो स्वयंसेवकाचा सहभाग (५०० लोकांना मदत) | ०७ |
| ६ | RTMNU च्या NSS विभागाद्वारे व अन्य सामाजिक संस्थाव्दारे आयोजित Community Kitchen मध्ये शिजलेल्या अन्नाचे पॅकेट तयार करणे व अन्नवाटप कार्यात मदत (२ महिने सेवा दिली) | ०४ |
| ७ | Arogya Setu App स्वत: Download करणे आणि इतर मित्रमंडळी, संबंधीतांना Arogya Setu App Download करण्यास मदत करणे. अंदाजे ६००० Arogya Setu App Download | २५० |
| १/५/२०२० ते ३१/१२/२०२० | संम्बध फॉउडेशन दिल्ली व्दारे आयोजित Spit Free India Movement कार्यक्रमामध्ये सहभाग (१५०६ नोंदणी आणि २० व्हिडीओ तयार करून जनजागृती) | २५० |
| २१/६/२०२० | महाविद्यालयाव्दारे व विद्यापीठाव्दारे आयोजित Online योगदिवस कार्यक्रमामध्ये सहभाग | ९० |
| १/७/२०२० | NSS Unit व्दारे आयोजित Online पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमामध्ये सहभाग | ७५ |
| २६/७/२०२० | NSS Unit व्दारे आयोजित Online कारगिल विजय दिवस वर कार्यक्रम | १०० |
| १/८/२०२० ते १५/८/२०२० | Tree Plantation आणि स्वच्छ भारत पखवाडा (स्वत: चे परिसर स्वच्छता) कार्यक्रमाचे आयोजन व सहभाग | २५० |
| ६/८/२०२० | Video व्दारे ''विश्वशांती दिवस'' संबंधी विद्यार्थ्यामध्ये जनजागृती | २५० |
| १५/८/२०२० | स्वातंत्रता दिवस कार्यक्रमात सहभाग | २० |
| २०/८/२०२० ते १५/१०/२०२० | NSS Unit व्दारे आयोजित Online नविन रासेयो स्वयंसेवकांची प्रवेश नोंदणी | २५० |

| | | |
|---|---|---|
| ५/९/२०२० | NSS Unit व्दारे आयोजित Online शिक्षक दिवस कार्यक्रमामध्ये सहभाग | ८५ |
| १९/९/२०२० | नविन प्रवेशित रासेयो स्वयंसेवकांना Online मार्गदर्शन | १०० |
| २४/९/२०२० | राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस Online कार्यक्रमामध्ये सहभाग | १०० |
| ३०/९/२०२० | व्हिडीओ व्दारे Plastic निर्मुलन कार्यक्रमाची जनजागृती | २५० |
| २/१०/२०२० | व्हिडीओ व्दारे गांधी जयंती कार्यक्रमाची माहिती | २५० |
| ३१/१०/२०२० | सरदार वल्लभभाई पटेल यांच्या जयंती ला 'राष्ट्रीय एकता दिवस' म्हणून साजरी करण्यात आली. | College Staff |
| २६/११/२०२० | महाविद्यालयात संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजन | College Staff |
| २६/११/२०२० | Online Poster – Banner Competition संविधान दिवस | १०० |
| २६/११/२०२० | भारत सरकारच्या वतीने संविधान दिवसाच्या प्रसंगी आयोजित कार्यक्रमामध्ये रासेयो स्वयंसेवकाचा सहभाग | ०७ |
| १/१२/२०२० | व्हिडीओ व्दारे एच.आय.व्ही. एड्स दिवस जनजागृती कार्यक्रम | २५० |
| २/१२/२०२० | व्हिडीओ व्दारे राष्ट्रीय प्रदूषण दिवस जनजागृती | २५० |
| १६/१२/२०२० | व्हिडीओ व्दारे विजय दिवस जनजागृती कार्यक्रम | २५० |
| १८/१२/२०२० | Online अल्पसंख्याक अधिकार दिवस कार्यक्रमाचे आयोजन | १०० |
| २५/१२/२०२० | भारतरत्न अटलबिहारी बाजपेयी यांच्या जयंती प्रसंगी ''सुशासन दिवस'' कार्यक्रमाचे आयोजन | २५० |
| २५/१२/२०२० | Video व्दारे सुशासन दिवस कार्यक्रमाची जनजागृती | २५० |
| ४/१/२०२१ | Video व्दारे सावित्रीबाई फुले जयंती कार्यक्रम जनजागृती | २५० |
| १२/१/२०२१ | Video व्दारे स्वामी विवेकानंद यांची जयंती निमीत्य Online युवक दिवस कार्यक्रमाचे आयोजन व Video व्दारे जनजागृती | २५० |
| १२/१/२०२१ ते १५/१/२०२१ | महाराष्ट्र शासनाचे ''माझी वसुंधरा'' कार्यक्रमामध्ये सहभाग घेवुन सर्टिफिकेट प्राप्त करण्यासाठी जनजागृती अभियान | २०० |
| १८/१/२०२१ ते १७/२/२०२१ | ''रस्ता सुरक्षा महिना'' प्रसंगी Online Poster-Banner स्पर्धेचे आयोजन व Video व्दारे जनजागृती | २५० |
| २०/१/२०२१ | NSS Unit आणि Vegan Outreach संस्था दिल्ली व्दारे आयोजित Food Plannet Health कार्यक्रमाचे Online आयोजन | १९० |
| २४/१/२०२१ | Video व्दारे बालिका दिवस Online कार्यक्रम जनजागृती | २५० |
| २५/१/२०२१ | ''राष्ट्रीय मतदार दिवस'' Online कार्यक्रमाचे आयोजन व Video व्दारे जनजागृती | २५० |
| २६/१/२०२१ | गणतंत्र दिवस कार्यक्रमामध्ये प्रत्यक्ष सहभाग व Video व्दारे जनजागृती | २५० |
| ३१/१/२०२१ | Pulse Polio कार्यक्रमामध्ये रासेयो स्वयंसेवकाचा सहभाग (सचिन साहु, लखन रामटेके, अस्तिक परिहार, अंकुश गझलवार, बिनीत पटेल, मनस्वी, श्वेता कैथवास) | ०७ |

| | | |
|---|---|---|
| १४/२/२०२१ | भारतीय राष्ट्रीय प्राधीकरण व RTO नागपूर व्दारे आयोजित कार्यक्रमामध्ये सहभाग | ०४ |
| २०/२/२०२१ | ''पर्यावरण एवं जलसंरक्षण में युवाओं की भूमिका'' Online Webinar मध्ये सहभाग | २८९ |
| ९/३/२०२१ ते १०/३/२०२१ | RTMNU च्या शारिरीक शिक्षण विभागाव्दारे आयोजित "Role of Yoga in Rejuvenating Body, Mind & Saul या Online कार्यक्रमामध्ये सहभाग | ०५ |
| विशेष उपलब्धी:– | १) सम्बध फाउंडेशन दिल्ली व्दारे कोवीड १९ चा प्रभाव वाढू नये, व जनजागृतीच्या दृष्टीने Spit free India Movement चे आयोजन करण्यात आले होते . त्यामध्ये उत्कृष्ट कार्य केल्याबद्दल सचिन साहु व इरफाना शेख या स्वयंसेवकाला उत्कृष्ट स्वयंसेवक म्हणून प्रमाणपत्र देवून सत्कार करण्यात आले . तसेच NSS Unit व्दारे कार्यक्रम अधिकारी डॉ .ए.बी.पटले यांच्या नेतृत्वात चांगले कार्य केल्याबद्दल यांना Bronze Medal व प्रशस्ती पत्र देवून (Online) सन्मानित करण्यात आले.<br>२) उच्च शिक्षण मंत्रालय, महाराष्ट्र राज्य व्दारे रासेयो स्वयंसेवक शुभम चापले याला सत्र २०१८–१९ साठी राज्यस्तरीय उत्कृष्ट स्वयंसेवक पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले. | |

वरील सर्व कार्यक्रमांच्या यशस्वी आयोजनामध्ये रासेयो स्वयंसेवक सचिन साहु, लखन रामटेके, रेबन्त परियार, आस्तिक परिहार, अंकुश गझलवार, विनीत पटेल, रियाज पठाण, जय खापरे, सिध्दांत सहाणी, इरफाना शेख, प्रियंका अलोने, अपेक्षा हुमने, अहिंसा उके, ऋतीक शिरभैय्ये, पिंकी मोहबिया, श्वेता कैथवास, अंजली जामगडे या स्वयंसेवकांचे सहभाग प्राप्त झाले त्याचप्रमाणे रासेयो समिती सदस्य डॉ.बी.एम.चचाने, डॉ. वाय.एच.केदार, डॉ. प्रिया मुरारकर, डॉ. एम.आर. पांडे, डॉ. राशी अरोरा, प्रा.पल्लवी श्रीवास्तव आणि डॉ. नेहा कल्याणी यांचे अमूल्य सहकार्य प्राप्त झाले. त्याद्दल सर्वांचे मनपूर्वक आभार. त्याचप्रमाणे प्राचार्य डॉ. एन. वाय.खंडाईत यांच्या निर्देशनानुसार व सहकार्यामुळे वरील कार्यक्रम सुव्यवस्थीत व उत्साहात संपन्न झाल्याबद्दल त्यांचे हार्दिक आभार. सधन्यवाद!

**प्रा.डॉ. ए.बी.पटले**

**रासेयो कार्यक्रम अधिकारी**

# भाषा अभ्यास मंडळ ( इंग्रजी, हिंदी, मराठी )
# आणि
# 'शब्द' फोरम
# अहवाल 2020–21

भाषा अभ्यास मंडळ समितीद्वारा सत्र 2020–21 या शैक्षणिक सत्रात आयोजित केलेले कार्यक्रम:

1 दि. 15 आक्टोबर 2020 रोजी भारताचे माजी राष्ट्रपती दिवंगत डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम यांचा जन्मदिवस 'वाचन प्रेरणादिन' म्हणून साजरा करण्यात आला. या प्रसंगी ऑनलाईन पद्धतीने पुस्तक समीक्षा स्पर्धा घेण्यात आली. 25 विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला.

5. 27 फेब्रुवारी 2021 रोजी श्री. वि. वा. शिरवाडकर उर्फ कुसुमाग्रज यांचा जन्मदिन कुसुमाग्रजांच्या फांटोला माल्यार्पण आणि अभिवादन करून साजरा करण्यात आला.

**विद्यार्थ्यांचा सहभाग / मिळालेला प्रतिसाद:**

1 वाचन प्रेरणादिनानिमित्य जे. एम. पटेल भंडारा महाविद्यालयातर्फे आयोजित ऑनलाईन प्रश्न मंजुषा स्पर्धेत 25 विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. भाषासंर्वधन पंधरवडा निमित्य आयोजित 'मराठीभाषा संवर्धन काळाची गरज' या विषयावर झालेल्या निबंध स्पर्धेत समीक्षा भुसारी, अहिंसा उके, पल्लवी देवगीरकर आणि संजना मेश्राम या विद्यार्थीनींनी सहभाग घेतला.

2 महाराष्ट्र कवीमंचआयोजित राज्यस्तरीय ब्लॉकलेखन स्पर्धेत समीक्षा भुसारी हया विद्यार्थीनीने द्वितीय कमांक पटकाविला. त्या सोबतच राज्यस्तरीय हस्ताक्षर सुलेखन चारोळी स्पर्धेत उत्कृष्ट दर्जाचे सुलेखन केल्याबद्दल सन्मान पत्र प्राप्त झाले.

3 डॉ. भानूबेन महेंद्र नानावटी गृह विज्ञान मुंबई महाविद्यालयातर्फे 'मराठी भाषेचे महत्व' या विषयावर आयोजित राज्यस्तरीय निबंध स्पर्धेत संजना मेश्राम या विद्यार्थीनीने सहभाग घेतला.

4 लोकमान्य महाविद्यालय वरोरा तर्फे आयोजित राज्यस्तरीय 'मराठी भाषा आणि व्याकरण' प्रश्न मंजूषा स्पर्धेत समीक्षा भूसारी या विद्यार्थीनीने सहभाग घेतला.

5 सी. पी. ॲण्ड बेरार महाविद्यालय नागपूर महाविद्यालया तर्फे आयोजित लोकमान्य टिळक स्मृती शताब्दी वर्ष प्रश्न मंजुषा स्पर्धेत समीक्षा भूसारी या विद्यार्थीनीने सहभाग घेतला.

6 'द प्रॅक्टीकल इंडियन आणि पी.एन.एस. ॲकडमी आयोजित राज्यस्तरीय खुली वकृत्व स्पर्धेत समीक्षा भुसारी हीने सहभाग घेतला.

डॉ. देवयानी चव्हाण
संयोजिका

# राष्ट्रीय छात्र सेना (NCC)

वार्षिक अहवाल-२०२०-२१

"राष्ट्रीय छात्र सेना (NCC)" का उद्देश्य देश के युवाओं में चरित्र, साहचर्य, अनुशासन, नेतृत्व, धर्मनिरपेक्ष, दृष्टिकोण तथा नि:स्वार्थ सेवाभाव का संचार करना, संगठित, प्रशिक्षित व प्रेरित युवाओं का मानव संसाधन तैयार करना, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करना व देश सेवा के लिये सदैव तत्पर रहना एवं सशस्त्र सेना में सेवा देने के लिये उचित वातावरण तैयार करना है।

**"एकता एवं अनुशासन"** यह मूलमंत्र तथा उच्च आदर्शो के साथ महाविद्यालय का यह विभाग ४ महा. बटालियन एन.सी.सी. से सलग्न है। इस वर्ष कुल छात्र कॅडेट्स की संख्या १०८ थी। जिसमें ५१ लडके तथा ५७ लडकियाँ शामिल थे।

छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, अच्छा व्यक्तिमत्व, साहसिक-सामाजिक विकास हेतु छात्र सैनिको के लिये विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

१. आतंराष्ट्रीय योग दिवस के उपलब्ध में ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें ३५ कॅडेट्स ने सहभाग लिया।
२. एक घर-एक वृक्ष मिशन के तहत कॅडेट्स ने अपने घर के आस-पास वृक्षारोपण किया । यह वृक्षारोपण जून -जुलाई माह में किया गया ।
३. एन.सी.सी कॅडेट्स ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के विडियो, फोटो, मौखिक प्रचार, इत्यादि को सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म में अपलोड किया । उसी प्रकार भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता हेतु, फिट इंडिया कम्पेन हेतु विविध प्रकार के स्वयं की फोटो, विडियो, पोस्टर, स्लोगन इत्यादि बनाकर सोशल मिडिया के प्लेटफॉर्म में अपलोड किया ।
४. स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी एन.सी.सी. छात्र-छात्राओ ने विविध प्रकार के साफ-सफाई अभियानों में सहभाग लिया ।

9/3/21 इसी क्रम में मानस चौक, नागपुर स्थित स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस के पुतले की साफ-सफाई, परिसर की साफ-सफाई में कॉलेज के एन.सी.सी. कॅडेट्स ने सहभाग लिया ।

५. एन.सी.सी. यूनिट द्वारा आयोजित रक्तदान शिबिर में कॉलेज से २३ कॅडेट्स के द्वारा रक्तदान किया गया।

उपलब्धियां -

१. एन.सी.सी. छात्रा सीनियर अंडर ऑफिसर आयुषी गजानन नागपुरकर का चयन २६ जनवरी को होने वाली राजपथ, नई दिल्ली की परेड में महाराष्ट्र के कंन्टीनेंट मं हुआ । सभी चयनित कॅडेट्स का सम्मान

भारत के प्रधानमंत्री, राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री इत्यादि के द्वारा किया गया।

२. कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय जब लोग बाहर निकलने में डरते थे ऐसे विपरीत समय में हमारे कॉलेज के २५ एन.सी.सी. कॅडेट्स ने अप्रैल के महीने में प्रशासन के साथ मिलकर निष्ठापूर्वक कर्तव्य निभा कर यह साबित कर दिया कि विपरीत परिस्थितियों में भी हम पीछे नहीं हटते।

३. फरवरी-२१ के महीने में कॉलेज के परिसर में पांच दिवसीय एन.सी.सी. कॅडर का आयोजन किया गया जिसमें हमारे कॉलेज के ५९ कॅडेट्स ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

४. हमारे कॉलेज के एन.सी.सी. छात्र रह चुके **मोहब्बत अली सिद्दिकी व समीर बेहरा** का चयन भारतीय सेना में हुआ।

५. हर वर्ष की तरह इस वर्ष का भी एन.सी.सी. परीक्षा फल भी सराहनीय रहा।

६. एन.सी.सी. ऑफीसर पी.बी. इंगळे के सेवानिवृत्त होने की वजह से प्रा. लेफ्टिनेंट आशुतोष तिवारी को प्रभारी बनाया गया जिन्होने ओ.टी.ए. कामठी, नागपुर में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसके परिणामस्वरूप इनको लेफ्टिनेंट उपधि से विभूषित किया गया।

इस वर्ष महाविद्यालय के सर्वोकृष्ट (बेस्ट कॅडेट) के रूप में SUO आयुषी नागपुरकर को घोषित किया गया।

इन सभी गतिविधियों के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत, ४ महा बटा. एन.सी.सी. के कमान अधिकारी ने कर्नल अमित चौधरी का सराहनीय व सकारात्मक सहयोग रहा। महाविद्यालय का यह विभाग आपका आभारी है।

प्रा. ए.जे. तिवारी

एन.सी.सी. ऑफीसर (ए.एन.ओ.)

# आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग

सत्र 2020–21में आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के अंतर्गत महाविद्यालय में निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये :–

**कार्यक्रम –**

- **विश्व जनसंख्या दिवस** –11 जुलाई 2020 ऑनलाईन निबन्ध स्पर्धा में 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।
- **आंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस** – 8 सितम्बर 2020 के अवसर पर राष्टीय शिक्षा नीति विषय पर ऑनलाईन निबन्ध स्पर्धा में 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

वर्ष भर विद्यार्थियों ने वीडियों एवं पोस्टर आदि के द्वारा कोविड –19 के रोकथाम हेतु जनजागृति की। समिति के कार्यो के सफल कार्यान्वयन हेतु मैं प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत, समिति के सदस्यो एवं विशेष रूप से विद्यार्थियों का आभारी हूँ।

**डॉ. वाय. एच. केदार**
**संयोजक**

## पालक–शिक्षक सभा एवं फीडबेक समिति की रिपोर्ट

**2020–2021**

कोविड –19 के नियमों का पालन करते हुए इस वर्ष समिति द्वारा पालक शिक्षक सभा का आयोजन 10 जुलाई 2021 को आभासी मंच (ऑनलाइन मोड) से किया गया। इस सभा को दो सत्रों में आयोजित किया गया। पहली सभा ऑनलाइन कक्षाओं में अनुपस्थित विद्यार्थियों के पालकों के लिए थी तथा दूसरी सभा कोविड– 19 की वेक्सीन न लगवाने वाले छात्रों के पालकों के लिए आयोजित की गई । महाविद्यालय के सभी विभागों से दोनो सभाओं में लगभग 340 पालकों ने सहभाग किया। सभा में पालकों ने अपने पाल्यों की ऑनलाइन कक्षाओं में अनुपस्थिति के विविध कारण बताये । ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की अनुपलब्धता, स्मार्ट फोन ना होना, छोटे भाई –बहनों की भी ऑनलाइन कक्षायें होना, आर्थिक एवं स्वास्थय की समस्यायें आदि। इन समस्याओं को सुनकर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत ने सभा में ऑनलाइन कक्षाओं की महत्ता बताकर उन्हें अपने पाल्यों को कक्षाओं में नियमित उपस्थिति के लिए कहा। साथ ही प्राचार्य ने कोविड –19 की वेक्सीन की अनिवार्यता को बताते हुए पालकों को अपने स्वास्थय की सुरक्षा के साथ ही कोविड –19 की लडाई में देश का साथ देने की अपील की। इस सभा के दौरान पालकों से गूगल फॉर्म द्वारा प्रतिपुष्टि प्रश्नावली भी भरवाई गई । जिसमें पालकों ने ऑनलाइन पद्धति से शिक्षकों के प्रयासों व अध्यापन की प्रशंसा की ।

सम्पूर्ण सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाइन पद्धति से विद्यार्थियों के साथ –साथ पालकों से भी निरन्तर संपर्क किया गया। पालकों की समस्याओं का प्राध्यापकों द्वारा समाधान किये जाने का पूर्ण प्रयास किया गया। अनेक पालको ने महाविद्यालय आकर व्यक्तिगत रूप से भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण हेतु महाविद्यालय परिवार का अभिनन्दन किया। पूर्व सभाओं में दिये गये सुझावों के क्रियान्वयन एवं प्रश्नों के समाधान हेतु पालकों ने आभार व्यक्त किया।

इस समिति द्वारा महाविद्यालय की सुविधाओं, गतिविधियों एवं शैक्षणिक वातावरण का मूल्यांकन करने हेतु विभिन्न विभागों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि प्रश्नावली भरवाई गई । साथ ही समिति द्वारा महाविद्यालय के पूर्व छात्रों – एलूमनी से भी निरन्तर संपर्क कर फीडबेक फॉर्म भरवाने का कार्य किया गया। मै प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत , आई. क्यु. ए. सी. संयोजक डॉ. रंजना साहु,, समस्त विभागों के समन्वयको, प्राध्यापकों, पालकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी श्री शिवचरण सातपुते की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से समिति का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

**डॉ. नेहा कल्याणी**
**संयोजिका**

# सांस्कृतिक समिति (ECA)

2020-21

सत्र 2020–21 के सत्र में कोविड 19 के कारण वर्ष भर विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पद्धति से अनेक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने महाविद्यालयीन, आन्तरमहाविद्यालयीन, राज्यस्तरीय, राष्ट्रस्तरीय आयोजित विविध स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

1. आजीवन अध्ययन एव विस्तार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर ऑनलाइन निबन्ध स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
2. सत्र के प्रारम्भ में ही 15 अगस्त 2021 को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन रंगोली एवं पोस्टर स्पर्धा का आयोजन किया गया । इस रंगोली स्पर्धा में 6 एवं पोस्टर स्पर्धा में 32 विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया ।
3. आजीवन अध्ययन एव विस्तार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 8 सितम्बर को विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर ऑनलाइन पोस्टर स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
4. 2 विद्यार्थियों ने वर्धा में आयोजित ASPEN में सहभाग किया।
5. पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के जन्मदिवस 15 अक्टूबर को वाचन प्रेरणा दिवस के अवसर पर शब्द फोरम समिति के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन पुस्तक समीक्षा का आयोजन किया गया है , जिसमें 45 विद्यार्थियों ने सहभाग किया।
6. लगभग 60– 65 विद्यार्थियों ने आन्तरमहाविद्यालयीन, राज्यस्तरीय, राष्ट्रस्तरीय आयोजित विविध स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें एक छात्रा ने पुस्तक समीक्षा स्पर्धा में प्रथम, एक छात्रा ने आन्तरमहाविद्यालयीन वक्तृत्व स्पर्धा में प्रथम और एक छात्रा ने पुस्तक समीक्षा स्पर्धा में द्वितीय पुरस्कार , RBI 4th challenge Competition स्पर्धा में एक छात्रा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया ।
7. इन्दौर विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन सांस्कृतिक स्पर्धा में आयोजित स्वराजंलि स्पर्धा में 1 छात्रा ने सेमीफाइनल राउन्ड में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
8. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा आयोजित स्पर्धा के 11 जनवरी एवं 26 फरवरी को आयोजित दो राउन्ड में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

# ECA समिति में पुरस्कृत विद्यार्थियों की सूची

| SR. NO | NAME OF COMPETITION | NAME OF STUDENT | CLASS | PRIZE | COLLEGE |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | BOOK REVIEW COMPETITION | KU. SAMIKSHA SUMAN SINGH | B.COM I HONOURS | I ST | J. M. PATEL, BHANDARA |
| 2 | INTERCOLLEGE SPEECH COMPETITION , UMERAD 16/3/2021 | KU. MADHUPRIYA SINGH | B.COM. I ST HONOURS | I ST PRIZE | RANDHIR SINGH BHADARIYA COLLEGE, UMRED. |
| 3 | RBI 4th challenge COMPETITION Topic " Top commercial Bank in India & NBFC" | KU. DINKY SAHU | I ST E2 | II ND RANK | RBI |
| 4 | BOOK REVIEW COMPETITION | KU. LAVINA KAVADKAR | B.COM I HONOURS | II ND | J. M. PATEL, BHANDARA |

समिति के कार्यो के सफलतापूर्वक निर्वाह के लिए मैं प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के मार्गदर्शन एवं उनकी प्रेरणा के लिए उनकी कृतज्ञ हूँ । साथ ही समिति के सभी सदस्यों एवं अपने सभी सहयोगी प्राध्यापकों की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से मै अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वाह कर सकी।

डॉ. नेहा कल्याणी
संयोंजिका

## परीक्षा समिति अहवाल

महाविद्यालय की परीक्षा समिति ने इस सत्र में निम्नलिखित परीक्षायं आयोजित की.

**अंतर्गत मूल्यमापन व जाँच परीक्षा :** कोविड-१९ के कारण अध्यापन कार्य एवं परीक्षायें ऑनलाइन पद्धति से हुए. बी.कॉम सेम. I, III, V तथा एम.कॉम सेम-III की कक्षाओं के लिए दो यूनिट टेस्ट तथा दो असांईनमेंट संपन्न हुए, इसी प्रकार पूरे तीन घंटे की जाँच परीक्षा भी सफलता से पूर्ण हूई. इसी प्रकार से बी.सी.सी.ए., बी.बी.ए. तथा एम.बी.ए. की अंतर्गत मूल्यमापन एवं जाँच परीक्षा संपन्न हुई. अंतिम परीक्षा दि. २५-३-२०२१ से आरंभ हुई और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

**बाह्य परीक्षा :** राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ पैर्टर्न व अभ्यासक्रमों की अनुतीर्ण तथा स्टूडेन्ट्स के लिए समर २०२० तथा विटंर २०२० की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गयी.

परीक्षा समिति की ओर से प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत समिति के सदस्य डॉ. बी.एम. चचाणे, डॉ. वीणा चव्हाण, डॉ. पी.एस. मुरारकर समन्वयक डॉ. विशाल ठनगण एवं डॉ. एस.डी. मोरे, डॉ. अश्वीनी पुरोहित, शिक्षकत्तेर कर्मचारी श्री मनोज सेलूकर, वंदना जोसेफ, श्री सातपुते व समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का सहयोग हेतु धन्यवाद! सी.ओ.ई. प्रा. पी.जे. यादव के मार्गदर्शन के लिए आभार।

डॉ. आर.एच. नगरकर
संयोजक

# विशेष दिन समिति २०२०-२१

विशेष दिन समिति द्वारा सत्र 2020– 21 में प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के निर्देशानुसार निम्न लिखित कार्यकम आयोजित किये गये है–

1. स्वतन्त्रता दिवस समारोह :– कोविड –19 के नियमों का पालन करते हुए महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के नेतृत्व में स्वतन्त्रता दिवस समारोह को मनाया गया।
2. शिक्षक दिवस :– 5 सितम्बर 2020 को प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत द्वारा सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन को माल्यार्पण कर आदराजंलि अर्पित की गई।
3. महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयन्ती :– 2 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं माननीय लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं माननीय लालबहादुर शास्त्री जी को माल्यार्पण कर आदराजंलि अर्पित की गई।
4. तुकडोजी महाराज की पुण्य तिथि :– महाविद्यालय में 11 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर उनको श्रद्धाजंलि अर्पित की गई।
5. डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम जयन्ती :– 15 अक्टूबर 2020 को डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम की जयन्ती के अवसर पर विद्यार्थियों को वाचन की प्रेरणा देने हेतु ऑनलाइन पुस्तक समीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 20 विद्यार्थियों ने पुस्तकों का वाचन कर पुस्तक की समीक्षा ऑनलाईन प्रस्तुत की।
6. सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती :– 31 अक्टूबर सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत ने माल्यापर्ण करके उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित की तथा आई. क्यु. ए. सी. संयोजक प्रा. प्रवीण यादव ने सभागार में उपस्थित सदस्यों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलवाई । विद्यार्थियों ने वीडियों आदि बनाकर अपने सामाजिक कर्तव्य का निर्वाह किया।
7. श्रद्धेय श्री जमनालाल बजाज जयन्ती :– 5 नवम्बर 2020 को शिक्षा मण्डल के संस्थापक श्रद्धेय श्री जमनालाल बजाज जी की जयन्ती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत द्वारा बजाज चौक पर स्थित श्री जमनालाल बजाज जी की प्रतिमा को माल्यार्पण कर आदराजंलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अलग –अलग समय पर जाकर महाविद्यालय के सभी सदस्यों ने भी उनके प्रति आदराजंलि अर्पित की।
8. संविधान दिवस :–26 नवम्बर 2020 के इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत ने संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कृतज्ञता व्यक्त की । तत्पश्चात एन. एस. एस. संयोजक डॉ. ए. बी. पटले ने सभागृह में उपस्थित सदस्यों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया। साथ ही विद्यार्थियों ने वीडियों आदि बनाकर अपने राष्ट्र एवं सविंधान के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह किया।
9. महापरिनिर्वाण दिवस :– 6 दिसम्बर 2020 को भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत एवं महाविद्यालय के समस्त सदस्यों द्वारा बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित कर आदराजंलि दी गई।
10. अल्पसंख्याक अधिकार दिवस :– 18 दिसम्बर 2020 को अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर

एन. एस. एस. संयोजक डॉ. ए. बी. पटले सर के निर्देशन में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान डॉ. पटले द्वारा किया गया।

11. सवित्री बाई फूले जयन्ती :–3 जनवरी 2021 को महिलाओं की शिक्षा की प्रणेता माननीया सावित्री बाई फूले की जयन्ती के अवसर पर विद्यार्थियों ने वीडियो बनाकर उन्हें आदरांजलि अर्पित की।
12. विवेकानन्द जयन्ती :– 12 जनवरी 2021 विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर पी.पी.टी और वक्तव्य प्रस्तुत विद्यार्थियों ने उनके आदर्श व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया।
13. गणतन्त्र दिवस :– 26 जनवरी 2021 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत द्वारा झण्डारोहण कर सभा को सम्बोधित किया गया।
14. हुतात्मा दिवस :– 30 जनवरी 2021 को प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत एवं महाविद्यालय के समस्त सदस्यों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धाजंलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया।
15. श्रद्धेय श्री जमनालाल बजाज पुण्यतिथि :– 11 फरवरी 2021 को शिक्षा मण्डल के संस्थापक श्रद्धेय श्री जमनालाल बजाज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत द्वारा बजाज चौक पर स्थित श्री जमनालाल बजाज जी की प्रतिमा को माल्यार्पण कर श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अलग –अलग समय पर जाकर महाविद्यालय के सभी सदस्यों ने भी उनके प्रति श्रद्धाजंलि अर्पित की।
16. भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की जयन्ती :– 14 अप्रैल 2021 को बाबा साहेब की जयन्ती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत और सभी विभागों के समन्वयकों द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर आदरांजलि दी गई।
17. राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज की जयन्ती :–महाविद्यालय में 30 अप्रैल 2021 को राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज की जयन्ती के अवसर पर ऑनलाइन कार्यकम का आयोजन किया गया। डॉ. ए. बी. पटले के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पी.पी. टी. और वक्तव्य प्रस्तुत कर राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज को अपनी आदरांजलि अर्पित की।

समिति के कार्यो के सफलता पूर्वक निर्वाह के लिए मैं प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के मार्गदर्शन एवं उनकी प्रेरणा के लिए उनकी कृतज्ञ हूँ । साथ ही समिति के सभी सदस्यों एवं अपने सभी सहयोगी प्राध्यापकों , शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से मै अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वाह कर सकी। अन्त में उन सभी विद्यार्थियों की आभारी हूँ, जिन्होंनें ऑनलाइन पद्धति से कार्यकमों में सहभाग कर सहयोग दिया।

डॉ. नेहा कल्याणी
संयोंजिका

# FIGHT AGAINST COVID-19 : VACCINATION DRIVE FOR STUDENTS / STAFF (SPONSORED BY THE BAJAJ GROUP)

Overwhelming response to Vaccination Drive

# FIGHT AGAINST COVID-19 : VACCINATION DRIVE FOR STUDENTS / STAFF (SPONSORED BY THE BAJAJ GROUP)

Inauguration of COVID-Vaccination Drive in association with Orange City Hospital on 10 June, 2021